सूर्योदय 5:55 सूर्यास्त 6:46

आज का तापमान

शिमला	16 न्यू	22 अधि
धर्मशाला	22 न्यू	28 अधि

बाजार

सेंसेक्स	79,810
निफ्टी	24,427
सोना 1,02,089	चांदी 1,17,256

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

राजीव शुक्ला बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बने

पृष्ठ 14 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | शनिवार, 30 अगस्त 2025 | 15 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 242, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

उत्तराखंड में 4 जगह फटे बादल, 5 की मौत

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और टिहरी गढ़वाल जिले में वीरवार रात बादल फटने से 5 लोगों की मौत हो गई। तीन लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि लैंडस्लाइड के कारण लगभग 30-40 परिवार मलबे के ढेर में दब गए और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। रैस्क्यू टीमें प्रभावित जिलों के लिए रवाना हो गई हैं। बागेश्वर जिले के पौसारी में रात भर बारिश से दो लोगों की मौत हो गई। रुद्रप्रयाग के जखोली में मकान ढहने से एक महिला की मौत हो गई। 4 नेपाली और 4 स्थानीय सहित 8 मजदूर मलबे में दबे हैं। (अनंत ज्ञान)

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आया

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय रुपया 29 अगस्त को पहली बार 88.29 प्रति डॉलर के ऑल टाइम लो पर पहुंच गया। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ के चलते यह गिरावट आई है। कारोबार के दौरान रुपया 64 पैसे गिरा। दोपहर 2:10 बजे रिजर्व बैंक ने डॉलर बेचकर हस्तक्षेप किया, जिससे रुपया 88.12 पर आ गया। इससे पहले फरवरी में रुपया 87.95 के स्तर पर था। 2025 में अब तक रुपया 3% कमजोर हो चुका है और एशिया की सबसे खराब करेंसी बन गया है। (अनंत ज्ञान)

उर्जित पटेल आईएमएफ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

एजेंसी, नई दिल्ली। उर्जित पटेल को इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है, जहां वे अगले तीन वर्षों तक सेवा देंगे। 2016 में वे भारतीय रिजर्व बैंक के 24वें गवर्नर बने थे और रघुराम राजन की जगह ली थी। 2018 में उन्होंने निजी कारणों से इस्तीफा दिया। पटेल को भारत की नई मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण प्रणाली का निर्माता माना जाता है। उनकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने 4% को मुद्रास्फीति लक्ष्य तय किया। (अनंत ज्ञान)

पूर्व भाजपा विधायक समेत 14 को उम्रकैद

एजेंसी, अहमदाबाद। 2018 के बिटकॉइन लूट और किडनैपिंग केस में अहमदाबाद की एसीबी कोर्ट ने भाजपा के पूर्व विधायक नलिन कोटडिया, अमरेली के पूर्व एसपी जगदीश पटेल और अन्य 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। बिल्डर शैलेश भट्ट ने आरोप लगाया था कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें अगवा कर 12 करोड़ के बिटकॉइन ट्रांसफर कराए थे। इस हाईप्रोफाइल मामले की जांच सीआईडी को सौंपी गई थी। कोर्ट का यह फैसला 7 साल के बाद आया है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- बैरी में ल्हासा गिरने से 4 दिन से बाधित संपर्क मार्ग -पेज 2
- हिमाचल प्रदेश में लग रहे 10 तरह के सेस -पेज 3
- लोक निर्माण मंत्री ने कंगना के रिलीफ फंड दावे पर निशाना साधा -पेज 3
- सुरक्षा में तैनात रहेंगे 50 पुलिस जवान -पेज 5
- संजीव ने दिल्ली में अनुराग से मिलकर बनाई रूपरेखा -पेज 9

सीएम सुक्खू ने बिहार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की आपदा राहत कार्यों की समीक्षा, कहा-

युद्ध स्तर पर चलें राहत-बचाव कार्य

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल में लगातार भारी बारिश और भूस्खलन से जनजीवन बाधित हुआ है। चंबा, भरमौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा और किन्नौर में यातायात बाधित होने के साथ-साथ श्रद्धालु और पर्यटक फंस गए हैं। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना के नेतृत्व में आपदा प्रभावित जिलों के उपायुक्त और वरिष्ठ अधिकारी मिलकर लगातार स्थिति का जायजा ले रहे हैं। फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, हेलिकॉप्टर और बस सेवा उपलब्ध कराने और खाने-पीने की सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। गौर रहे कि मुख्यमंत्री इस समय बिहार में हैं, बावजूद इसके उन्होंने राज्य के आपदा प्रभावित जिलों की स्थिति की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चंबा और भरमौर में फंसे लोगों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं और आपदा राहत-बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर चलाया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। इस बैठक में उपायुक्त और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे और उनके द्वारा अपने-अपने जिले की स्थिति पर रिपोर्ट दी गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते सीएम सुक्खू।

वैकल्पिक मार्ग खोले जाएं

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह ने आपदा प्रभावित जिलों के उपायुक्तों को निर्देशित किया कि वैकल्पिक मार्ग खोले जाएं, दूरदराज फंसे लोगों तक राशन और आवश्यक सामग्री पहुंचाई जाए और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी राहत एवं बचाव कार्य तत्काल और प्रभावी ढंग से किए जाएं। आने वाले दिनों में येलो अलर्ट जारी होने के कारण लोगों को सतर्क रहने, प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और सुरक्षित रहने की अपील की गई।

किन्नौर में बादल फटने से तबाही

अनंत ज्ञान टीम, शिमला/ चंबा

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से कई जिलों में भारी तबाही हुई है। शुक्रवार की सुबह किन्नौर के लिप्पा गांव में बादल फटने से खेतों और बाग-बगीचों में पानी भर गया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, लापता हुए दो लोग बाद में सुरक्षित मिल गए। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लेना शुरू कर दिया है। वहीं, चंबा जिले में चल रही मणिमहेश यात्रा के दौरान 24 अगस्त से अब तक 11 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है, आठ घायल हैं और नौ लापता हैं। भरमौर से आगे का संपर्क टूटने से करीब आठ हजार श्रद्धालु फंस गए थे, जिनमें से 3,457 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। बाकी श्रद्धालुओं को निकालने के लिए बचाव दल लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन खराब मौसम और मुश्किल रास्ते राहत कार्यों में बाधा डाल रहे हैं। उधर, कुल्लू के आनी क्षेत्र में भारी भूस्खलन से तीन घर दब गए, जिनमें दो महिलाओं के लापता होने की आशंका है। इसके अलावा, कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर भूस्खलन के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया है।

चंबा के मणिमहेश में आठ हजार श्रद्धालु फंसे

चंबा-सलूणी-कोटी पुल मार्ग बहाल: मुख्य सचिव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश सरकार में मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना की अध्यक्षता में चंबा और अन्य ज़िलों में आपदा प्रबंधन की स्थिति पर समीक्षा बैठक हुई, जिसमें अवगत कराया गया कि चंबा से सलूणी और आगे कोटी पुल तक सड़क मार्ग बहाल कर दिया गया है। सलूणी उपमंडल में कोटी पुल से संघणी गांव तक छोटे वाहनों के लिए यातायात शुरू हो गया है और शनिवार तक भारी वाहनों की आवाजाही भी संभव हो जाएगी। संघणी से जम्मू-कश्मीर सीमा तक सड़क बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी है। प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में लगभग 1500 लोग चंबा चौगान में रुके हुए हैं, जिनके लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

कर्ज के बोझ तले डगमगाई हिमाचल की अर्थव्यवस्था

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

विधानसभा के मानसून सत्र के दसवें दिन पेश की गई कैग रिपोर्ट ने हिमाचल की आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि सरकार ने भले ही पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को अप्रैल 2023 से लागू कर दिया हो, मगर आने वाले वर्षों में इसका सीधा बोझ प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। कैग ने चेताया है कि राज्य को कर्ज की स्थिरता और खजाने पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव का ध्यान रखना होगा, क्योंकि मौजूदा हालात में वित्तीय अनुशासन डगमगाता दिख रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, हिमाचल सरकार की बढ़ती देनदारियों ने आर्थिक सेहत को गहरी चोट दी है। आलम यह है कि राज्य को न सिर्फ विकास कार्यों के लिए, बल्कि लिए गए कर्ज का ब्याज चुकाने तक के लिए भी नए कर्ज पर निर्भर रहना पड़ रहा है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच सरकार ने कई बार पुराने कर्ज चुकाने के लिए नए कर्ज का सहारा लिया। 2019 में लोक ऋण का 52.99 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ कर्ज अदायगी पर खर्च हुआ, जो 2024 में बढ़कर 74.11 प्रतिशत तक पहुँच गया। कैग रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि सरकार ने केंद्र से मिली 1024 करोड़ की राशि तक खर्च नहीं की, जो विभिन्न योजनाओं के लिए जारी की गई थी। वहीं 14 मामलों में 711 करोड़ का अनुपूरक बजट पारित करने के बावजूद मूल बजट की राशि भी उपयोग नहीं हो सकी।

संशोधित अनुमानों की तुलना में खर्च में 14.49 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जिससे स्पष्ट होता है कि वित्तीय प्रबंधन में खामियां गहरी होती जा रही हैं। रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि राज्य का राजकोषीय घाटा एफआरबीएम एक्ट की तय सीमा से कहीं अधिक दर्ज किया गया। वर्ष 2023-24 में यह घाटा जीडीपी के 5.43 प्रतिशत तक जा पहुंचा, जबकि सीमा 3.5 प्रतिशत तय थी। 2019-20 में जीडीपी का 39.09 प्रतिशत हिस्सा कर्ज के रूप में था, जो 2023-24 में बढ़कर 43.98 प्रतिशत हो गया।

मानसून सत्र में पेश कैग रिपोर्ट ने खोली वित्तीय हालात की परतें

विपक्ष के कड़े विरोध के बावजूद सदन में स्थानीय निकायों से जुड़ा विधेयक पारित

दो साल तक टल सकेंगे नगर परिषदों और निगमों में चुनाव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल विधानसभा में विपक्ष के कड़े विरोध और तीखी बहस के बावजूद सरकार ने स्थानीय निकायों से जुड़ा अहम विधेयक पारित कर दिया। इस विधेयक के पारित होने के बाद अब राज्य सरकार को यह अधिकार मिल गया है कि वह नवगठित नगर परिषदों और नगर निगमों में चुनाव दो वर्ष तक स्थगित कर सके। सरकार का तर्क है कि तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण और संसाधनों की कमी के कारण तुरंत चुनाव कराना व्यावहारिक नहीं है। वहीं विपक्ष ने इसे अवैध करार देते हुए अदालत में चुनौती देने की चेतावनी दी है। यह फैसला जनता के बीच भी चर्चाओं का विषय बना हुआ है क्योंकि इससे न केवल प्रशासनिक ढांचे पर असर पड़ेगा, बल्कि भविष्य की राजनीति की दिशा भी तय होगी।

शुक्रवार को सदन में नगर परिषद और नगर निगम अधिनियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई। ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने यह विधेयक प्रस्तुत किया, जिसे चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। सरकार का कहना है कि चुनाव से पहले नए निकायों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि जनता को बेहतर सेवाएं मिल सकें। पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने विपक्ष की आपत्तियों का जवाब देते हुए कहा कि कई शहरी क्षेत्रों की आबादी 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है। ऐसे में चुनाव कराने से पहले पुनर्गठन और उचित योजना बनाना आवश्यक है।

विपक्ष बोला-विधेयक को कोर्ट में देंगे चुनौती

पूर्व मुख्यमंत्री और सदन में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर, विधायक राकेश जम्वाल और सतपाल सिंह सत्ती ने इस विधेयक का कड़ा विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह का संशोधन प्रशासनिक असमंजस पैदा करेगा और जनता के हित प्रभावित होंगे। विपक्ष ने ऊना नगर निगम का उदाहरण देते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की अनदेखी कर करोड़ों के नोटिस थमा दिए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई कि इस विधेयक को अदालत में चुनौती दी जाएगी।

लाहौल-स्पीति की एसपी से सीएम नाराज

ज्वाइनिंग में देरी करने पर उठे सवाल, मांगा स्पष्टीकरण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने लाहौल-स्पीति की नियुक्त एसपी एवं आईपीएस अधिकारी शिवानी मैहला से नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को शुक्रवार को निर्देश दिए कि शिवानी मैहला से ज्वाइनिंग में देरी पर जवाब लिया जाए। राज्य सरकार ने 13 अगस्त को उन्हें लाहौल-स्पीति का एसपी नियुक्त किया था, लेकिन अब तक उन्होंने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। इस बीच जिला में एसडीएम आकांक्षा शर्मा मातृत्व अवकाश पर हैं और उनकी जगह भी नए अधिकारी की तैनाती नहीं हुई है।

लाहौल-स्पीति में 25 और 26 अगस्त को हुई भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। आपदा के हालात में पुलिस मुखिया की अनुपस्थिति से जिला में प्रशासनिक कमी महसूस हो रही है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने शुक्रवार को सभी उपायुक्तों के साथ आपदा समीक्षा बैठक वर्चुअल माध्यम से ली, जिसमें लाहौल-स्पीति की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने साफ किया कि एसपी को अब सरकार को देरी के कारण बताने होंगे।

जिले की पूर्व एसपी इलमा अफरोज स्टडी लीव पर

लाहौल-स्पीति की पूर्व एसपी इल्मा अफरोज अध्ययन अवकाश पर गई हैं। उनके अवकाश पर जाने के बाद सरकार ने केलांग में तैनात डीएसपी और एचपीएस अधिकारी रश्मि शर्मा को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा था। इसी बीच 14 अगस्त को शिवानी मैहला को लाहौल-स्पीति का एसपी नियुक्त किया गया था।

डॉ. जनक ने भरमौर में फंसे लोगों के लिए सरकार से मांगी सहायता

कहा- सड़कें बाधित, दूरसंचार सेवा पूरी तरह से नहीं हुई बहाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

चंबा जिले के भरमौर में आई आपदा ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। क्षेत्र देश-दुनिया से कट चुका है, क्योंकि सड़कों का कई जगहों पर संपर्क टूट गया है और दूरसंचार सेवा चार दिन बाद भी पूरी तरह से बहाल नहीं हो सकी है।

मणिमहेश यात्रा पर गए हजारों श्रद्धालु और पर्यटक यहां फंसे हुए हैं। भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने सरकार पर राहत और बचाव कार्यों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हजारों लोग बिना भोजन और पानी के फंसे हैं, लेकिन प्रशासन या सरकार की ओर से किसी प्रकार की मदद नहीं मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावित क्षेत्र की सुध लेने वाला कोई नहीं है और वे स्वयं इस स्थिति को लेकर धरने पर बैठे हैं।

हजारों लोग बिना भोजन और पानी के जी रहे

जल्द शुरू की जाए हेलिकॉप्टर सेवा

भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने कहा कि सरकार को तुरंत सेना और एनडीआरएफ को राहत कार्यों में लगाना चाहिए और फंसे लोगों को निकालने के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार ने चंबा से भरमौर के लिए हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई सेवा नहीं दी गई है। जो हेलीकॉप्टर दिख रहे हैं वे निजी कंपनियों के हैं। विधायक ने क्षेत्र के पावर प्रोजेक्ट्स और उद्योगों से भी अपील की है कि वे खाने-पीने की व्यवस्था कर फंसे हुए लोगों की मदद करें।

पीएम को गाली देने पर चले लाठी और डंडे

पटना में कांग्रेस ऑफिस के बाहर बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

एजेंसी, पटना

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी को गाली देने के मामले में शुक्रवार को पटना में बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़ गए। बीजेपी कार्यकर्ता कांग्रेस ऑफिस के बाहर प्रदर्शन के लिए पहुंचे थे। वे राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। थोड़ी देर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते दोनों पार्टी के लोग आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। कई गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई है। बवाल के बाद पुलिस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को वहां से खदेड़ा। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता जमीन पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। 30 मिनट चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने सभी कांग्रेसियों को सड़क से हटाकर जाम खुलवाया। आरा में भी बीजेपी और कांग्रेस के कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव का पुतला दहन किया। इसी दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ता भी पहुंच गए। कांग्रेसियों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया और नारेबाजी भी की।

वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी और उनकी मां को गाली देने के मामले में दरभंगा पुलिस ने वीरवार देर रात रिजवी उर्फ राजा नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी भपुरा गांव का रहने वाला है। (अनंत ज्ञान)

पीएम और उनकी मां को गाली देने वाला गिरफ्तार

कांग्रेस ने सबसे घृणित काम किया: शाह

मामले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बयान आया है। असम के गुवाहाटी में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा में पीएम मोदी की मां के लिए अपशब्द बोलकर कांग्रेस ने सबसे घृणित काम कांग्रेस ने किया है। जिस प्रकार की राजनीति राहुल गांधी ने शुरू की है, वे हमारे सार्वजनिक जीवन को ऊंचाई नहीं देगी। यह आज से नहीं है, नरेंद्र मोदी जब से पीएम बने तब से सोनिया-राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री को गालियां दी हैं। शाह ने कहा कि राहुल गांधी को थोड़ी भी शर्म है तो मोदी और उनकी दिवंगत मां के लिए कहे गए अपशब्दों पर माफी मांगें।

हम संविधान की रक्षा करते रहेंगे

पटना में कांग्रेस ऑफिस के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं की तोड़फोड़ पर राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, 'सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। जितना मारना और तोड़ना है कर लो। हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते।'

तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ा देश का सकल घरेलू उत्पाद

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार ने जून तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी कर दिए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश का सकल घरेलू उत्पाद वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में यह भी बताया गया है कि देश का बजटीय घाटा या राजकोषीय घाटा बढ़कर 29.9% पर पहुंच गया है।

अप्रैल-जून में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। अमेरिका की ओर से विनाशकारी टैरिफ लगाए जाने से पहले बीती पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण हुई। भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, क्योंकि अप्रैल-जून की अवधि में चीन की जीडीपी वृद्धि 5.2 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, पिछली उच्चतम जीडीपी वृद्धि 2024 के जनवरी-मार्च में 8.4 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2024-25 की अप्रैल-जून अवधि में 1.5 प्रतिशत थी। हालांकि, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि मामूली रूप से बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 7.6 प्रतिशत थी। इस महीने की शुरुआत में, भारतीय रिजर्व बैंक ने 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था, जिसमें पहली तिमाही 6.5, दूसरी तिमाही 6.7, तीसरी तिमाही 6.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही 6.3 प्रतिशत थी। (अनंत ज्ञान)

संबोधन | टोक्यो में भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम की बैठक में बोले मोदी

दुनिया की नजरें ही नहीं, भरोसा भी भारत पर

एजेंसी, टोक्यो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 2 दिन के जापान दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने टोक्यो में भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम की बैठक को संबोधित किया। मोदी ने अपने भाषण में भारत को निवेश के लिए सबसे बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की नजरें ही नहीं, भरोसा भी भारत पर है। मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही नेतृत्व कर सकते हैं। मोदी ने कहा भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। मोदी से पहले जापान के पीएम इशिबा ने कहा कि भारतीय टैलेंट और जापानी तकनीक एक-दूसरे के लिए बने है। बतौर प्रधानमंत्री मोदी का यह 8वां जापानी दौरा है। स्थानीय कलाकारों ने टोक्यो के होटल में उनका गायत्री मंत्र से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात की। (अनंत ज्ञान)

कहा-जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है तो भारत टैलेंट का पावरहाउस

जापान के रॉकेट से लॉन्च होगा चंद्रयान-5

टोक्यो। 15वें भारत-जापान समिट में भारत-जापान के बीच चंद्रयान-5 मिशन को लेकर एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह मिशन दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी का ज्वाइंट ऑपरेशन होगा। इसमें दोनों मिलकर चांद के दक्षिणी ध्रुव की स्टडी करेंगे। समिट में जापानी पीएम इशिबा ने भारत में अगले 10 सालों में 10 ट्रिलियन येन (करीब 6 लाख करोड़ रुपए) निवेश करने की बात कही है।

भारत में 6 लाख करोड़ का निवेश करेगा जापान

15वें भारत-जापान समिट में जापानी पीएम इशिबा ने भारत में अगले 10 सालों में 10 ट्रिलियन येन (करीब 6 लाख करोड़ रुपए) निवेश करने की बात कही है। उन्होंने भारत और जापान के स्मॉल, मीडियम उद्योग और स्टार्टअप को जोड़ने पर जोर दिया। वहीं, पीएम मोदी ने दोनों देशों की साझेदारी को दुनिया की शांति के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि दोस्तों हमने मिलकर अगले 10 सालों के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। मोदी ने कहा, 'भारत और जापान की साझेदारी भरोसे पर बनी है। हम अपने लोगों और दुनिया के लिए शांति, प्रगति और समृद्धि का साझा सपना लेकर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अगले भारत-जापान समिट के लिए इशिबा को भारत आने का न्योता भी दिया। इसके अलावा मोदी ने रूस-यूक्रेन जंग पर भारत के रुख को साफ करते हुए इसे मानवता के आधार पर देखने की बात कही।

महिला वकीलों के लिए पोश एक्ट लागू न करने पर सरकार को नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य बार काउंसिल और बार एसोसिएशन में पंजीकृत महिला वकीलों के लिए कार्यस्थल पर POSH एक्ट लागू करने से जुड़ी याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और बीसीआई को नोटिस जारी किया है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पूछा कि संविधान के अनुच्छेद 32 मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए अदालत जाने के अधिकार के तहत हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका कैसे दायर की जा सकती है? 7 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था कि पोश कानून केवल नियोक्ता-कर्मचारी संबंध में ही लागू होता है। इसलिए महिला वकील इसके दायरे में नहीं आतीं। इसके बाद याचिकाकर्ता के वकील ने उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करने की प्रार्थना को हटाने पर सहमति व्यक्त की। शीर्ष अदालत अधिवक्ता और लेखिका सीमा जोशी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम को राज्य बार काउंसिल/बार एसोसिएशन में नामांकित महिला अधिवक्ताओं पर लागू करने के निर्देश देने की मांग की गई है। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम की अगुवाई में चला स्वच्छता अभियान

अनंत ज्ञान, भोरंज। एसडीएम शशिपाल शर्मा की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय कार्यालय परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। एसडीएम ने स्वयं झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की और कहा कि स्वच्छ वातावरण से कार्य क्षमता में वृद्धि होती है तथा नागरिकों को भी बेहतर सेवाएं मिलती हैं। उन्होंने बताया कि मिनी सचिवालय भवन बड़ा होने के कारण कई जगह कचरा और पानी जमा हो जाता है। इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर कार्यालय परिसर की सफाई, कचरा निपटान और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे कार्यालय को नियमित रूप से स्वच्छ रखेंगे और आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे।

राजनीति में मर्यादा भूलना मानवता के खिलाफ

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा नेत्री उषा बिरला ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह केवल नरेंद्र मोदी की माता का नहीं, बल्कि भारत की हर मां का अपमान है। भारतीय संस्कृति में मां को पूजनीय माना जाता है और सत्ता की भूख में मातृत्व पर आक्षेप लगाना न केवल समाज बल्कि सभ्यता के लिए भी कलंक है। उषा बिरला ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जैसे नेता संकीर्ण राजनीति कर रहे हैं और मर्यादाओं को तोड़कर बिहार की धरती को कलंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि करोड़ों गरीबों, माताओं और बहनों की उम्मीद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि देश की जनता ऐसे सत्ता-लोभी नेताओं को कभी माफ नहीं करेगी। मां का सम्मान करना ही सच्चा राष्ट्रधर्म है और जो इसका अपमान करेगा, वह जनता के न्याय से बच नहीं पाएगा।

छात्रों को शेयर मार्केट की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, नादौन। डीडीएम साईं लॉ कालेज कल्लर जलाड़ी में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड तथा सेंट्रल डिपॉजिटरी सिक्योरिटीज लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीडीएसएल दिल्ली के उप महाप्रबंधक संदीप पुरी और सेबी सिक्योरिटी मार्केट ट्रेनर प्रदीप कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती दीप प्रज्वलन से किया गया, जिसके बाद अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। वर्कशॉप में बीए एलएलबी और एलएलबी के विद्यार्थियों सहित कॉलेज स्टाफ ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने छात्रों को शेयर मार्केट, डीमैट अकाउंट, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश विकल्पों की जानकारी दी और समझाया कि सही निवेश भविष्य को सुरक्षित और लाभकारी बना सकता है।

हिम गंगा योजना से पशुपालकों को मिलेगा लाभ

अनंत ज्ञान, रंगस। जोलसप्पड़ पंचायत में दुग्ध अभिशीतन केंद्र जलाड़ी और पशुपालन विभाग के सौजन्य से जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। डॉ. संदीप पटिल और डॉ. शिवानी ने पशुपालकों को हिम गंगा योजना, सब्सिडी और दूध के दामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण दूध बेचकर पशुपालक अपनी आर्थिकी को सुदृढ़ बना सकते हैं। इस अवसर पर मिल्क को-ऑपरेटिव सोसाइटी जोलसप्पड़ का गठन किया गया। इसमें प्रधान अनीश कांत, उपप्रधान केहर सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप शर्मा और सेक्रेटरी राज कुमार को चुना गया। इस अवसर पर पंचायत प्रधान मीना कुमारी, उपप्रधान संतोष कुमार, पशु औषधी आयोजक प्रवीण कुमार, पशु औषधी आयोजक सतीश ठाकुर के अलावा विक्की राणा, राजेश कुमार, अशोक कुमार, मेहर सिंह, सुभाष चंद, रणजीत सिंह, मीनाक्षी धीमान, सुमना कुमारी, मदन सिंह, जगदीश चंद, सुरेश सिंह, जागीर सिंह, जगदीश चंद, शंकर दास सहित कई पशुपालक मौजूद थे।

मुफ्त कानूनी सहायता का लाभ उठाएं पात्र लोग

अनंत ज्ञान, बड़सर। बिझड़ी में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने बीडीओ और सीडीपीओ कार्यालयों के सहयोग से पंचायत समिति हॉल में जागरूकता शिविर आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा ने की। उन्होंने बताया कि न्याय को आमजन तक सुलभ बनाने के लिए नालसा ने कई योजनाएं आरंभ की हैं, जिनमें मुफ्त कानूनी सहायता योजना सबसे महत्वपूर्ण है। शर्मा ने कहा कि एससी-एसटी वर्ग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग, आपदा पीड़ित, श्रमिक, कैदी, किन्नर और सालाना तीन लाख रुपए तक आय वाले लोग इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया सरल है और न्यायालय परिसर में बने फ्रंट ऑफिस से या नालसा हेल्पलाइन 15100 के जरिए आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने मानव तस्करी, तेजाब हमलों की पीड़ित महिलाओं, असंगठित क्षेत्र के कामगारों और नशे से प्रभावित लोगों को भी इन योजनाओं के दायरे में बताया। साथ ही बताया कि लंबित मामलों के निपटारे के लिए मध्यस्थता और राष्ट्रीय लोक अदालतें प्रभावी साधन हैं। आगामी 13 सितंबर को भी राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी।

टौणी देवी स्कूल में मेगा पीटीएम आज

अनंत ज्ञान, टौणी देवी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टौणी देवी में 30 अगस्त को पाठशाला प्रबंधन समिति के प्रधान पद का चयन किया जाएगा। इसी दिन विद्यालय प्रांगण में मेगा अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन (पीटीएम) भी आयोजित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा ने बताया कि इस अवसर पर समर अभ्यास हिमाचल पोर्टल के माध्यम से अभिभावकों को जोड़ा जाएगा, ताकि वे बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों, उपस्थिति और उपलब्धियों से सीधे अवगत रह सकें। वर्तमान प्रधान राम मल्काणिया के इस्तीफे के कारण यह चयन आवश्यक हो गया है। विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस भी हर्षोल्लास से मनाया गया। शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता संजय ठाकुर के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने खेल भावना और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विशेष रूप से आयोजित बास्केटबॉल मैच मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल दिखाया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग हैं और इससे अनुशासन, टीम भावना व नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

गौतम कॉलेज की निकिता तीसरे स्थान पर

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी की छात्राओं ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा बोर्ड के डी. फार्मेसी प्रथम वर्ष के परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निकिता ने तीसरा स्थान, मीना देवी ने पांचवां स्थान, मेघना ने नौवां स्थान और मीनाक्षी ने दसवां स्थान प्राप्त किया और इसी तरह गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी की छात्राओं ने हिमाचल तकनीकी शिक्षा बोर्ड की टॉप 10 सूची में 4 स्थान हासिल किए। गौतम कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्रिंसिपल डॉ. संजय कुमार ने छात्राओं के इस शानदार प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी। गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज के प्रबंध निदेशक जगदीश गौतम ने भी छात्राओं और कॉलेज के प्रिंसिपल को इस उत्कृष्ट सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं ने कॉलेज, शिक्षकों और अभिभावकों का नाम रोशन किया है, जो कॉलेज के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

शुभम और नेहा ने लगाई सबसे तेज दौड़

अनंत ज्ञान, नादौन। सिद्धार्थ राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नादौन में खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर विशाल ठाकुर द्वारा किया गया, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी प्रोफेसर योगेश ने निभाई। खेल दिवस का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार गौतम ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन और समर्पण हर विद्यार्थी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर आयोजित क्रॉस कंट्री दौड़ में लगभग 250 छात्रों ने भाग लिया। लड़कों की क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में शुभम ने प्रथम, अंकुश ने द्वितीय और अखिल तीसरा, जबकि लड़कियों में नेहा प्रथम, श्रेया द्वितीय और युक्ता तृतीय स्थान पर रहीं। रस्साकशी व वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खेल दिवस पर नौनिहालों ने दिखाया दम

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल हीरानगर में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लगभग 250 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। खेल दिवस का शुभारंभ विद्यालय चेयरमैन पूरे आरसी लखनपाल, वेयरपर्सन चन्द्रप्रभा लखनपाल व प्रधानाचार्य शशिबाला ने हरी झंडी दिखाकर किया। दिवस के मुख्य आर्कषण 30, 40 व 50 मीटर रेस, वन लेग रेस, स्पून रेस, रिंग वॉल, थ्रो गेम बॉल व भाला, आर्चरी, बोरा व रस्सा सदनों ने बॉलीबाल स्पर्धा रहीं। प्राचार्या महोदया ने खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया, समन्वयिका पूजा शर्मा, खेल अध्यापकों रेणु शर्मा, सुनील कुमार, राकेश कुमार, हिमांशु रावत व इवेंट मैनेजर चन्द्र किरण को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

बच्चों को खेल दिवस के बारे में दी जानकारी

अनंत ज्ञान, नादौन। राजकीय उच्च पाठशाला स्वाहल में मुख्य अध्यापक संदीप डडवाल ने बच्चों को खेल दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप दिन का एक घंटा खेल मैदान में प्रतिदिन बिताएं। इस अवसर पर हॉकी एवं अन्य खेलों का आयोजन किया गया।

बैरी में ल्हासा गिरने से 4 दिन से बाधित संपर्क मार्ग

बैरी, भारल, दाहू व गारियां गांवों का संपर्क टूटा, लोगों ने आपसी सहयोग से जेसीबी के माध्यम से खड्ड में बनाई सड़क

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। उपमंडल के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पाहलू के बैरी व अन्य गांव पिछले चार दिनों से सड़क संपर्क मार्ग से टूटे हुए हैं। ग्रामीण पिछले चार दिनों से डेढ़ किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को पेश आ रही है, जिस कारण बच्चे पैदल ही अपने परिजनों के साथ डेढ़ किलोमीटर का सफर तय कर रहे हैं। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि वैरी गांव के लोगों ने आपसी सहयोग से जेसीबी मंगवाकर शुक्कर खड्ड में अपनी गाड़ियों को निकालने के लिए रास्ता बनाया है।

मीनाक्षी, उषा, सुरेशन, रंजना, दीपक सुरेश ने बताया कि सड़क मार्ग बंद होने से बैरी, भारल, दाहू और गारियां गांव सीधे प्रभावित हुए हैं। इन गांवों से डिस्पेंसरी, स्कूल और जरूरी कार्यों के लिए लोगों का बाहर जाना अब पूरी तरह ठप हो गया है। मरीजों, विद्यार्थियों और दैनिक मजदूरी के लिए आने-जाने वालों को सबसे ज्यादा कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि सड़क को तुरंत खोलकर लोगों को राहत दी जाए। इस संदर्भ में जब रिपोर्ट बड़सर अधिशासी अभियंता रविशंकर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से जेसीबी से रास्ते खोलने की कवायद जारी है और जल्द ही सभी रास्तों को खोल दिया जाएगा।

सुजानपुर-संधोल मार्ग पर लैंडस्लाइड होने के बारण वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को परेशानी हुई।

सुजानपुर-संधोल मार्ग पर लैंडस्लाइड होने से चालक परेशान

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर के सुचुही क्षेत्र में गुरुवार देर रात से हुई लगातार बारिश ने सुजानपुर-संधोल मार्ग को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। बजाहर गांव से बाकर खड्ड तक सड़क पर भारी भूस्खलन होने से सुबह 5 बजे से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। इससे मंडी जिला से संपर्क मार्ग भी बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्कूली बसें भी बीच रास्ते में फंस गईं, जिससे बच्चों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। विभागीय कर्मचारियों को मौके पर भेजकर सुबह 11 बजे तक सड़क को अस्थायी रूप से बहाल किया गया। प्राइवेट बस यूनियन प्रधान भीम सिंह रांगड़ा ने बताया कि बरसात के मौसम में इस मार्ग पर वाहन चलाना बेहद जोखिम भरा हो गया है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य अधूरा होने से रोड की हालत और बिगड़ रही है। विभागीय एसडीओ संसार चंद सकलानी ने कहा कि टीम को मौके पर भेजकर मार्ग को खोल दिया गया है और जल्द स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

जड़ोह गांव में भारी बारिश से गोशाला जमींदोज

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज की ग्राम पंचायत हनोह के गांव जड़ोह में भारी बारिश ने कहर बरपाया। गांव निवासी राजेश कुमार पुत्र हेम राज की गोशाला मलबे की चपेट में आकर पूरी तरह जमींदोज हो गई। हादसे में परिवार को लगभग डेढ़ लाख रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। ग्राम पंचायत प्रधान बोहरा राम ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि इस आपदा से पीड़ित परिवार के पास अब गौशाला का सहारा भी नहीं बचा। प्रधान ने प्रशासन से प्रभावित परिवार को शीघ्र राहत मुहैया करवाने की मांग की है। वहीं, स्थानीय पटवारी ने भी मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया और संबंधित विभाग को रिपोर्ट भेज दी है।

सैऊ में मकान क्षतिग्रस्त होने पर दी फौरी राहत

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल के गांव सैऊ में एक रिहायशी मकान के अचानक ढह जाने से एक परिवार बेघर हो गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम शशि पाल शर्मा और तहसीलदार डॉ. आशीष शर्मा अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए। एसडीएम ने प्रभावित परिवार को फौरी आर्थिक राहत राशि प्रदान की और परिवार की स्थिति को देखते हुए तरपाल और किचन सेट भी उपलब्ध करवाया। एसडीएम ने कहा कि प्रभावित परिवार को प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

सड़क की बदहाली से भगेटू के ग्रामीण परेशान

अनंत ज्ञान, भोटा। भगेटू गांव की सड़क लगातार बारिश से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। प्रशासन ने अस्थायी रूप से मिट्टी डालकर मार्ग को चलने योग्य बनाया, लेकिन भारी वाहन गुजरते ही सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है और वाहन फंस जाते हैं। ग्रामीणों ने पक्का डंगा लगाने की मांग दो वर्षों से उठाई है, पर समाधान नहीं निकला। लोगों ने प्रशासन से जल्द स्थायी मरम्मत की गुहार लगाई है।

मणिमहेश यात्रा में फंसे श्रद्धालुओं का रेस्क्यू सुनिश्चित करे सरकार: अनुराग

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने मणिमहेश यात्रा के दौरान खराब मौसम के कारण फंसे श्रद्धालुओं के सुरक्षित रेस्क्यू को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव, डीजीपी तथा भारत सरकार के दूरसंचार सचिव और बीएसएनएल सीएमडी से इस मुद्दे पर चर्चा की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं से प्रदेश में जनजीवन प्रभावित हुआ है और धार्मिक पर्यटन पर भी असर पड़ा है। चंबा जिले में मणिमहेश यात्रा पर रोक लगने से हज़ारों श्रद्धालु रास्ते में फंस गए थे। प्रशासन ने अब तक कई श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकालकर उनके गंतव्य तक भेजा है, जबकि बाकी यात्रियों के लिए भोजन और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को मोबाइल नेटवर्क की समस्या झेलनी पड़ रही है। इस पर दूरसंचार सचिव और बीएसएनएल सीएमडी से बातचीत कर नेटवर्क बहाली का अनुरोध किया गया है। ठाकुर ने कहा कि वे लगातार प्रशासन और अधिकारियों से संपर्क में हैं और श्रद्धालुओं की सकुशल वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ फिटनेस व खेलों में भाग लें युवा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सांसद खेल महोत्सव-2025 की शुरुआत की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें बड़े मंच तक पहुँचाने का प्रयास है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि फिट रहने का सबसे सरल माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक घंटा खेल के मैदान में के आह्वान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती पर आयोजित यह महोत्सव फिट इंडिया अभियान को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने बताया कि क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, खो-खो, मैराथन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में खिलाड़ी 20 सितंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। दिवाली के बाद इसका आयोजन पूरे धूमधाम से होगा। यह चौथा संस्करण है, इससे पहले तीन सफल आयोजन सांसद खेल महाकुंभ नाम से हो चुके हैं। ठाकुर ने कहा कि ऐसे आयोजन खेल प्रतिभाओं को अवसर देने के साथ-साथ युवाओं में नेतृत्व और स्पोर्टिंग कल्चर का विकास करते हैं। उनका लक्ष्य है कि हिमाचल के खिलाड़ियों को अधिक से अधिक प्लेटफॉर्म और सुविधाएं उपलब्ध हों।

बमसन के बीडीसी और पंचायतों के वार्डों पर आपत्तियां या सुझाव 6 तक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। विकास खंड बमसन (टौणी देवी) की पंचायत समिति और विकास खंड की 21 पंचायतों के वार्डों की सूची के प्रारूप प्रकाशित कर दिए गए हैं। इन प्रारूप सूचियों के संबंध में 6 सितंबर तक आपत्तियां या सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। इन सूचियों के प्रारूप के प्रकाशन की अधिसूचना जारी करते हुए एसडीएम हमीरपुर संजीत सिंह ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग की अधिसूचना का अनुपालन करते हुए विकास खंड बमसन की पंचायतों एवं पंचायत समिति के वार्डों का पुनर्गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि पुनर्गठित पंचायतों के वार्डों एवं पंचायत समिति के वार्डों की प्रस्तावित सूची सार्वजनिक कर दी गई है। ये सूचियां टौणी देवी स्थित बीडीओ कार्यालय के अलावा सभी पंचायत कार्यालयों में भी उपलब्ध करवाई गई हैं। एसडीएम ने कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त परिसीमन के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव दर्ज करवाना हो तो वह इसे 6 सितंबर तक टौणी देवी स्थित बीडीओ कार्यालय में या एसडीएम कार्यालय हमीरपुर में लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त कोई भी आपत्ति या सुझाव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

त्रिशा कॉलेज में खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद को किया याद

त्रिशा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मुख्यातिथि एनके शर्मा छात्रों को संबोधित करते हुए।

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

त्रिशा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें कॉलेज अध्यक्ष एनके शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करते हुए कहा कि उनकी जयंती पर हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है।

भारतीय हॉकी के करिश्माई खिलाड़ी ध्यानचंद को अब तक का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी माना जाता है और उनके योगदान को श्रद्धांजलि देने के लिए भारत सरकार ने 2012 से इस दिवस को मनाने की परंपरा शुरू की। मुख्य अतिथि एनके शर्मा ने प्रशिक्षु अध्यापकों को संप्रेषण कौशल के महत्व के बारे में भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संचार कौशल जानकारी के प्रभावी आदान-प्रदान की कला है, जिसमें सुनना, बोलना, शारीरिक भाषा और सहानुभूति शामिल है। कार्यस्थल पर मजबूत संचार कौशल सहयोग बढ़ाते हैं और गलतफहमियों को कम करते हैं। इस अवसर पर कॉलेज की कार्यकारी प्राचार्या डॉ. पूनम भारद्वाज, बीएड एवं डीएलएड के प्रशिक्षण अध्यापक व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

गणेश उत्सव की सांस्कृतिक संध्या में पिंकू व निखिल ने नचाए दर्शक

गणेश उत्सव की सांस्कृतिक संध्या में तहसीलदार सुभाष ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

सुनील कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। गणपति बप्पा मोरया कमेटी द्वारा आयोजित 14वें श्री गणेश उत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में तहसीलदार हमीरपुर सुभाष कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

गणेश उत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या के दौरान आचार्य चिरंजीव भारत भूषण ने पंडाल में श्री गणपति बप्पा की आरती के साथ सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत की। दूसरी भजन संध्या में हिमाचली गायक पिंकू मेहरा नादौन व हिमाचली गायक निखिल राणाबत ने श्री गणेश भजनों से शुरुआत की, जय श्री गणेशा, श्री कृष्ण भजन, शिव भोलेनाथ इत्यादि भजनों की प्रस्तुति दी। गणपति बप्पा मोरया कमेटी द्वारा मुख्य अतिथि को श्री गणपति की फोटो देखकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हिमाचली गायक पिंकू मेहरा, निखिल राणाबत को भी फोटो देखकर कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर सौरव सोनी, आकाश हांडा, अंकुश पुरी, अनुज पुरी, विनय सोनी, अनीश, जितेंद्र पुरी अनुराग शेट्टी विप्लव शर्मा मोहन, सुकेश पुरी, साहिल, अजय सोनू, कुमार शैल इत्यादि उपस्थित रहे।

आपदा की घड़ी में भी मुख्यमंत्री ऐशो-आराम में व्यस्त: राजेंद्र राणा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रदेश प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है, सैकड़ों घर ढह चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री जनता की पीड़ा साझा करने के बजाय चार्टर्ड प्लेन और फाइव स्टार होटलों में शाही ठाट-बाट का मज़ा ले रहे हैं।

जारी बयान में राणा ने आरोप लगाया कि विधानसभा सत्र के दौरान भी मुख्यमंत्री दिल्ली और पटना के दौरों में व्यस्त रहे, जबकि प्रदेशवासी मदद की आस लगाए बैठे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि चार्टर्ड प्लेन और होटलों के खर्च का बोझ आखिर कौन उठा रहा है - मुख्यमंत्री खुद, कांग्रेस पार्टी या फिर कोई उद्योगपति-मित्र? राणा ने कहा कि मणिमहेश में हजारों लोग फंसे हैं और प्रदेश में तबाही का आलम है, लेकिन मुख्यमंत्री जनता की चिंता छोड़ राजनीतिक आकाओं की चापलूसी और शाही सैर-सपाटों में मशगूल हैं। उन्होंने इसे 'मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की संवेदनहीनता का सबूत' करार दिया।

तीन दिन बाद 45 किलोमीटर पैदल चलने के बाद चंबा से वापस पहुंचे 5 पूर्व सैनिक

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

- हमीरपुर से मणिमहेश यात्रा के लिए निकले थे 22 अगस्त को

हमीरपुर। पिछले दिनों हुई भारी बारिश से चंबा जिला में भारी नुकसान हुआ है। बारिश के कारण जगह-जगह लैंड स्लाइड हुआ है और सड़के तक टूट गई हैं। सड़कों के टूट जाने के कारण मणिमहेश यात्रा में गए सैकड़ों श्रद्धालु वहां पर फस गए हैं। हमीरपुर जिला से भी कई लोग मणिमहेश यात्रा के लिए गए हैं जिनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

कई लोगों को सात दिनों से कोई पता नहीं है वहीं हमीरपुर से मणिमहेश यात्रा के लिए गए पांच पूर्व सैनिक तीन दिन बाद पैदल यात्रा कर हमीरपुर वापस पहुंच गए हैं। हमीरपुर से पूर्व सैनिक सन्नी राणा जिला कांगड़ा, अश्वनी समीरपुर, विकास ठाकुर अणु, अश्वनी राणा पनापर, संदीप बड़ागांव से 22 अगस्त को मणिमहेश यात्रा के लिए निकले थे। उसके बाद भरमाणी माता मंदिर, 84 मंदिर में दर्शन करने के बाद 23 अगस्त को कुगती कार्तिक स्वामी टेंपल में दर्शन करने के बाद हड़सर से मणि महेश की यात्रा शुरू की। यात्रा के दौरान धनछोह में लैंड स्लाइडिंग की वजह से यात्रा रोक दी। उसके बाद 24 अगस्त को सुबह मणिमहेश के यात्रा शुरू की दर्शन करने के बाद वापस आने लगे तो भारी बारिश में भरमौर पहुंचे। ढकोह में खड़ा मुख से आगे लैंडस्लाइड हो गई थी जिसके कारण आगे जाना संभव नहीं था। उन्होंने बताया कि रावी नदी का जलस्तर बढ़ने से और बादल के फटने से सभी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान उन्हें वहीं पर ही गांव में रूकना पड़ा। 27 अगस्त को मौसम साफ होने के बाद वापस 42 किलोमीटर गांव से होते हुए पैदल चंबा पहुंचे लेकिन वहां पर लैंडस्लाइड की वजह से सडक टूट गई थी। उसके बाद तीन किलोमीटर पैदल चलने के बाद बस से वीरवार रात यानी 28 अगस्त को वापस हमीरपुर पहुंचे। उन्होंने बताया कि वहां पर लोग अपने परिवार के साथ फंसे हुए हैं और गाड़ियां भी फंसी हुई है। चंबा से आगे किसी प्रकार की कोई कनेक्टीविटी नहीं थी जिसके कारण लोग अपने परिवार के सदस्यों को लेकर परेशान थे। उन्होंने बताया कि सड़कों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अगले दो तीन महीनों तक इसकी हालत सुधर पाएगी। बता दें कि एचआरटीसी की बसें भी बनीखेत तक ही जा रही हैं एचआरटीसी की बसें भी इस आपदा में फंस गई हैं। हालांकि लोगों को बचाने के लिए वहां पर रेस्क्यू शुरू कर दिया है।

बैठक पीएमश्री योजना के तहत होंगे निर्माण कार्य व सामग्री की खरीद: जिलाधीश

केंद्रीय विद्यालय में 28.45 लाख के व्यय को मंजूरी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर की विद्यालय प्रबंधन समिति (वीएमसी) की बैठक शुक्रवार को जिलाधीश अमरजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा के साथ-साथ पीएम श्री योजना के अंतर्गत विद्यालय को प्राप्त होने वाली 28.45 लाख रुपए की धनराशि को विभिन्न निर्माण कार्यों एवं आवश्यक सामग्री की खरीद पर खर्च करने के लिए मंजूरी प्रदान की गई।

इसके अलावा विद्यालय परिसर में विभिन्न निर्माण कार्यों के प्रस्तावों को केंद्रीय विद्यालय समिति को प्रेषित करने का निर्णय भी लिया गया।जिलाधीश ने कहा कि पीएम श्री की राशि का सदुपयोग होना चाहिए तथा सभी निर्माण कार्य एवं आवश्यक सामग्री की खरीद निर्धारित नियमों के तहत ही होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विद्यालय परिसर में सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने विद्यालय परिसर में ट्रांसफार्मर एवं विद्युत लाइन को शिफ्ट करने और सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए बिजली बोर्ड तथा हिम ऊर्जा के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर से गुजरने वाली एचआरटीसी बस का समय विद्यार्थियों की सुविधा के अनुरूप तय किया जाएगा।

केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर की वीएमसी बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधीश अमरजीत सिंह, साथ में उपस्थित अधिकारी एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य।

स्वास्थ्य विभाग किशोरी छात्राओं को सेनेटरी पैड की सुविधा प्रदान करेगा और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। विद्यालय के लिए भविष्य की योजनाओं पर चर्चा के दौरान जिलाधीश ने कहा कि बाल वाटिका-1, बाल वाटिका-2, जूनियर साइंस लैब, अतिरिक्त क्लास रूम, गार्ड रूम, एनसीसी रूम, फुटपाथ, ऑडिटोरियम और स्टेडियम इत्यादि के निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी की मदद से एक व्यापक प्लान बनाया जाना चाहिए और इनके निर्माण कार्य चरणबद्ध ढंग से करवाए जाने चाहिए। बैठक में कई अन्य मुद्दों पर भी व्यापक चर्चा की गई। विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए जिलाधीश ने कहा कि केवीएस के गुरुग्राम जोन के अंतर्गत आने वाले कुल 63 केंद्रीय विद्यालयों में हमीरपुर का केंद्रीय विद्यालय तीसरे स्थान पर है। इसके लिए विद्यालय के सभी शिक्षक बधाई के पात्र हैं।

उपायुक्त ने सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों अरविंद कुमार, संजीव कुमार, नीनू बाला, राजेश पराशर, अरुण सिंह, नरेंद्र कुमार, कृष्णा, डेकिट जामगो, प्रभिता खट्टा और डीके दरोच को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजय कुमार ने विभिन्न मुद्दों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में एसडीएम संजीत सिंह, सीएमओ डॉ. प्रवीण चैधरी, उच्चतर शिक्षा उपनिदेशक डॉ. एमआर चैहान, प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक कमल किशोर भारती, अन्य अधिकारियों तथा वीएमसी के सदस्यों ने भाग लिया।

बैडमिंटन-बास्केटबाल मुकाबलों में विद्यार्थियों ने दिखाया जोश

अनंत ज्ञान, नादौन

- डीएवी भड़ोली में नेशनल स्पोर्ट्स डे पर खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित
- मेजर ध्यानचंद की जयंती पर बच्चों ने दिखाई खेल प्रतिभा

डीएवी भड़ोली में नेशनल स्पोर्ट्स डे के अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती उपलक्षित कर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। यह आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरजीत कुमार राणा के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गान से हुई, जिसके बाद चारों सदनों गांधी, नेहरू, सुभाष और पटेल के प्रतिभागियों ने अनुशासित मार्च-पास्ट प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुरजीत कुमार राणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा खेलकूद न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक हैं, बल्कि ये अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी मजबूत बनाते हैं। इसके बाद प्रधानाचार्य ने गेंद फेंककर बास्केटबाल मैच का शुभारंभ किया। प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन और बास्केटबाल के रोमांचक मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें सभी सदनों ने खूब जोश और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। बैडमिंटन (डबल मैच) सीनियर गर्ल्स ऑरेंज टीम की चांदिका और शानवी विजेता रही और उपविजेता ग्रीन टीम के अनाध्या और सारण्य रही। सीनियर ब्वॉयज से ग्रीन टीम के सार्थक और पार्थ विजेता रहे और उपविजेता ऑरेंज टीम के आदित्य और आर्यन रहे। बास्केटबाल ब्वॉयज से ऑरेंज टीम विजेता रही और उपविजेता ग्रीन टीम रही।

गर्ल्स से ग्रीन टीम विजेता रही और उपविजेता ऑरेंज टीम रही। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य सुरजीत कुमार राणा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफियां प्रदान की।

न्यूज ब्रीफ

विधानसभा अध्यक्ष ने लिया 'गार्ड ऑफ ऑनर'

सदन की कार्यवाही से पूर्व गार्ड ऑफ ऑनर लेते कुलदीप सिंह पठानिया।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। 14वीं विधानसभा के मॉनसून सत्र के 10वें दिन विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया सचिवालय पहुंचे और सलामी ली। उपस्थित सदस्यों और स्टाफ ने उनका सम्मानपूर्वक स्वागत किया और सत्र की कार्यवाही की तैयारियों का अवलोकन किया। कार्यवाही की तैयारी सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले अध्यक्ष ने आवश्यक निर्देश दिए। वहीं, राजकीय महाविद्यालय नाहन की बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा श्रेया शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष को कौंसिल चैंबर के बाहर उनका स्वयं बनाया रेखा चित्र भेंट किया। अध्यक्ष ने छात्रा के प्रयास की सराहना की और उसे प्रेरित किया कि इसी प्रकार अपने सृजनात्मक प्रयासों को जारी रखे। उधर, सत्र आरंभ होने से पूर्व शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने पठानिया से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में शिक्षा और युवा विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। अध्यक्ष ने मंत्री के प्रयासों की प्रशंसा की और दोनों पक्षों के सहयोग को सुनिश्चित करने की बात कही। मानसून सत्र के 10वें दिन पठानिया ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया। सदस्यों ने सक्रियता और अनुशासन के साथ अपने विचार रखे और प्रस्तावों पर चर्चा की।

राजस्व प्रबंधन पोर्टल पर कर सकेंगे मुआवजे के लिए आवेदन : कृषि मंत्री

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में कृषि एवं पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार ने बताया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को राज्य सरकार अन्य राज्यों की तुलना में अधिक मुआवजा दे रही है। उन्होंने कहा कि मकानों के ध्वस्त होने और मवेशियों की मौत जैसे मामलों में प्रभावित लोग उपायुक्त कार्यालय के माध्यम से राजस्व प्रबंधन सिस्टम पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। उपायुक्तों को मुआवजा देने के अधिकार प्रदान किए गए हैं।
यह जानकारी मंत्री ने शाहपुर से विधायक केवल सिंह पठानिया द्वारा नियम 62 के तहत बिजली गिरने से हुए नुकसान पर लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए दी। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 1081 छोटे-बड़े पशुओं की मौत दर्ज की जा चुकी है और लगभग 13 लाख रुपये का नुकसान राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पोर्टल पर दर्ज हुआ है। उन्होंने बताया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के धारकंडी इलाके के कोटधार में बिजली गिरने से 120 भेड़-बकरियों की मौत हुई है। इससे पहले विधायक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि भारी बारिश और बिजली गिरने से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि मुआवजा दिलाने के लिए पटवारी, पशुपालन अधिकारी और पुलिस की रिपोर्ट अनिवार्य कर दी गई है, जबकि पशुओं का पोस्टमार्टम कराने में दो-तीन दिन लग जाते हैं। ऐसे में किसानों को समय पर राहत नहीं मिल पाती। पठानिया ने विधानसभा में यह भी मांग रखी कि मुआवजे की प्रक्रिया में ग्राम प्रधान की रिपोर्ट को भी आधार माना जाए।

जीएसटी संशोधन सर्वसम्मति से मंजूर

हंगामे व अहम बिलों के बीच गरमाया सत्र, पुनर्नियोजन और पेंशन पर विपक्ष का हमला

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का दसवां दिन कई अहम मुद्दों और तीखी बहसों का गवाह बना। सत्र के दौरान एक ओर जहां सदन ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 में दूसरे संशोधन को मंजूरी देकर 'एक राष्ट्र, एक कर' की दिशा में कदम बढ़ाया। वहीं, विपक्ष ने पुनर्नियोजन और एचआरटीसी पेंशन में देरी के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कड़ा विरोध जताया। दिनभर सदन में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा, जिसके बीच विधानसभा अध्यक्ष ने बारिश से प्रभावित राजमार्गों और टोल माफी के मुद्दे पर उच्चस्तरीय समिति की बैठक बुलाने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अनुपस्थिति में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सदन में जीएसटी संशोधन विधेयक पेश किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संशोधन केंद्र सरकार और जीएसटी परिषद की सिफारिशों पर आधारित है, जिससे राज्यों में कराधान की एकरूपता सुनिश्चित होगी। नौ धाराओं में संशोधन और छह नए प्रावधानों के साथ यह कानून अब अधिक पारदर्शी और डिजिटल अनुपालन के अनुकूल होगा। विपक्ष सहित सभी दलों ने विधेयक का समर्थन करते हुए इसे सर्वसम्मति से पारित किया।

टोल माफी व आपदा क्षति पर उच्च स्तरीय बैठक का ऐलान

सदन में तीखी बहसों के बीच सरकार का बचाव

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री सदन में अपना वक्तव्य देते हुए।

विधानसभा का माहौल तब गरमा गया, जब भाजपा विधायकों ने सरकार पर आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में अधिकारियों को पुनर्नियोजित किया जा रहा है, जबकि एचआरटीसी कर्मचारियों को वेतन और पेंशन समय पर नहीं मिल रही। इस पर विपक्ष ने जमकर नारेबाजी की। जवाब में उपमुख्यमंत्री अग्निहोत्री ने माना कि भुगतान में कुछ देरी हुई है, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार इसे नियमित करने के लिए कदम उठा रही है और 29 अगस्त तक सभी पेंशन जारी कर दी गई हैं।

टोल माफी और आपदा क्षति पर हुई चर्चा

बरसात से क्षतिग्रस्त राजमार्गों और टोल शुल्क माफी का मुद्दा भी सदन में उठा। भाजपा विधायकों ने आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत टोल वसूली पर रोक लगाने की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने स्वयं हस्तक्षेप करते हुए गुरुवार को एनएचएआई अधिकारियों और राज्य सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक बुलाने की घोषणा की, ताकि टोल माफी और क्षतिग्रस्त सड़कों की बहाली पर ठोस निर्णय लिए जा सकें।

शिक्षा मंत्री बोले-स्वारघाट कॉलेज के फंड डायवर्ट मामले की होगी समीक्षा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल विधानसभा के मानसून सत्र में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने नयना देवी के स्वारघाट कॉलेज के फंड डायवर्ट करने के मामले पर स्पष्ट किया कि सरकार इस मामले की पूरी समीक्षा करेगी। उन्होंने सदन को बताया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिलने पर संबंधित एजेंसी लोक निर्माण विभाग कार्रवाई करेगी। विद्यार्थियों और शैक्षणिक संस्थानों के हित में प्रत्येक कदम उठाया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कॉलेज के विकास कार्य बाधित न हों।

कांग्रेस विधायक भवानी सिंह पठानिया ने शून्यकाल में सदन में वजीर राम सिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी घोषित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि 24 साल की उम्र में वीर योद्धा ने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई और गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई। शाहपुर के कांग्रेस विधायक केवल सिंह पठानिया ने भी वजीर राम सिंह के योगदान को याद किया और कहा कि उनके पर लोकगाथाएं बनी हैं। ज्वालामुखी के कांग्रेस विधायक संजय रतन ने सदन में कहा कि ऐसे योद्धाओं को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा अवश्य दिया जाना चाहिए।

स्वतंत्रता सेनानी वजीर राम सिंह पठानिया को सम्मान देने की मांग

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि वजीर राम सिंह पठानिया जैसी महान विभूतियों को श्रद्धांजलि दी जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सुझाव दिया कि इस मामले पर सदन में संकल्प लाकर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाए।

लाहौल-स्पीति की कांग्रेस विधायक अनुराधा राणा ने अग्निवीर अरुण कुमार के परिवार को आर्थिक सहायता देने, उनके नाम से सड़क का नामकरण और उनके परिजनों को नौकरी देने की मांग की। इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उचित कदम उठाएगी।

बद्दी के विधायक रामकुमार ने नया बस अड्डा बनाने का मामला उठाया, जिस पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शहरी विकास और अन्य एजेंसी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा। इंदौरा के विधायक मलेंद्र राजन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत राशि देने की मांग की, जिस पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राहत कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है।

नगर निगम संशोधन विधेयक, संस्थानों को बंद करने और अभद्र टिप्पणियों पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल सरकार पर जयराम ठाकुर का तीखा हमला

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस खुलेआम संविधान का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश नगर निगम संशोधन विधेयक 2025 को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 (यू) का सीधा उल्लंघन बताया।

ठाकुर ने कहा कि एक तरफ राहुल गांधी देश भर में संविधान की रक्षा की बात करते हैं। वहीं, दूसरी तरफ उनकी ही पार्टी की सरकार विधानसभा में संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नाकामियों और संभावित चुनावी हार को छुपाने के लिए संवैधानिक नियमों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने सरकार पर संस्थाओं को बंद करने की नीति को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार बड़ी शातिराना ढंग से काम कर रही है। पहले शिक्षकों को स्कूलों से हटाया जाता है, जिससे छात्रों का नामांकन घट जाता है, और फिर उसी कारण का हवाला देकर स्कूलों को बंद कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सरकार ने सत्ता में आते ही 2000 से ज्यादा संस्थानों को बंद कर दिया, जबकि अभी तक कैबिनेट का भी गठन नहीं हुआ था।

विपक्षी गठबंधन की टिप्पणियां उनकी कुंठा का प्रतीक

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई अभद्र टिप्पणियां की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि बिहार में आयोजित एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री की दिवंगत माता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना बेहद निंदनीय है।

हिमाचल प्रदेश में लग रहे 10 तरह के सेस

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में सरकार द्वारा 10 सेस लगाए जा रहे हैं। इन सेस के माध्यम से अभी तक 762.13 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व एकत्र किया गया है। इनमें से पांच सैंस पूर्व सरकार के समय के हैं और वर्तमान सरकार ने भी पांच और सेस लगाए हैं। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने वीरवार को यहां विधायक बिक्रम ठाकुर के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जो सेस एकत्र करती है, उसे उसी मद पर खर्च किया जाता है, जहां के लिए सेस लगाया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार इसके लिए जल्द ही एसओपी तैयार कर रही है। इसके तहत विभाग अपने स्तर पर ही सेस की राशि को खर्च कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अभी इसका पेसा वित्त विभाग के पास होता है, लेकिन वित्त विभाग अपनी मर्जी से इस राशि को खर्च नहीं कर सकता।

विधायक बिक्रम ठाकुर ने कहा कि सरकार आम लोगों पर 10 प्रकार के सेस लगा रही है और इसके प्रतिशत के बारे में पूछा। उन्होंने कोविड सेस और एंबुलेंस सेवा सेस को लेकर सवाल उठाए। विधायक रणधीर शर्मा ने कहा कि सेस लगने से रेत व बजरी के दाम बढ़ गए हैं और आम गरीब आदमी पर इसका असर पड़ा है। उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह आम आदमी की सरकार है और सेस से आम आदमी प्रभावित नहीं हुआ है। उन्होंने गौवंश की राशि को 700 रुपए से बढ़ाकर 1200 रुपए करने की जानकारी दी और इसे जल्द जारी करने का भरोसा दिया।

क्या होता है सेस

सेस एक विशेष कर (टैक्स) होता है जो सरकार द्वारा किसी विशेष उद्देश्य जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य या स्वच्छता के लिए लगाया जाता है। यह मुख्य टेक्स के अतिरिक्त होता है और इसका उपयोग केवल उसी निर्धारित उद्देश्य के लिए किया जाता है, जैसे शिक्षा सेस या स्वच्छ भारत सेस।

डिप्टी सीएम ने सेस से प्राप्त धनराशि का ब्यौरा

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पंचायतीराज संस्था सेस से वर्ष 1998-99 से 2022-23 तक कुल 1,53,57,58,045 रुपए प्राप्त हुए, जिसमें 64,97,97,653 रुपए शहरी स्थानीय निकायों को और 88,59,60,392 रुपए पंचायतीराज संस्थाओं को आवंटित किए गए। मोटर वाहन सेस से वर्ष 2017 से 2025 तक 185,13,64,000 रुपए प्राप्त हुए। शराब की बिक्री पर लगाए गए गोवंश विकास निधि से वर्ष 2020-21 से 2025-26 तक 65,35,61,484 रुपए प्राप्त हुए। कोविड सेस से वर्ष 2020-2021 से 2023-24 तक 1,45,12,53,032 रुपए प्राप्त हुए। लेबर सेस, मिल्क सेस और पर्यावरण सेस से भी राज्य को करोड़ों की राशि प्राप्त हुई।

लोक निर्माण मंत्री ने कंगना रनौत के रिलीफ फंड दावे पर निशाना साधा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

विक्रमादित्य सिंह ने दी तीखी प्रतिक्रिया, सोशल मीडिया पर सुर्खियों में

हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बॉलीवुड अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत के हिमाचल को 2200 करोड़ रुपए के रिलीफ फंड मिलने के दावे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कंगना के बयान को निराधार बताते हुए उसे जनता को भ्रमित करने वाला करार दिया।

कंगना रनौत ने दो दिन पहले दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान दावा किया था कि हिमाचल प्रदेश को 2200 करोड़ रुपए का रिलीफ फंड दिया गया है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी बहस छिड़ गई और यूजर्स ने कंगना के दावे पर विवादित प्रतिक्रियाएं दीं।

राज्य सरकार के अधिकारियों ने कंगना के दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई भी आधिकारिक आंकड़ा मौजूद नहीं है। गौरतलब है कि हिमाचल भाजपा ने पहले अपने एक्स सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना के बयान को साझा किया था, लेकिन बाद में यह पोस्ट हटा दी गई।

पंचायत सचिवों का प्रमोशन रद्द ओपीएस का भी नहीं मिलेगा लाभ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल विधानसभा के मानसून सत्र के 10वें दिन धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा के लिखित प्रश्न के उत्तर में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने स्पष्ट किया कि राज्य में जिला परिषद कैडर के तहत कार्यरत पंचायत सचिवों का प्रमोशन नहीं होगा। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में सचिवों के लिए उच्च श्रेणी के गैर-तकनीकी पद सृजित नहीं किए गए हैं, इसलिए उनके पदोन्नति की कोई व्यवस्था नहीं है।

जिला परिषद कैडर के सचिवों की भविष्य योजनाओं पर स्पष्ट स्थिति

अनिरुद्ध सिंह ने यह भी बताया कि जिला परिषद कैडर के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी स्थानीय ऑटोनोमस निकाय के अंतर्गत आते हैं और केंद्रीय सिविल सेवा नियमावली 1972 के दायरे में नहीं आते, इसलिए इन्हें एनपीएस योजना के अंतर्गत रखा गया है। मृत्यु के बाद उनके आश्रितों को रोजगार की सुविधा वर्ष 2015 में करुणामूलक आधार पर प्रदान करने का प्रावधान है।

सचिवों की संख्या और अन्य पदों का विवरण जारी

हिमाचल प्रदेश में जिला परिषद कैडर में कुल 3746 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें सबसे बड़ी संख्या 2581 पंचायत सचिवों की है। इनके अलावा एक्यूटिव इंजीनियर 1, असिस्टेंट इंजीनियर 26, ब्लॉक इंजीनियर 12, डिजाइन इंजीनियर 5, जूनियर इंजीनियर 168, टेक्निकल असिस्टेंट 906, जूनियर पे स्केल स्टेनोग्राफर 11, जूनियर अकाउंटेंट 12, डाटा एंट्री ऑपरेटर 12 और सेवादार कम चौकीदार 12 हैं। ये सभी कर्मचारी जिला परिषद कैडर के अंतर्गत अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सीएम के निर्देश पर तीन बसें हुईं रवाना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के निर्देशानुसार चंबा जिला प्रशासन ने श्री मणिमहेश यात्रा के दौरान भारी बारिश से प्रभावित श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी के लिए त्वरित कार्रवाई की। कलसुंई से पठानकोट की ओर तीन बसें रवाना की गईं, जिनमें लगभग 150 श्रद्धालु सवार थे।

150 श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया कदम

प्रशासन ने इस कदम से यात्रियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राहत और बचाव कार्य लगातार जारी हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि हिमाचल सरकार और जिला प्रशासन पूरी तत्परता के साथ प्रभावित लोगों की सहायता में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री की सक्रिय निगरानी और प्रशासन की तत्परता से यात्रियों में सुरक्षा और भरोसे की भावना मजबूत हुई है।

लोकतंत्र का भविष्य उज्ज्वल: पठानिया

विधानसभा परिसर में स्टूडेंट्स और टीचर्स के साथ कुलदीप सिंह पठानिया सामूहिक चित्र में।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में एक प्रेरणादायक दिन रहा। स्नातकोत्तर महाविद्यालय नाहन, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला समरहिल, दयानंद पब्लिक स्कूल शिमला, राजकीय महाविद्यालय जुखाला जिला बिलासपुर और शहीद वेद प्रकाश राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बियाचड़ी के 280 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सदन की कार्यवाही का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से मुलाकात की, जिसने इस अनुभव को और भी खास बना दिया।

कौंसिल चैंबर के बाहर हुई इस मुलाकात में छात्रों ने संसदीय प्रणाली, संवैधानिक व्यवस्था, स्पीकर के पद के महत्व और सदन संचालन में उनकी भूमिका पर कई सवाल पूछे। पठानिया ने उनके सभी प्रश्नों का विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद पल है कि आज के युवा और छात्र संसदीय प्रणाली और संसदीय प्रक्रिया को जानने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। यही भारत के लोकतंत्र की शक्ति है और यही इसे दुनिया का सबसे बड़ा और मजबूत लोकतंत्र बनाता है।

चंबा के लिए रवाना हुए पठानिया

इस महत्वपूर्ण संवाद के बाद पठानिया ने छात्रों को सदन की कार्यवाही देखने के लिए आमंत्रित किया। दोपहर 2.45 बजे वे जिला चंबा के लिए रवाना हुए, जहां वे भारी वर्षा से हुए नुकसान का जायजा लेंगे। वह एक सितंबर को वापस शिमला लौटेंगे और दोपहर 2 बजे से आरंभ होने वाली सदन की कार्यवाही का संचालन करेंगे।

प्रश्नकाल सदन में एक्सटेंशन और री-इंप्लायमेंट पर विपक्ष का सवाल, डिप्टी सीएम का जवाब

अधिकारियों-कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति पर बहस

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में शुक्रवार को अधिकारियों-कर्मचारियों को एक्सटेंशन और री-इंप्लायमेंट देने का मुद्दा जोर पकड़ गया। प्रश्नकाल में भाजपा के चार विधायकों ने इस संबंध में सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। सतपाल सिंह सत्ती और विक्रम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले में जानकारी छिपा रही है।

सत्ती ने कहा कि राज्य सरकार कई अधिकारियों को पुनर्नियुक्ति दे रही है, जबकि एचआरटीसी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को समय पर वेतन और पेंशन भी नहीं मिल रही। उन्होंने कहा कि पेंशनभोगियों को हर महीने अपने बकाया भुगतान के लिए बेचैनी से इंतजार करना पड़ता है और सरकार की प्राथमिकताएं गलत दिशा में हैं।

डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने सदन को बताया कि इस संबंध में जानकारी बहुत व्यापक है और उसे इकट्ठा करने में समय लगेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही आवश्यक सूचना उपलब्ध होगी, वह सदन के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। एचआरटीसी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में हुई देरी के मामले को उन्होंने स्वीकार किया, लेकिन जोर देकर कहा कि सरकार नियमित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया कि पेंशन में देरी के मामलों को वित्त विभाग के समक्ष उठाया जा रहा है और इसे जल्द हल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी एचआरटीसी कर्मचारियों की पेंशन 29 अगस्त को जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि दोनों मुद्दों को एक-दूसरे से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए और सरकार वित्त विभाग के साथ मिलकर भुगतान प्रणाली को सुधारने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है।

संस्थान बंद करने को लेकर पक्ष-विपक्ष में नोक-झोंक

सदन में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री के बीच संस्थान बंद करने को लेकर तीखी नोक-झोंक हुई। भाजपा का आरोप था कि सरकार ने पिछले तीन सालों में केवल पूर्व सरकार द्वारा खोले गए संस्थानों को बंद करने का काम किया है। सत्र में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और लोक निर्माण विभाग मंत्री विक्रमादित्य सिंह उपस्थित नहीं थे। वहीं, स्पीकर का भी चंबा-भरमौर जाने का कार्यक्रम था, लेकिन वे उपस्थित रहे।

नगर निकाय चुनाव जल्द करवाए जाएं: आशीष शर्मा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल विधानसभा में नगर निकाय चुनावों को दो साल के लिए टालने संबंधी नगरपालिका संशोधन विधेयक पेश किया गया। इस पर हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने और हार के डर से चुनाव टाल रही है।

सरकार पर नाकामी छुपाने का आरोप

उन्होंने विधानसभा में साफ कहा कि जनता की सुविधा के लिए निकाय चुनाव समय पर होना जरूरी है। आशीष शर्मा ने जोर देकर कहा कि नगर निकायों को प्रतिनिधि मिलने चाहिए ताकि आम लोग अपने कार्यों के लिए बार-बार भटकने को मजबूर न हों। उन्होंने सरकार को चेताते हुए कहा कि चुनाव टालने से जनता की परेशानियां बढ़ेंगी और जमीनी हकीकत भी उजागर हो जाएगी। विधायक ने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द नगर निकाय चुनाव करवाए ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित न हो।

हिमाचल में दो साल में आपदाओं से 231 लोगों की मौत : जगत सिंह नेगी

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में हर साल मानसूनी आपदाओं में लोगों की जान जा रही है। खासतौर पर बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में आकर कई लोगों की मौत हो रही है। विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2023 से 31 जुलाई 2025 तक भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं में कुल 231 लोगों की जान गई। इसमें 133 लोगों की मौत भूस्खलन की चपेट में आने से हुई, जबकि 98 लोग बादल फटने और बाढ़ के कारण मारे गए। राजस्व मंत्री ने यह जानकारी विधायक डॉक्टर जनक राज के प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

उन्होंने बताया कि मंडी जिले में बादल फटने और बाढ़ से सबसे अधिक 35 लोगों की मौत हुई, जबकि भूस्खलन से 21 लोगों ने अपनी जान गंवाई। शिमला जिले में भूस्खलन के कारण 57 लोगों की मृत्यु हुई और बादल फटने व बाढ़ से 21 लोगों की जान गई। बिलासपुर जिले में भूस्खलन से दो और बादल फटने व बाढ़ से एक व्यक्ति की मौत हुई। चंबा जिले में भूस्खलन से 16 और बादल फटने व बाढ़ से तीन लोगों की जान गई।

हमीरपुर जिले में भूस्खलन से एक व्यक्ति की मृत्यु हुई, जबकि कांगड़ा जिले में भूस्खलन से दो और बादल फटने व बाढ़ से सात लोग मारे गए। किन्नौर जिले में भूस्खलन से चार लोगों की जान गई। कुल्लू जिले में भूस्खलन से 14 और बादल फटने व बाढ़ से 18 लोगों की मौत हुई। लाहौल-स्पीति जिले में दोनों कारणों से कुल चार लोगों की जान गई। सिरमौर जिले में भूस्खलन से चार और बादल फटने व बाढ़ से सात लोगों की मौत हुई। सोलन जिले में भूस्खलन से आठ और बादल फटने व बाढ़ से एक व्यक्ति की जान गई। ऊना जिले में भूस्खलन से दो और बादल फटने व बाढ़ से तीन लोग मारे गए। हमीरपुर और किन्नौर जिलों में बादल फटने व बाढ़ से कोई मौत नहीं हुई है।

न्यूज ब्रीफ

लंज कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

अनंत ज्ञान, शाहपुर। राजकीय महाविद्यालय लंज में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भारत के महान हॉकी खिलाड़ी, भारत रत्न और हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्राचार्य डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी भारतीय खेल जगत के ऐसे सितारे थे, जिन्होंने अपनी असाधारण प्रतिभा से न केवल भारत का गौरव बढ़ाया, बल्कि पूरी दुनिया को भारतीय खेल शक्ति का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि ध्यानचंद जी ने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में भारत को लगातार तीन स्वर्ण पदक दिलाए। उनकी खेल शैली इतनी अद्वितीय थी कि दर्शक उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते थे। इस अवसर पर कॉलेज प्रांगण में विभिन्न खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के साथ-साथ मेजर ध्यानचंद के जीवन और योगदान पर भाषण, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गईं।

हिमाचल कल्याण बोर्ड में बैजनाथ के तीन लोग

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। हिमाचल कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। इसमें बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र से संबंध रखने वाले मुनीष घाबरू गंगा राम और आनंद भूषण को कार्यकारिणी का गैर सरकारी सदस्य नियुक्त किया गया है। उपमंडल बैजनाथ कल्याण परिषद ने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और स्थानीय विधायक किशोरी लाल का धन्यवाद किया।

एमबीबीएस में दाखिला मिलने पर निशांत सम्मानित

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। उपमंडल धीरा के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धीरा में धीरा स्कूल के छात्र रहे निशांत कुमार पुत्र विनोद कुमार गांव थलेड़ डाकघर गगलखोली को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज चंबा में एमबीबीएस में दाखिला मिलने पर स्कूल के अध्यापकों व प्रधानाचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि निशांत के पिता विनोद कुमार सामान्य परिवार से संबंध रखते हैं। वह मिस्त्री का कार्य करते हैं व माता रजनी देवी गृहिणी है। निशांत ने डाक्टर बनने की प्रेरणा अपने दादा स्व. सरवण कुमार व दादी रोशनी देवी से मिली। निशांत डाक्टर बनकर गरीब व जरूरतमंद लोगों की सेवा करने की बात करते हैं। एमबीबीएस करने के बाद उच्च शिक्षा को अधिमान देते हैं, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए नौकरी करना चाहते हैं। निशांत अपनी सफलता का श्रेय परिवार, दोस्तों व गुरुजनों को देना चाहते हैं। विशेष रूप से धीरा विद्यालय के प्रवक्ता जीव विज्ञान मुनीश कुमार को अपनी सफलता का श्रेय देते हैं। धीरा स्कूल के प्रधानाचार्य विजय शर्मा,एस एम सी प्रधान नीरज बाला व धीरा की पंचायत प्रधान कविता धरवाल ने निशांत की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं।

शाहपुर कॉलेज में खेल दिवस का आगाज

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। राजकीय महाविद्यालय शाहपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। यह खेल दिवस तीन दिन तक मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज प्राचार्य डॉ. विश्वजीत सिंह द्वारा की गई। सभी विद्यार्थियों को खेल शपथ दिलाई, जिसमें 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। खेल प्रभारी प्रो. संजीव पुरी के निर्देशन में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों में पिट्ठू रेस, स्पून रेस, लेग रेस, स्टोन गेम कार व ड्राइवर गेम और हाउस मेकिंग गेम प्रमुख रहीं। इनमें स्नेहा, साक्षी, उमा नंदिनी, सिमरन, कृति, आरजू, आशिमा, साहिल, विष, आंचल, तुषार, व्योम, रितिका, दिया और मुस्कान ने अलग-अलग खेलों में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य विश्वजीत सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस हर साल 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया जाता है, जो भारत के महान हॉकी खिलाड़ी थे। इस दिन का उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

बदलाव दस मिनट बंद रहेगा मंदिर, पुजारी ही रहेंगे मौजूद, वीवीआईपी को नहीं अनुमति

पर्दे में होगा मां बज्रेश्वरी का स्नान

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान

कांगड़ा। माता श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा में अब सिर्फ पुजारी के अलावा, किसी के सामने मां का स्नान नहीं होगा। हालांकि, बाकी मंदिरों में भी यही प्रथा चली आ रही है, परंतु कांगड़ा मंदिर में ऐसा नहीं था।

कांगड़ा मंदिर में आज से पहले माता की पिंडी के स्नान के समय कोई भी वीवीआईपी या रसूखदार श्रद्धालु उस वक्त वहां पर बैठकर सारी प्रक्रिया को देखकर फोटो और वीडियो आसानी से बना सकते थे, परंतु अब ऐसा नहीं होगा। मंदिर ट्रस्टियों की मांग पर एसडीएम कांगड़ा इशांत जसवाल ने यह निर्णय लिया है।

वर्ष 1980 तक ऐसी ही प्रथा चली आ रही थी, परंतु उसके बाद प्रत्येक मंदिरों में ट्रस्ट के गठन हो गए। उनमें कांगड़ा मंदिर भी शामिल है। शायद यहां के पुजारी वर्ग ने इन नियमों को मानना उचित न समझा हो। अहम सवाल यह है कि इस प्रथा को कांगड़ा मंदिर में वर्षों बाद ही क्यों शुरू किया गया।

माता श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर में अब पिंडी का ऐसे होगा पर्दे में स्नान।

नियम सभी पर होंगे लागू

एसडीएम कांगड़ा इशांत जसवाल ने बताया कि इस बैठक में मंदिर के ट्रस्टियों ने ऐसी मांग को लेकर प्रस्ताव दिया था जिस पर सभी सहमत थे। उन्होंने कहा कि इसे मंजूर करके यह निर्णय लिया गया है कि अब से माता के स्नान खुले में न होकर पर्दे में होंगे और ये नियम सभी पर लागू होंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए मंदिर अधिकारी को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

अब से यह नियम तीनों समय रहेगा लागू : पंडित उमाकांत शर्मा

मंदिर के वरिष्ठ पुजारी एवं मंदिर ट्रस्टी पंडित उमाकांत शर्मा ने बताया कि वह खुद इस लड़ाई को पिछले पच्चीस वर्षों से लड़ते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर के ही कुछ पुजारी वर्ग ऐसा होता नहीं देख सकते थे, क्योंकि वो अपने जजमानों को मां के वीआईपी दर्शन करवाकर खूब पैसे कमाते थे। उन्होंने कहा ट्रस्ट की हुई इस बैठक में भी सभी की सहमति से एक प्रस्ताव एसडीएम साहब को दिया था। इस प्रस्ताव में भी इसी मांग को दोहराया गया जिस पर सभी ट्रस्टी एकजुट हुए और एसडीएम कांगड़ा इशांत जसवाल ने इस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है और तत्काल प्रभाव से मंदिर अधिकारी कांगड़ा अशोक पठानिया को निर्देश जारी कर दिए हैं। पंडित उमाकांत शर्मा का कहना है कि जारी इन नियमों के अनुसार अब मंदिर सिर्फ 10 मिनट के लिए बंद होगा। उन्होंने बताया कि अब से यह नियम तीनों समय लागू रहेगा। जिसके बाद बाद मंदिर के कपाट दर्शनों के लिए खोल दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बंद पर्दों में सिर्फ पुजारी ही माता की पिंडी को स्नान करवाकर भोग लगाएगा उसके उपरांत मंदिर को खोल दिया जाएगा, जोकि पहले आधा घंटा बंद रहता था और अब सिर्फ 10 मिनट ही बंद रहेगा।

लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना कांग्रेस की पुरानी आदत : विश्व चक्षु

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कहा - सरकारी संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप न लगाए

हिमाचल प्रदेश भाजपा मीडिया सह-मीडिया प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की यह साजिश नई नहीं, यह कांग्रेस की पुरानी आदत है, जिसका शिकार अब चुनाव आयोग को बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया पर झूठे आरोप लगाते हैं और जब उनसे सबूत मांगे जाते हैं तो पीछे हट जाते हैं। चक्षु ने कहा कि जनता सच्चाई और ताकत के साथ खड़ी है, जबकि राहुल गांधी अराजकता और झूठ का मॉडल पेश कर रहे हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग की याचिका खारिज कर दी, जिसे भाजपा ने कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद भ्रष्टाचार मामलों में जमानत पर हैं, इसलिए उन्हें सरकारी संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप नहीं लगाने चाहिए। झूठ फैलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की गई और चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा कि इस झूठ की जिम्मेदारी कौन लेगा और क्या राहुल गांधी इसके लिए देश से माफी मांगेंगे।

बिहार के पटना में घटी घटना को चक्षु ने कांग्रेस की गुंडागर्दी बताया है तथा कहा कि कांग्रेस देश में आराजकता का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रही है मगर वे अपनी इस नापाक कोशिश में कभी कामयाब नहीं होगी। देश की जनता सच्चाई को समझती है और इस तरह की साजिशों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। कांग्रेस ने असली मतदाताओं को नकली बताकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश की।

हिमाचल की आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए : शांता

अनंत ज्ञान, पालमपुर

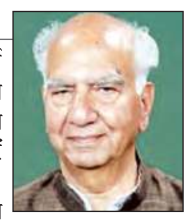

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की महाआपदा की खबरें पढ़ कर आहत हो जाता हूं, दुर्भाग्य यह है कि आपदा दिन प्रतिदिन भयंकर से और अधिक भयंकर होती जा रही है।

उन्होंने कहा कि मैंने इस संबंध में प्रधानमंत्री जी को एक पत्र लिखा था। मैंने लिखा कि एक रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार के पास लावारिस लोगों का 2 लाख करोड़ रुपए पड़ा है। उन्होंने सभी बैंकों और एलआईसी की पूरी सूची समेत प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। यह 2 लाख करोड़ रुपए उन लोगों का है जो पैसा जमा करवा कर मर गए हैं, उनका कोई कानूनी वारिस नही था। यह सारा धन देश का है।

शांता कुमार ने कहा कि उसी पत्र में उन्होंने आग्रह किया था कि इस धन का प्रयोग राष्ट्रीय आपदा में किया जाए और हिमाचल की इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए।

उन्होंने इस संबंध में आज अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जगत प्रकाश नड्डा, निर्मला सीतारमण को इसी आग्रह से एक पत्र लिखा है। वे सभी प्रधानमंत्री को मिलकर इस संबंध में आग्रह करें और यह निर्णय करवाएं। शांता कुमार ने इसी संबंध में हिमाचल प्रदेश के सभी सात सांसदों को भी पत्र लिख कर आग्रह किया है कि वे भी इक्कठे होकर प्रधानमंत्री से मिले और यह निर्णय करवाने की कोशिश करे। इस 2 लाख करोड़ रुपए में से अतिशीघ्र 5 हजार करोड़ रुपए हिमाचल को आपदा राहत के लिए मिलना चाहिए।

दो बाइक सवारों की बैल और स्विफ्ट गाड़ी से टकराने से मौत

अनंत ज्ञान, गगल। गत रात्रि बाइक पर सवार दो युवक जो गगल से शाहपुर की ओर जा रहे थे कि एयरपोर्ट के पास बैल से टकराने के बाद एक स्विफ्ट गाड़ी से टक्करा गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमें एक की मौके पर मृत्यु हो गई जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर एक आवारा पशु से बाइक सवार टकराए थे, लेकिन साथ में स्विफ्ट के साथ भी टकराए थे। जानकारी देते हुए गगल पुलिस थाना के प्रभारी ने बताया कि दोनों युवकों को एंबुलेंस की सहायता से टांडा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों के परिजनों ने गगल थाने में प्रदर्शन करके मामले की पारदर्शी जांच करने के लिए कहा।

उनका कहना है कि इन दोनों युवकों को स्विफ्ट कार द्वारा हिट किया गया है। गगल पुलिस थाना के प्रभारी उधम सिंह राजपूत ने बताया कि एक बाइक जिसमें दो युवक 29 वर्षीय अक्षय कुमार पुत्र चुनी लाल गांव भटेचछ शाहपुर और 36 वर्षीय पवन पुत्र रमेश कुमार निवासी टुंडू शाहपुर निवासी का एक्सीडेंट हुआ था जिन्हें डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। प्रभारी ने बताया कि कार के मालिक कुलदीप कुमार को हिरासत में ले लिया है और गाड़ी को भी कब्जे में ले लिया है।

तृप्ता स्कूल चलवाड़ा ने मनाया खेल दिवस

अनंत ज्ञान, जवाली

तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा ने राष्ट्रीय खेल दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में विद्यालय प्रधानाचार्य राकेश राणा ने शिरकत की सबसे पहले विद्यालय के चारों सदनों लिली, लोटस, रोज और डेजी के विद्यार्थियों और विद्यालय स्काउट एंड गाइड के विद्यार्थियों और स्कूल हेड बॉय, हेडगर्ल, स्पोर्ट्स कप्तान बच्चों द्वारा मार्च पास्ट हुआ जिसमें मुख्यातिथि प्रधानाचार्य राकेश राणा ने सलामी ली, उसके उपरांत बच्चों और अध्यापकों द्वारा खेल दिवस पर शपथ दिलाई गई।

खेल दिवस का मुख्य विषय 'विनर्स नेवर क्विट एंड क्विटर्स नेवर विन रहा' खेल दिवस के उपलक्ष्य पर डेजी और लिली और लोट्स और रोज के बच्चों द्वारा कर हर मैदान फतेह गीत पर बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी गई बच्चों द्वारा खेल दिवस पर कविता एवं लघु नाटिका भी प्रस्तुत की गई, उसके उपरांत इंटर स्कूल बॉलीवॉल, खो-खो, कबड्डी, बास्केटबॉल आदि खेल करवाए गए।

खेल दिवस में खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हुए गणमान्य।

प्रधानाचार्य राकेश राणा द्वारा मेजर ध्यान चंद के जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उन्होंने कहा मेजर ध्यान चंद ने अपने जीवन में कड़े संघर्ष से उन्होंने किस प्रकार से देश का नाम रौशन किया। उन्होंने कहा कि हमें निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए जिससे हमें अपने खेल को और बढ़िया बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अच्छे खिलाड़ी बनने के लिए पढ़ाई के साथ हमें खेल का भी लगातार अभ्यास करना आवश्यक है अंत में उन्होंने विश्व खेल दिवस की सभी को बधाई दी।

विक्रमशिला सदन टूर्नामेंट में विजयी

अनंत ज्ञान, डरोह। एंजल पब्लिक स्कूल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य समीर अमिताभ सूद द्वारा दीप प्रज्वलन और मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इसके उपरांत विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद के जीवन और उनके संघर्ष के बारे में बताया। इसके उपरान्त एक घंटा खेल के मैदान में थीम के आधार पर इंटर हाऊस खेल प्रतियोगिताओं जैसे कबड्डी, बैडमिंटन और खो - खो की शुरुआत स्कूल के प्रधानाचार्य समीर सूद द्वारा मशाल प्रज्वलन के साथ की गई। जिसमें तक्षशिला, विक्रमशिला तथा नालंदा सदन के खिलाड़ियों ने जोश के साथ भाग लिया। इन खेल प्रतियोगिताओं में विक्रमशिला सदन विजयी रहा।

कार्यक्रम के अंत में विजयी खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य ने ट्राफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया तथा विद्यार्थियों को संदेश दिया कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए बल्कि मानसिक, आत्मिक संतुलन और टीम भावना के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।

नवंबर में होगा द ग्रेट हिमालयन फूड फेस्टिवल का क्षेत्रीय आयोजन

अनंत ज्ञान, बैजनाथ

बीड़ होटल एसोसिएशन करवाएगी आयोजन

बीड़ होटल एसोसिएशन द ग्रेट हिमालयन फूड फेस्टिवल करवाने जा रही है। साथ ही नवंबर माह के पहले या दूसरे वीकेंड पर एक क्षेत्रीय फूड फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा जिसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है।

जानकारी देते हुए बीड़ होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश अबरोल व प्रेस सचिव अंकित सूद ने बताया कि अगले वर्ष के फरवरी या मार्च में इस कार्यक्रम को भव्य ढंग से आयोजित किया जाएगा। हिमालयी ग्रामीण खानपान और स्वाद को लेकर ये समारोह अपने आप में उत्तर भारत में पहला होगा और हमारी हिमालयी संस्कृति को दर्शाता हुआ पूरे देश को अपना स्वाद बताएगा । कोशिश रहेगी कि हमारी मातृशक्ति के हाथों का घरेलू स्वाद हम पूरी दुनिया को चखा पाए। उन्होंने बताया कि पहले यह कार्यक्रम नवंबर-दिसंबर में प्रस्तावित था, लेकिन इस वर्ष पंचायत चुनाव को देखते हुए इसे अगले वर्ष फरवरी-मार्च में आयोजित करने बारे सहमति बनी है। इस आयोजन में पर्यटन विभाग, इस क्षेत्र के जानकारों सहित विभिन्न वॉलंटियर्स को आमंत्रित और शामिल करने और उनसे सहायता लेने की भी योजना है। हिमालय क्षेत्रों के महिला मंडल और स्वयंसेवी सहायता समूह की महिलाओं का एक कम्पिटिशन इस फेस्टिवल का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा जिसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय रहने वालों को लाखों के ईनाम वितरित किए जाएंगे साथ ही विभिन्न प्रकार के सांत्वना पुरस्कार भी होंगे।

इस दौरान देश-विदेश से आने वाले सैलानी हिमालयी क्षेत्रों के खाने का स्वाद एक स्थान पर ले पाएंगे साथ ही उनके मनोरंजन के लिए अन्य गतिविधियां भी होंगी। सायंकालीन कार्यक्रमों में हिमालयी संस्कृति को दर्शाते हुए नृत्य व अन्य छोटी प्रतियोगिताएं भी करवाई जा सकती है । फिलहाल नवम्बर माह में लैंडिंग स्थल पर एक छोटे स्तर का बीड़ होटल एसोसिएशन करने के उपरांत इस बड़े कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा सार्वजनिक की जाएगी।

नीरज और साहिल बने श्रेष्ठ वॉलीबॉल खिलाड़ी

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान

डरोह। महाराजा संसार चंद स्मारक राजकीय महाविद्यालय थुरल में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की 6 टीमों ने भाग लिया। इसमें खेलो इंडिया के तहत प्रतिभागियों द्वारा खेल शपथ भी ली गई, जिसमें बीसीए की टीम प्रथम तथा कॉमर्स की टीम द्वितीय स्थान पर रही।

इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्राचार्या राका शर्मा उपस्थिति रहीं। खेल दिवस पर उन्होंने कहा कि भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जाता है।

थुरल महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने के दौरान मौजूद विद्यार्थी व अन्य।

थुरल महाविद्यालय में मनाया खेल दिवस

विजेताओं को महाविद्यालय प्राचार्या राका शर्मा तथा रवि सिंह पालसरा खेल संयोजक द्वारा सम्मानित किया गया। नीरज और साहिल को श्रेष्ठ वॉलीबॉल खिलाड़ी चुना गया। इस मौके पर प्रो. रवि सिंह पालसरा, प्रो. लेख राम नेगी, डॉ. संजीव शर्मा, डॉ. अमित शर्मा, प्रो. पवन राणा, डॉ. विशाल वालिया, डॉ शिशुपाल प्रो, नबिता प्रो,प्रेमलता प्रो. अजय व प्रो. कुशल सिंह उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस पहल को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

विद्यार्थियों को बताई मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियां

रमन राणा, अनंत ज्ञान

भडवार। आर्य महाविद्यालय नूरपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर के निर्देशन में की गई, इसमें महाविद्यालय के लगभग 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ठाकुर ने विद्यार्थियों को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का संक्षिप्त में जीवन परिचय दिया तथा विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियां के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया तथा जीवन में आगे बढ़ाने के लिए उनका मार्गदर्शन किया। इसके पश्चात विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियां जैसे कबड्डी, टेबल टेनिस, बास्केटबाल, वॉलीबॉल तथा मनोरंजनात्मक गतिविधियां करवाई गई, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ।

इस अवसर पर खेल सलाहकार समिति के सदस्य डॉक्टर सोहन कुमार, प्रोफेसर भारती भागसेन, प्रोफेसर शिव कुमार, प्रोफेसर कुमारी सीमा, डॉक्टर सत्य प्रकाश तथा महाविद्यालय का समस्त स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहा। कार्यक्रम के प्रथम दिन का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

आपदा में राजनीति से ऊपर उठकर आगे आएं सत्ता पक्ष-विपक्ष : पंकज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल में हुए नुकसान को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे केंद्र सरकार

प्रदेश भर में आपदा के चलते फंसे लोगों का जल्द हो रेस्क्यू

प्रदेश में बरसात ने इस बार खूब बरपाया है, ऐसे में सत्ता पक्ष व विपक्ष को राजनीति से ऊपर उठकर आगे आना चाहिए। केंद्र सरकार, प्रदेश में बरसात से हुए नुकसान को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आपदा के चलते फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाएं। यह बात जिला कांगड़ा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में चड़ी वार्ड से जिला पार्षद पंकज कुमार पंकु ने कही।

उन्होंने कहा कि बरसात से नुकसान से प्रदेश का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं रहा है। कई लोगों की जान बरसात में बादल फटने व प्राकृतिक आपदा के चलते जा चुकी है। कई लोग बेघर हो चुके हैं, कई लोगों के आशियाने उनकी आंखों के सामने पानी या फिर पहाड़ियों के मलबे में समा गए।

ऐसे नाजुक वक्त में सत्ता पक्ष व विपक्ष को राजनीति करने के बजाय आम पीड़ित वर्ग की सहायता और आर्थिक मदद के लिए राजनीति से ऊपर उठकर आगे आना चाहिए। जिस तरह से प्रदेश में आपदाएं आई, उससे हुए नुकसान को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग केंद्र के समक्ष भाजपा व कांग्रेस को संयुक्त रूप से बुलंद करनी चाहिए, जिससे कि आपदा में सब कुछ गंवा चुके लोगों को आर्थिक मदद मुहैया करवाकर उनके जीवन को पटरी पर लाने के प्रयास किए जा सकें।

उन्होंने कहा कि इस समय प्रदेश से संबंधित सांसदों, चाहे लोकसभा के हों या फिर राज्यसभा के, उन्हें भी केंद्र के समक्ष हिमाचल के मुद्दे को उठाना चाहिए।

पंकज कुमार पंकु ने कहा कि यह समय राजनीति करने का नहीं, बल्कि आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए आगे आना है, जिसमें बिना समय गंवाए सत्ता पक्ष व विपक्ष को प्रदेश हित में आवाज उठानी चाहिए।

स्नेक रेस्क्यू बरसात के दौरान बढ़े सांपों के मामले

36 सांपों का किया गया रेस्क्यू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

बरसात के दौरान सांपों के दिखने के मामलों में इजाफा हो जाता है। बात करें वन्य प्राणी विभाग के धर्मशाला सर्कल की तो बरसात के दौरान यहां 36 के करीब सांपों का रेस्क्यू की किया गया है, जिनमें 23 रेट स्नेक और 13 रसलवाइर को रेस्क्यू कर जंगलों में छोड़ा गया है।

बरसात के चलते ऐसे मामलों से निपटने के लिए वन्य प्राणी विभाग धर्मशाला की ओर से विशेष स्नेक रेस्क्यू टीम तैनात की गई है। विभाग को जैसे ही सांप दिखने की सूचना मिलती है, टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर उसे सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ देती है। वन्य प्राणी वृत धर्मशाला के अरण्यपाल सरोज भाई पटेल ने बताया कि इस साल स्नेक रेस्क्यू टीम ने अब तक करीब 36 सांपों को पकड़ा है। इनमें सबसे ज्यादा मामले रेट स्नेक के सामने आए हैं।

वन विभाग की टीम के 23 रेट स्नेक और 13 रसल वाइपर धर्मशाला में पकड़े

जिले में किंग कोबरा भी मौजूद, पर विभाग के पास सांप से जुड़ा नहीं कोई मामला

उन्होंने कहा अब तक 23 रेट स्नेक पकड़े गए हैं, ये जहरीले नहीं होते, वहीं 13 मामले रसल वाइपर के रहे हैं, यह बेहद जहरीला सांप है और जिला कांगड़ा में आम तौर पर पाया जाता है। उन्होंने बताया कि स्नेक रेस्क्यू के अलावा टीम ने अन्य वन्य प्राणियों के भी लगभग 13-14 मामले सफलतापूर्वक निपटाए हैं। अरण्यपाल ने आगे कहा कि जिले में किंग कोबरा भी पाया जाता है, लेकिन अभी तक विभाग के पास इस सांप से जुड़ा कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

एसडीएम सुरेंद्र ठाकुर लोगों का बने सहारा

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। जिला कांगड़ा के उपमंडल इंदौरा के मंड से सामने आई तस्वीरों ने इंसानियत का एक नया चेहरा दिखाया। यहां एसडीएम इंदौरा सुरेंद्र ठाकुर खुद बच्चों को गोद में उठाए, उन्हें दुलारते और बचाव मोर्चे पर डटे दिखाई दिए। यह दृश्य हमें याद दिलाता है कि असली नेतृत्व वही है, जो संकट की घड़ी में सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि लोगों के बीच जाकर उनका सहारा बनता है।

एनडीआरएफ और प्रशासनिक टीमें बचाव कार्य में जुटी थीं, और वहीं सुरेंद्र ठाकुर ने पानी से सहमे बच्चों को अपनी गोद में उठाया, जैसे अपने ही बच्चे हों। मुस्कुराते हुए, उन्होंने इन मासूमों को भरोसा दिलाया कि हम आपके साथ हैं।

इस मानवीय पहल ने बाढ़ से जूझ रहे परिवारों को राहत दी। लोगों ने महसूस किया कि संकट की घड़ी में प्रशासन सिर्फ आदेश देने तक सीमित नहीं, बल्कि हर कदम पर उनके साथ खड़ा है।

एफआरए में छूट के लिए केंद्र से करेंगे बात : डॉ. भारद्वाज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

प्रदेश में जो आपदा आई है, ऐसे समय में सत्ता पक्ष व विपक्ष ने राजनीति से ऊपर उठकर इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया है। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और मुख्यमंत्री सुक्खू को बधाई देते हैं। यह बात कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने शुक्रवार को धर्मशाला में पत्रकारों से अनौपचारिक बाताचीत में कही।

कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, चंबा की स्थिति सभी के सामने है। जहां भी बरसात से नुकसान हुआ है, वहां भाजपा कार्यकर्ता सेवा में जुटे हुए हैं तथा आपदा के चलते फंसे लोगों को निकालने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुल्लू में आई आपदा में जमीन ही नहीं बची है, ऐसे में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के समक्ष यह मामला उठाया जाएगा कि एफआरए में कुछ छूट का प्रावधान किया जाए, जिससे कि कुल्लू के आपदा प्रभावितों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि आपदा का यह समय एक-दूसरे व आरोप लगाने का नहीं है, बल्कि सभी को मिलकर आपदा का मुकाबला करने का है।

इंडोर स्टेडियम धर्मशाला में बच्चों के साथ डॉ. राजीव भारद्वाज।

नशे के बजाय युवाओं को खेल के मैदान में लाने की पहल

सांसद ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद के जन्मदिन पर इंडोर स्टेडियम धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पीएम मोदी ने मेजर ध्यान चंद के जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। एनडीए संसदीय समिति की बैठक में निर्णय लिया है कि सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें गांव से ब्लाक, ब्लाक से जिला व जिला से संसदीय क्षेत्र तक खेल आयोजन करवाए जाएंगे। इसका उद्देश्य यही है कि आज का युवा नशे से दूर होकर खेल के मैदान तक आए। खेल का मैदान शारीरिक के साथ मानसिक शक्ति भी देता है। खिलाड़ी को अनुशासन के रूप में सबसे बड़ा सबक मिलता है।

पांच दिन से कर रहा मंड क्षेत्र का दौरा

सांसद ने कहा कि पिछले पांच दिनों से इंदौरा, फतेहपुर के मंड क्षेत्र का दौरा कर रहा हूं, स्थिति भयावह है। फसलें तबाह हो गई हैं, चिंता यह है कि जानमाल का नुकसान न हो। आपदा से प्रभावितों के पुनर्वास के लिए सभी राजनीतिक दलों को मिलकर विचार करना चाहिए। आपदा से राहत के लिए केंद्र में जहां आवाज उठानी पड़ेगी, प्रदेश के सभी सांसद एक साथ हिमाचल का पक्ष दिल्ली में रखेंगे।

इंडोर में मिल सकती है वॉलीबॉल खेल की सुविधा

सांसद ने कहा कि धर्मशाला खेल का क्षेत्र कैसे बन सकता है, इस बारे में खेल अधिकारी को कहा है कि मुझे इस बारे में लिखित में दें। इंडोर स्टेडियम में वालीबॉल खेल की सुविधा के संदर्भ में खेल मंत्री के समक्ष इस मामले को रखा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर स्कूल के पुराने भवन की दीवार गिरी

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान, नगरोटा सूरियां। देहरा उपमंडल की पंचायत बिलासपुर के सरकारी स्कूल बिलासपुर के पुराने भवन की दीवार गिर गई, गनीमत यह रही कि उस समय स्कूल में छुट्टी हो गई थी। इस पुराने भवन के जर्जर हालत के कारण दीवार या भवन का किसी भी तरफ गिरने का अंदेशा था। वीरवार यह दीवार गिरने का हादसा छुट्टी के बाद हुआ था और पूर्व में बच्चे भी इस पुराने स्कूल के कमरों में बैठते थे, मगर भवन में आई दरार की बजह से उन्हें बैठने से रोका गया था। पुराने स्कूल के भवन के बिलकुल साथ दो कमरों के निर्माण का काम लोक निर्माण विभाग हरिपुर के ठेकेदार ने पिछले दो वर्ष से चला रखा है परंतु अभी काम अधूरा है। स्कूल के बच्चों को वहां आने जाने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस दीवार के गिरने का असल कारण भी नए भवन की बिल्डिंग के सामान का बिखरा होना भी है। स्कूल के प्रधानाचार्य राजीव शर्मा ने बताया कि स्कूल में छुट्टियां समाप्त होने के बाद उन्होंने विभाग को इस भवन में आई दरार और सीलन बारे सूचित कर दिया है। उनका कहना है कि अगर बरसात जारी रही तो हो सकता एक तरफ की गिरी दीवार की तरह दूसरी तरफ वाली दीवार भी गिर जाए। उन्होंने इस भवन की मुररमत बारे भी शिक्षा विभाग को लिख रहे हैं ताकि यह भवन प्रयोग के लिए बचा रहे और स्कूल में चल रही भवन की कमी से निपटा जा सके।

होटल रेस्टोरेंट एसो. ने किया पौधरोपण

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। होटल रेस्टोरेंट एसोसिएशन स्मार्ट सिटी धर्मशाला मैक्लोडगंज ने शुक्रवार को अपने दूसरे चरण में टीपा रोड की पहाड़ियों में पौधरोपण किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल धीमान ने बताया कि इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के 100 पौधे लगाए गए। इस दौरान एसडीएम धर्मशाला मोहित रत्न, तहसीलदार धर्मशाला गिरिराज ठाकुर, वन विभाग, वेस्ट वॉरियर्स के वालंटियर्स उपस्थित रहे।

रस्सीकूद महिला वर्ग में मुस्कान प्रथम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। राजकीय बीएड कॉलेज धर्मशाला की प्राचार्या प्रो. आरती वर्मा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती को स्मरण करते हुए प्रशिक्षुओं और प्राध्यापकों ने विभिन्न खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया। इस दौरान मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि समर्पित की। डॉ. बीना चन्द्रिका नायर ने प्रशिक्षुओं को खेल दिवस की शपथ दिलाकर मेजर ध्यानचंद के जीवन पर प्रकाश डाला। वहीं चम्मच दौड़ में साहिल प्रथम, हरिंद्र सिंह व दुर्गेश द्वितीय, साहिल तृतीय, शटल दौड़ पुरुष वर्ग में रविंद्र प्रथम, जितेंद्र द्वितीय व प्रवीण तृतीय, महिला वर्ग में अलीशा प्रथम, रेणुका द्वितीय व कोमल तृतीय रही। रस्सीकूद महिला वर्ग में मुस्कान प्रथम, रितू द्वितीय व प्रिया चौहान तृतीय रहे। शिक्षक एवं गैर शिक्षक वर्ग की युगराज-11 एवं अश्वनी-11 के बीच हुए क्रिकेट मैच में टीम युगराज-11 ने 4 विकट से टीम अश्वनी को हराया। प्राचार्या ने प्रशिक्षुओं को कार्यक्रम के सफल आयोजन पर शुभकामनाएं दीं।

बीच रास्ते में खराब हुई एचआरटीसी बस

अनंत ज्ञान, परागपुर। ढलियारा पुल के पास एचआरटीसी बस ने फिर अपने लक्ष्य पर पहुंचने से पहले ही बीच रास्ते में अपना दम तोड़ दिया। आए दिन एचआरटीसी बसों की ऐसे हालात को देखते हुए स्थानीय जनता भी सोच में है कि एचआरटीसी बस में सफर करें की न करें। आपको बता दें कि बस चामुंडा से अमृतसर जा रही थी और ढलियारा पुल के पास खराब हो गई। इसके चलते यात्री तकरीबन एक घंटा वहां दूसरी बस का इंतजार करते रहे।

नौरा कॉलेज में प्रौद्योगिकी पर करवाई संगोष्ठी

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय नौरा में एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया, जिसका संचालन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के नवीनतम पहलुओं पर चर्चा की। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में एक्सीलेंस टेक्नोलॉजी से आदिति और गौरव उपस्थित रहे। उन्होंने उद्योग की नई प्रवृत्तियों, करियर संभावनाओं और कौशल-आधारित शिक्षा के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उनका संवादात्मक सत्र विद्यार्थियों, विशेषकर कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के छात्रों, के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। डॉ. विवेक (बीसीए समन्वयक) ने शैक्षणिक-औद्योगिक संवाद को विद्यार्थियों की व्यवहारिक जानकारी बढ़ाने के लिए आवश्यक बताया।

डॉ. अनुपमा ने संभाला एमएस का कार्यभार

अमन राणा, अनंत ज्ञान, भडवार। सिविल अस्पताल नूरपुर में डा अनुपमा शर्मा ने बतौर मेडिकल सुपरिटेंडेंट के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। जिला मंडी के सुंदरनगर की रहने वाली डॉ. अनुपमा शर्मा इससे पूर्व लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज मंडी में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहीं थीं। उन्होंने बताया कि मैंने अभी अभी हाल ही में ज्वाइन किया है तथा मेरी प्राथमिकता रहेगी कि इस अस्पताल की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा उन्होंने कहा कि सभी सरकारी योजनाओं का प्रत्येक व्यक्ति को लाभ मिले इसके लिए भी वह प्रयासरत रहेंगी।

राजकीय महाविद्यालय ज्वाली में मनाया खेल दिवस

उषा जरियाल, अनंत ज्ञान, जवाली। राजकीय महाविद्यालय ज्वाली में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविधालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसा कि टेवल टेनिस, बॉलीवॉल, रस्साकशी एवं शंतरज आदि का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ. सनोज कुमार की देखरेख में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इसके अतिरिक्त रावमा पाठशाला ज्वाली के छोटे बच्चों ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें लड़कियों की टीम ने लड़कों को रस्साकशी में हराया। प्राचार्य डॉ. दिनेश शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

एचआईवी-एड्स पर लगाया जागरूकता कैंप

अनंत ज्ञान, जवाली। पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) की टीम ने शुक्रवार को पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जवाली में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर में विद्यार्थियों को एचआईवी एवं एड्स से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। काउंसलर वैशाली ने विद्यार्थियों को एचआईवी की रोकथाम, उपचार और इससे जुड़े मिथकों के बारे में विस्तार से बताया।

बाढ़ में बहकर आए बैल का किया रेस्क्यू

शिबू ठाकुर, अनंत ज्ञान, कोटला। देहर खड्ड में पिछले सप्ताह आई भयंकर बाढ़ में एक बैल बहते हुए आया और कई दिनों तक कोटला के श्मशानघाट के पास खड्ड के किनारे की पहाड़ी पर फंसा रहा, जोकि किसी को भी नजर नहीं आया। यह बैल बहुत ही दुर्बल हो गया था एवं चलने फिरने में असमर्थ हो गया था। शुक्रवार सुबह किसी व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी तो उसने कोटला बाजार में इसका जिक्र किया तो कोटला व्यापार मंडल सदस्य एवं स्थानीय युवा मौका पर पहुंचे एवं उस बैल को पहाड़ी से उतारकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया एवं पशु चिकित्सक से चिकित्सा उपलब्ध करवाई। इस अवसर पर रितेश मेहरा, गोपी, आर्यन, सन्नी वर्मा, अनुज, राघव, प्रथम, रिशव, दीपांशु, शिव कुमार, अर्पण ,समीर शर्मा आदि ने सहयोग किया।

छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। पंडित संत राम राजकीय महाविद्यालय, बैजनाथ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार कौंडल ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल जीवन में शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक संतुलन और अनुशासन का संचार करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ व अनुशासित जीवन जीने का संकल्प दिलाया।

रिटायर कर्मियों को वित्तीय लाभ न देने पर होगा आंदोलन

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ जिला कांगड़ा द्वारा शुक्रवार को कांगड़ा में प्रेसवार्ता की गई। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष ब्रह्मानन्द अतिरिक्त महासचिव सुभाष पठानिया, परिवहन सेवानिवृत्त कल्याण मंच के पूर्व अध्यक्ष व महासंघ के मुख्य सलाहकार बलराम पुरी, भारतीय राज्य पेंशनर संघ के जिलाध्यक्ष मदन चौधरी ने कहा कि वर्षो से लंबित कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के संशोधित वित्तीय लाभ, 1 जनवरी 2016 से जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए पैंशनरों को आज तक उन्हें ग्रेज्युटी, लीव-एनकैशमेंट, कम्यूटेशन, संशोधित पेंशन का एरियर इत्यादि कुछ भी नहीं दिया है। इस दौरान कहा गया कि पेंशनर्स की मांगों व बकाया राशियों को तुरंत जारी करे अन्यथा सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

मिनी मणिमहेश में कल राधाष्टमी स्नान को लेकर ट्रैफिक प्लान तैयार, ड्रोन से रहेगी नजर

सुरक्षा में तैनात रहेंगे 50 पुलिस जवान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

मिनी मणिमहेश के नाम से विख्यात नड्डी की डल झील में 31 अगस्त को राधाष्टमी स्नान के लिए जिला पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार कर लिया है। स्नान के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर 50 से अधिक पुलिस जवान तैनात रहेंगे।

झील में स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 6 गोताखोरों सहित 10 एसडीआरएफ जवान भी सेवाएं देंगे। डल झील कई लोगों की आस्था का प्रतीक है, जहां आस्था के वशीभूत होकर श्रद्धालु राधाष्टमी पर स्नान के लिए पहुंचते हैं। यही नहीं पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था बनाने के लिए ड्रोन का प्रयोग भी किया जाएगा, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

राधाष्टमी स्नान को लेकर पानी से भरी हुई डल झील।

6 गोताखोर, 10 एसडीआरएफ जवान भी रहेंगे तैनात

स्नान के लिए बनेंगे अस्थायी घाट

31 अगस्त को होने वाले राधाअष्टमी स्नान के लिए धर्मशाला ब्लॉक कार्यालय की ओर से महिला व पुरूषों के स्नान के लिए अस्थायी घाट बनाए जाएंगे। जिससे की उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े। राधाअष्टमी स्नान को लेकर 30 अगस्त रात 11 बजे से तिथि शुरू हो जाएगी। जो कि 31 अगस्त की रात 11 बजे तक चलेगा। इसके साथ लोगों को भारी बारीश में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

बड़ी गाड़ियों की रहेगी डल में पाबंदी

पुलिस के प्लान के अनुसार मैक्लोडगंज से डल की ओर किसी भी बड़ी गाड़ी को नहीं जाने दिया जाएगा। श्रद्धालुओं द्वारा लाई जाने वाली बड़ी गाड़ियों को पुलिस द्वारा मैक्लोडगंज में ही रोक दिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि राधाअष्टमी के दिन मुख्य मंदिर व डल झील के किनारे कोई भी गाड़ी नहीं लगा पाएगा। इसके अलावा पुलिस ने गाडियों की पार्किंग के लिए टीसीवी स्कूल की पार्किंग को, स्तोवरी को जाने वाली सड़क किनारे, नड्डी को जाने वाली सड़क किनारे आदि जगहों पर गाड़ियों के पार्किंग की व्यवस्था करेगी।

> राधाआष्टमी पर स्नान के लिए सुरक्षा व्यवस्था व ट्रैफिक व्यवस्था के लिए 50 से अधिक कर्मी तैनात किए जाएंगे। ड्रोन से भी नजर रखे जाएगी। एसडीआरएफ व गोताखोर झील के दोनों छोरों पर तैनात रहेंगे।
>
> **हितेष लखनपाल, एएसपी, जिला कांगड़ा।**

पौंग बांध के जलस्तर में कमी आनी शुरू, निचले इलाकों मचाई तबाही

अनंत ज्ञान, फतेहपुर

लगातार बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से भारी मात्रा में पानी आने से पौंग बांध का जलस्तर बीते दिनों खतरे के निशान से ऊपर चला गया था। हालांकि बीबीएमबी द्वारा पिछले 24 दिनों से बांध से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण अब धीरे-धीरे जलस्तर में कमी आनी शुरू हो गई है। बीते मंगलवार को बांध का जलस्तर 1388.65 फुट था, जो बुधवार 27 अगस्त को घटकर 1393.66 फुट तक पहुंच गया।

प्रशासन ने हालात को संभालने के लिए आउटफ्लो 94,845 क्यूसिक बनाए रखा। 28 अगस्त को जलस्तर में थोड़ी गिरावट आई और शाम तक यह 1392.99 फुट दर्ज हुआ। इस दिन आउटफ्लो बढ़ाकर 1,04,983 क्यूसिक किया गया। वहीं 29 अगस्त सुबह को जलस्तर और घटकर 1391.28 फुट हो गया। बांध में पानी की आवक करीब 72,214 क्यूसिक और आउटफ्लो 1,09,876 क्यूसिक दर्ज किया गया। बीबीएमबी प्रशासन का कहना है कि अगले चार दिनों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पौंग से लगातार पानी छोड़े जाने से अब फतेहपुर और इंदौरा उपमंडल के निचले गांवों मंड भोग्रवां, मंड, स्नौर, रियाली और घंडरां सहित कई अन्य क्षेत्रों में पौंग बांध के पानी ने तबाही मचाई हुई है। एसडीएम फतेहपुर विश्रुत भारती ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सेवानिवृत्त कर्मियों को 2016 से बढ़े हुए वेतन की राशि का हो भुगतान

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

हिमाचल प्रदेश इंटक नगरोटा बगवां इकाई के प्रधान मेहर चंद ने प्रदेश सरकार से मांग दोहराई है कि प्रदेश सरकार से 2016 में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को बढ़े हुए वेतन की राशि का शीघ्र भुगतान किया जाए।

उन्होंने प्रदेश सरकार से यह भी मांग दोहराई है कि कर्मचारियों को केंद्र सरकार की भांति पिछले महंगाई भत्ते की घोषणा भी शीघ्र की जाए।

बच्चों को मेजर ध्यानचंद के जीवन से करवाया रू-ब-रू

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान

नगरोटा सूरियां। राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया जाता है। इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य शेखर मोदगिल ने कहा कि ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को हुआ था। हॉकी के सर्वकालिक महान खिलाड़ी के रूप में पहचाने जाने वाले ध्यानचंद जी दूसरे विश्व युद्ध से पहले 1929 से 1936 तक ओलंपिक में अपना दबदबा बनाने वाले भारतीय टीमों के हिस्सा थे।

इस दौरान राष्ट्रीय खेल दिवस में स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व साथ ही विद्यार्थियों ने कई प्रकार की प्रतियोगिताओं में अपना दमखम दिखाया। स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने भी कई प्रकार की एक्टिविटीज की जैसे की बोल पिकअप एंड ड्रॉप बोल, जिग जैक रेस, मेंढक रेस, स्पून रेस, सैक रेस। साथ ही अंतर सदनीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता भी करवाई गई। स्कूल के प्रधानाचार्य शेखर मोदगिल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष पर उपस्थित सभी बच्चों को शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने के दौरान मौजूद बच्चे और अध्यापक।

बच्चों की करवाई बास्केटबॉल प्रतियोगिता

जनता को अकेला नहीं छोड़ूंगा, सरकार और विधायक खामोश क्यों : होशियार

शिवम शर्मा, अनंत ज्ञान

परागपुर। ब्लॉक परागपुर की बह और धौंटा पंचायतों से 23 अगस्त को मणिमहेश यात्रा पर गए 22 श्रद्धालु आठ दिन से लापता हैं। परिवारों की आंखों से आंसू थम नहीं रहे और पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है। इसी बीच पूर्व विधायक होशियार सिंह ठाकुर शुक्रवार शाम अचानक गांव बह ढौंटा पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया।

उन्होंने कहा कि यह वक्त राजनीति का नहीं, बल्कि जनता के साथ खड़े रहने का है। उन्होंने मौके पर ही केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और कांगड़ा-चंबा सांसद राजीव भारद्वाज से पीड़ित परिवारों की फोन पर सीधी बात करवाई। सांसदों ने हर संभव मदद और तुरंत कार्रवाई का भरोसा दिया।

इस आश्वासन से परिवारों के चेहरों पर थोड़ी देर के लिए ही सही, उम्मीद की किरण लौटी है। होशियार सिंह ने सरकार और स्थानीय विधायक पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि विधानसभा क्षेत्र मुख्यमंत्री सुक्खू के ससुराल से ताल्लुक रखता है और इस क्षेत्र की विधायक उनकी धर्मपत्नी कमलेश ठाकुर हैं। इसके बावजूद न तो सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम उठाया है और न ही स्थानीय विधायक ने पीड़ित परिवारों की सुध ली।

हैप्पी बर्थडे

गांव अप्पर सिहोटू के कृतिका चौधरी को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

तेंदुए ने नौ बकरियों को बनाया अपना शिकार

अनंत ज्ञान, डरोह। थुरल के साथ लगते पंचायत बटाहण के अंतर्गत चल्लाह गांव में तेंदुए ने मवेशीखाने से नौ बकरियों को एक साथ अपना शिकार बनाया, जिससे न केवल गांववासी दहशत में है बल्कि समूचे क्षेत्र के लोग भी तेंदुए से डरे हुए हैं। चल्लाह गांव के रोज मोहम्मद पुत्र उमरद्दीन ने बताया कि उनका रोजी-रोटी का सहारा छिन गया है।

रोज मोहम्मद ने बताया कि घर के साथ लगते मवेशीखाने में सुबह करीब 3 बजे के आसपास उन्हें अचानक आवाज सुनाई दी, तो उन्होंने देखा कि तेंदुए ने उनकी पालतू बकरियों को मार गिराया है तथा उनके शोर मचाने पर तेंदुआ दो बकरियों को लेकर भाग गया।

उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने वन विभाग को अवगत करा दिया है। वनरक्षक मनोहर पठानिया से बातचीत होने पर उन्होंने कहा कि वह मौके पर गए हैं तथा जानकारी इकट्ठा कर वेटरनरी डॉक्टर के साथ पोस्टमार्टम रिपोर्ट होने के बाद आगामी कार्रवाई करेंगे।

श्रद्धालुओं को सकुशल घर पहुंचाने के लिए सरकार प्रयासरत : कमलेश

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान

देहरा। विधायक देहरा कमलेश ठाकुर ने बताया कि श्री मणिमहेश यात्रा पर गए देहरा विधानसभा क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं को सकुशल घर पहुंचाने के लिए वह प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि भारी बारिश और भूस्खलन से चंबा से भरमौर, हड़सर तक सड़क मार्ग को बहुत नुकसान पहुंचा है। सडक़ जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। हड़सर और भरमौर के बीच फंसे अपने क्षेत्र के लोगों की चंबा जिला प्रशासन से लगातार अपडेट लिया जा रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वे वहां फंसे लोगों से भी बीते बुधवार से निरंतर संपर्क में है। सभी लोग सुरक्षित हैं और प्रशासन अपनी ओर से यथासंभव मदद प्रदान करने में लगा हुआ है। कमलेश ठाकुर ने बताया कि अफवाहों पर बिलकुल विश्वास न करें। स्थानीय प्रशासन की ओर से दी जा रही सूचनाओं पर ही भरोसा करें। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की ओर से राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी वीरवार शाम को चंबा पहुंच गए है, शुक्रवार सुबह से ही वह भरमौर व हड़सर के सड़क मार्ग को दुरुस्त करवाने में लगे हुए हैं, उनके साथ हलहौजी के भाजपा विधायक डीएस ठाकुर भी मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक लेकर मणिमहेश यात्रा पर आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए हेलीकॉप्टर सुविधा उपलब्ध करवाकर प्राथमिकता से उन्हें सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। चंबा पहुंच चुके लोगों को बसों के माध्यम से गंतव्य स्थानों तक पहुंचाना शुरू कर दिया गया है। लोगों को रहने व खाने के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं।

आंगनबाड़ी सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं के होंगे साक्षात्कार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। बाल विकास परियोजना अधिकारी, रैत ने बताया कि बाल विकास परियोजना रैत के अंतर्गत उपमंडल शाहपुर में आंगनबाड़ी सहायिकाओं के 16 रिक्त पद जो कि पंचायत मुदंला में मुदंला, मुदंला में हारपाऊ, अनसुई में अनसुई, कुठेर-।।, कियोडियां, नागनपट, कल्याडा में ओडर-।।, रैत-।।, ठिरडी, खब्बल, लोहर डोहब-।, झुलाड़-।।, मझग्रां, जलाड़ी, चुलान, महाड़ आंगनबाड़ी केंद्रों में भरे जाएंगे।

कार्यकर्ता के तीन रिक्त पद जो पंचायत भडियाडा खास, वैदी घाटी, जुगहेड़ तथा आंगनबाड़ी सहायिकाओं के तीन रिक्त पद जो कि हारचकियां में छल्ला, वटवल्ला, कपाड़ आंगनबाड़ी केंद्रों, उपमंडल धर्मशाला में आंगनबाड़ी सहायिकाओं के तीन रिक्त पद जो कि लांझणी, पलूण, वितलु में कुट आंगनबाड़ी केंद्रों को भरने हेतु साक्षात्कार रखे गए हैं जिनके लिए आवेदन पत्रों को प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर रखी गई है।

बैदी में लाखों रुपए के गहने और कीमती सामान उड़ा ले गए चोर

अनंत ज्ञान, गगल

माउंट कार्मल स्कूल के नजदीक गांव बैदी में चोर लाखों रुपए के गहने व कीमती सामान लेकर रफूचक्कर हो गए।

डीएसपी अंकित शर्मा ने बताया कि बैदी गांव में कपिल गिल के घर से चोर बड़ी एलईडी, सोने की चेन, नथ, सोने की अंगूठी, नाम टीका, दो बड़ी बल्टोईयां, एक चरोटू व शादी के सारे पीतल के बर्तन उड़ाकर ले गए यह चोरी उस समय हुई जब घर का मालिक कपिल कुमार गिल जो 11 अगस्त से चंडीगढ़ चला गया था। शुक्रवार को उसके किरायेदार शेर सिंह को साथ वाले मकान के मालिक ने कहा कि ऊपर के मकान का दरवाजा खुला है।

शेर सिंह ने मालिक कपिल को चंडीगढ़ में फोन किया जिस पर कपिल की पत्नी कृष्णा ने बहन सुलक्षणा जो धर्मशाला में नर्सिंग हॉस्पिटल में सेवाएं दे रही हैं को बताया वह तुरंत गांव बैदी में पहुंची और उसने वीडियो कॉल के चोरी हुए सामान की जानकारी दी। डीएसपी अंकित शर्मा ने घर की छानबीन की तो उसने देखा कि वहां 6-7 किरायेदार रहते हैं जो बिहार और यूपी से हैं। अंकित शर्मा ने घर से बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

कांगड़ा कोर्ट में किया पौधरोपण

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। कांगड़ा कोर्ट ने कछियारी में पौधरोपण का आयोजन किया, जिसमें एसीजेएम जज प्रतिभा नेगी और जेएमएफसी जज शुभांगी जोशी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर कोर्ट के जज और स्टाफ ने पौधे रोपित किए। प्रतिभा नेगी और शुभांगी जोशी ने कहा कि पौधरोपण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और हरित कवर बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उन्होंने पौधरोपण के महत्व पर जोर दिया।

गणेश महोत्सव का तीसरा दिन होता खास : विवेक

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। गणेश महोत्सव के तीसरे दिन कथावाचक पंडित विवेक शर्मा वृंदावन वाले ने बताया कि गणेश महोत्सव का तीसरा दिन बेहद खास माना जाता है। इस दिन अगर भक्त कुछ विशेष उपाय और पूजन विधि अपनाते हैं, तो धन, वैभव और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

जानें कौन से कार्य करने से भगवान गणेश प्रसन्न होकर राजा जैसी सम्पन्नता का आशीर्वाद देते हैं। गणेश उत्सव का हर दिन अपने आप में खास महत्व रखता है। खासतौर पर गणेश चतुर्थी के तीसरे दिन किए गए उपाय और विधियां बेहद फलदायी मानी जाती हैं।

शनिदेव भंडारे का आयोजन आज

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां की पंचायत बग गुलेहड़ के टीका भाटी में 30 अगस्त को हर साल की भांति श्री शनि देव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। सभी भक्तों से अनुरोध है कि मंदिर में अपनी हाजिरी लगा कर प्रसाद ग्रहण करें।

जांच | **20 अगस्त को रोपवे से 5 मीटर दूरी पर हुआ था भूस्खलन**

भूस्खलन की जांच को आएंगे इंजीनियर इन चीफ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जिला मुख्यालय धर्मशाला में रोपवे के समीप हुए भूस्खलन की जांच के लिए लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर इन चीफ आएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने इंजीनियर इन चीफ से संपर्क किया है। 20 अगस्त को रोपवे के पोल नंबर पांच के पास हुए भूस्खलन के चलते जिला प्रशासन ने एहतियातन रोपवे सेवाओं को निलंबित कर दिया था। अब इस संबंध में आगामी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

बारिश के चलते भूस्खलन की जद में आने से धर्मशाला रोपवे को बंद कर दिया गया था। डीसी कांगड़ा द्वारा रोपवे सेवाओं को निलंबित करने संबंधी जारी आदेश में कहा है कि उपमंडलाधिकारी (नागरिक) धर्मशाला की रिपोर्ट के अनुसार, पिलर संख्या पांच के समीप भूस्खलन हुआ है, जिससे रोपवे संचालन यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। आपदा प्रबंधन के अंतर्गत यह एहतियाती कदम उठाया गया है।

रोपवे संबंधित इश्यू में इंजीनियर इन चीफ होते हैं नोडल एजेंसी

डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा ने कहा कि रोपवे के समीप 5 मीटर की दूरी भारी भूस्खलन हुआ था, जिसके चलते रोपवे की सेवाओं को अस्थायी रूप से स्थगित किया गया था। इसके उपरांत तकनीकी टीम को स्पॉट पर भेजा गया था, टीम का कहना था कि रोपवे का आपरेशन स्पेशलाइजड होते हैं, इसमें सुपिरियर लेवल के एक्सपर्ट की टीम इसकी जांच करे तो बेहतर होगा। जिसके चलते इंजीनियर इन चीफ लोक निर्माण विभाग से संपर्क किया है, क्योंकि रोपवे संबंधित जो भी इश्यू होते हैं, उसमें इंजीनियर इन चीफ लोक निर्माण विभाग नोडल एजेंसी हैं जो रोपवे की टेक्निकल प्राइम टास्क को देखती है। जिसके चलते इंजीनियर इन चीफ को सूचित कर दिया है, जिससे कि वे जल्द से जल्द धर्मशाला आकर स्थिति को देखें और इसकी जांच करें।

आज और कल ऑरेंज अलर्ट, पुलिस विभाग ने जारी की एडवाइजरी

कांगड़ा जिला में 30 और 31 अगस्त को मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के चलते पुलिस प्रशासन ने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस प्रशासन की ओर से जारी एडवाइजरी में इन दो दिनों के दौरान लोगों से एहतियात बरतने और बिना किसी वजह से घर से न निकलने की सलाह दी गई है। एएसपी कांगड़ा वीर बहादुर सिंह ने बताया कि मौसम विभाग शिमला द्वारा आगामी 30 और 31 अगस्त को कांगड़ा जिला में ऑरेंज अलर्ट के चलते कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त को राधा अष्टमी के मौके पर नड्डी स्तिथ डल लेक में होने वाले पवित्र स्नान के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही वह अपने घरों से बाहर निकलें तथा जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि किसी भी तरह की अनहोनी घटना से बचा जा सके। गौरतलब है कि धर्मशाला की डल लेक में मणिमहेश की तर्ज पर राधाष्टमी के मौके पर पवित्र स्नान का आयोजन होता है। डल लेक को मिनी मणिमहेश के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में इस दिन बड़ी संख्या में धर्मशाला और साथ लगते क्षेत्र सहित दूर-दूर से भी लोग पवित्र स्नान करने के लिए यहां पहुंचते हैं। इस बार सबसे अच्छी बात यह है कि डल लेक में जल भराव हो चुका है जो कि पिछले वर्षों में पानी के रिसाव के चलते झील में पानी की मात्रा काफी कम रहती थी जिससे लोगों में भी काफी निराशा थी। उधर प्रशासन ने इस पवित्र स्नान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं के स्नान के लिए भी प्रबंध किए गए हैं।

रावी की चपेट में आए सरोत्री के फोरमैन, लापता

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां उपमंडल की सरोत्री पंचायत के 58 वर्षीय फोरमैन विनोद कुमार, पिता स्व. राम सिंह 27 अगस्त को पठानकोट के समीप रावी नदी पर माधोपुर हेडवर्क्स के डैम के गेट को ठीक करते समय भारी बाढ़ से गेट टूटने के कारण पानी के तेज बहाव में बह गए हैं। उनका कोई अता-पता नहीं लग रहा है। वह तीन दिन से लापता हैं।

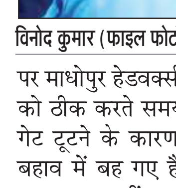

विनोद कुमार (फाइल फोटो)

विनोद के चचेरे भाई पंचायत के पूर्व प्रधान उमा कांत ने बताया कि पंजाब सरकार उनकी खोज के लिए भारी प्रयास कर रही है, लेकिन नदी में जल स्तर बढ़ने से अभी तक कामयाबी नहीं मिल सकी है। विनोद तीन साल पहले ही नौकरी पर लगा था। अब घर पर कमाई का कोई कारगर साधन नहीं होने से परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है।

न्यूज ब्रीफ

स्वस्थ और तंदरुस्त रहने की ली शपथ

महेंद्र कुमार, अनंत ज्ञान, सुन्नी। राजकीय महाविद्यालय धामी में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जगेश कपूर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिसर में विभिन्न खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें कबड्डी और खो-खो प्रमुख रहे। विद्यार्थियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ इन खेलों में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने फिट इंडिया अभियान के तहत स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने की शपथ ली। शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश चौहान ने छात्रों को राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और बताया कि यह दिवस हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और छात्रों को खेलों में सक्रिय भागीदारी करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने खेलों के महत्व को समझा और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित हुए।

कोटखाई में बच्चों को बताया खेल का महत्व

अनंत ज्ञान, कोटखाई। डीएवी महाविद्यालय कोटखाई में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि डॉ. रमेश चौहान पूर्व निदेशक शारीरिक शिक्षा व खेल विभाग हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यातिथि ने महाविद्यालय में नव निर्मित जिम का उद्घाटन भी किया। जिसमें 15 लाख से अत्याधुनिक मशीनों को स्थापित किया गया। इसमें लगभग 35 मशीनें लगाई गई हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रोशन लाल का बतौर विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में खेल के महत्व के बारे में बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल से मनुष्य का सर्वांगीण विकास होता है। राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द की पुण्यतिथि पर मनाया जाता है। उसके बाद खेल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के मनोरंजन के लिए रस्साकस्सी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में कालेज में शारीरिक शिक्षा के सहायक आचार्य डॉ. विकसित वर्मा ने सबका धन्यवाद किया।

सड़कों की खराब हालत पर घेरी सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा के पूर्व प्रत्याशी अजय श्याम ने शुक्रवार को ठियोग में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने इस वर्ष सेब के दामों में आई भारी गिरावट और सड़कों की खराब हालत को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। श्याम ने कहा कि कांग्रेस ने बागवानों को उनके सेब के दाम खुद तय करने की गारंटी दी थी, जो कि सिर्फ एक खोखला वादा साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि बागवानों को अपने सेब फेंकने पर मजबूर होना पड़ रहा है उन्होंने सड़कों की खराब स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। श्याम ने कहा कि केंद्र से पैसा मिलने के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्गों की हालत खराब है और सरकार कोई ठोस काम नहीं कर रही है। इसके अलावा, उन्होंने राज्य की ध्वस्त कानून व्यवस्था पर भी निशाना साधा। उन्होंने ठियोग के विधायक की भूमिका पर भी सवाल उठाए। श्याम ने कहा कि विधायक केवल सवाल पूछने तक सीमित हैं और सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है।

कल शिमला ग्रामीण प्रवास पर मंत्री विक्रमादित्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह 31 अगस्त को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। यह जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने दी। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण मंत्री 31 अगस्त को दोपहर 2:30 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घणाहट्टी में अंडर-14 बालक, बालिका टूर्नामेंट का उद्घाटन करेंगे। इसके उपरांत, वह सायं 4 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रामपुर क्योंथल में अंडर-14 बालक टूर्नामेंट का शुभारंभ करेंगे।

7 साल से बिना नियमित पटवारी के छत पटवार खाना

मदन गोपाल, अनंत ज्ञान, बरठीं। छत पटवार खाना पिछले सात साल से बिना नियमित पटवारी के चल रहा है। यहां केवल सप्ताह में एक-दो दिन ही डेपुटेशन पर पटवारी उपलब्ध करवाया जाता है, जिससे चार पंचायतों और करीब 25 राजस्व गांवों की जनता परेशान है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व सरकार से लेकर मौजूदा सरकार तक कई बार समस्या उठाई गई, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं। उन्होंने नियमित पटवारी नियुक्त करने की मांग की है। फिलहाल पटवारी गुरबख्श सिंह छत व सेऊ पटवार खाने का अतिरिक्त कार्य देख रहे हैं। एसडीएम घुमारवीं गौरव चौधरी ने बताया कि पद रिक्त है, इसलिए अस्थायी रूप से अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

मिनर्वा स्टडी सर्किल की टैलेंट सर्च की लौ शिमला तक

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। मिनर्वा स्टडी सर्किल द्वारा 21 सितंबर को पूरे हिमाचल में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं, 10+1 व 10+2 (साइंस) टैलेंट सर्च परीक्षा की लौ अब जिला शिमला के विभिन्न स्कूलों तक पहुंच गई है। मिनर्वा स्टडी सर्किल की एक टीम आजकल प्रदेश का भ्रमण कर स्कूली बच्चों को इस परीक्षा की स्टीक जानकारी दे रही है और साथ ही परीक्षा के आधार पर कुल 1.5 करोड़ की छात्रवृत्तियां व नकद इनामों के बारे में भी छात्रों व उनके अभिभावको को अवगत करवा रही है। इसी कड़ी में यह टीम इस सप्ताह जिला शिमला के भ्रमण पर थी और बाकि जिलों की भांति जिला शिमला में भी हिम क्वेस्ट टैलेंट सर्च परीक्षा का बच्चों में खास उत्साह है। मिनर्वा स्टडी सर्किल घुमारवीं व धर्मशाला के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस परीक्षा का पंजीकरण (10वीं, 10+1 व 10+2 (साइंस)) का कोई भी विद्यार्थी **www.himquest.com** पर जाकर एक सरल फार्म भरकर कर सकता है। हिम क्वेस्ट परीक्षा देकर कोई भी गरीब, दूरदराज या फिर किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं, जैसे **JEE**, **NEET**, **CUET**, **NDA** इत्यादि की तैयारी बिना कोई फीस दिए मिनर्वा स्टडी सर्किल की किसी भी शाखा से कर सकता है और साथ ही अन्य आकर्षक उपहार जैसे स्कूटी या एक लाख नकद, ऐप्पल मैक बुक, टफ गेमिंग लैपटॉप तथा अन्य भी जीत सकता है।

गणेशोत्सव पर आर्ट ऑफ लिविंग का सत्संग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर बिलासपुर स्थित आर्ट ऑफ लिविंग केंद्र में भव्य सत्संग का आयोजन किया गया। इस दौरान श्री श्री रविशंकर द्वारा रचित भजनों का गायन हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस और उल्लास से गूंज उठा। श्रद्धालु बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल हुए और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। कार्यक्रम के दौरान आर्ट ऑफ लिविंग की जिला कोऑर्डिनेटर रचना मेहता ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा लोगों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए विभिन्न प्रकार के कोर्स संचालित किए जाते हैं, जिनमें सबसे प्रमुख हैप्पीनेस प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य तनावमुक्त और सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। रचना मेहता ने अधिक से अधिक लोगों से संस्था से जुड़ने का आह्वान किया, ताकि समाज में शांति और सकारात्मकता का संदेश फैल सके। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भजनों और ध्यान साधना के माध्यम से आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया और गणेश उत्सव को यादगार बनाया।

प्रदेश में रफ्तार पकड़ने लगा सेब सीजन

मंडियों में रेट की स्थिति संतोषजनक नहीं, निर्यात में भी नहीं आ रहा खास उत्साह

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल के हर बागों में सेब की चकाचौंध भरी हलचल नजर आ रही है। बागों की हर हरियाली में लाल, पीले और सुनहरे रंग की रौनकें बिखरी हैं। बागवानों की मेहनत का फल अब बाजार में दिखाई दे रहा है। कोटखाई से लेकर रोहड़ू के बागों में रोज़ाना सेब तोड़े जा रहे हैं और उनके पैकेज तैयार होते ही विभिन्न मंडियों की ओर रवाना हो रहे हैं। इस साल रॉयल डिलीशियस और रेड गोल्डन किस्म के सेब का रेट पिछले साल की तुलना में थोड़ा कम चल रहा है।

जानकारी के अनुसार शिमला मंडी में रॉयल डिलीशियस के बड़े सेब की पेटी लगभग 850 से 1550 रुपये तक बिक रही है। सोलन की मंडी में रेड गोल्डन सेब की पेटी लगभग 650 से 1100 रुपये तक बिक रही है। सेब मंडियों में रेड गोल्डन की मांग तेज है, और कई मंडियों में 20 किलो की पेटी का भाव 700 से 1200 रुपये के आसपास तक चल रहा है।

पिंजौर और पंचकूला जैसी मंडियों में भी हिमाचली सेब की पकड़ मजबूत है, जहां पर रॉयल डिलीशियस 10 किलो की पेटी का भाव लगभग 800 से 1000 रुपए तक चल रहा है। दिल्ली की आज़ादपुर मंडी में हिमाचल से भेजी गई सेब की पेटियाँ थोड़े कम दामों पर बिक रही हैं। बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता तक हिमाचली सेब की पैकिंग जरूर पहुंचे रही है, मगर धाम यहां भी उत्साह जनक नहीं हैं। गुजरात और उत्तर प्रदेश में भी यह रफ्तार बनी हुई है। नेपाल में रेड गोल्डन किस्म का निर्यात तेजी से हो रहा है। जहां पर अभी रेट गोल्डन ठीक स्थिति में बिक रहा है।

बागवानों का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस साल उनकी आमदनी घटी है, फिर भी बाजार में सेब सीजन की रफ्तार धीमी बनी है।

सीजन की स्थिति पर रहेगी नजर

जुलाई से शुरू हुआ यह सीजन अक्टूबर या नवंबर के शुरुआती सप्ताह तक तक जारी रहेगा। इस दौरान और भी बड़ी खेपें मंडियों में पहुँचने वाली हैं। बागवान और व्यापारी दोनों ही इस समय को बेहद अहम मान रहे हैं। यदि आगे चलकर मौसम साथ देगा, तो इस साल सेब सीजन में प्रदेश के बागवानों की बिगड़ी स्थिति कुछ हद तक संभलने की उम्मीद है और व्यापारियों को भी पूरे देश और बाहर निर्यात में संतोषजनक रफ्तार देखने को नहीं मिल रही है। हालांकि, मौसम लगातार परीक्षा ले रहा है अब देखना यह होगा कि यह मौसम कब बागवानों का साथ देता है और कब उनका माल पूरी रफ्तार के साथ मंडी में पहुंचता है और उसके बाद मंडी की क्या स्थिति बनती है, इस पर बराबर निगाह बनी रहेगी।

रामपुर-ननखड़ी में एचपीएमसी के डिपुओं में सड़ रही सेब की बोरियां

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

एचपीएमसी के डिपुओं में सड़ रही सेब की बोरियां।

रामपुर बुशहर। रामपुर व ननखड़ी के तहत आने वाले एचपीएमसी के सेब खरीद केंद्र डिपुओं पर हजारों की तादाद में सेब की बोरियां कई दिनों से लावारिस पड़ी है, जो कि अब सड़ना शुरू हो गई है। मंडी मध्यस्थता योजना के तहत खरीदी गई बोरियों को गंतव्य तक भेजने में विभाग नाकाम दिखता है। अब लंबे समय से पड़ी सब की बोरियां सड़ना शुरू हो चुकी हैं, और इससे प्रदूषण फैल रहा है।

जब इस बारे अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने ट्रकों की कमी होने का रटा रटाया जवाब देकर पल्ला झाड़ लिया। क्षेत्रों के बागवानों ने सरकार से मांग की है कि डिपुओं में सड़ रही हजारों सेब की बोरियों को तुरंत गंतव्य तक भेजने की व्यवस्था की जाए।

इस बारे बुशहर किसान बागवान विकास संघ रामपुर-ननखड़ी के अध्यक्ष बृजलाल ने सरकार से मांग की है कि सभी डिपुओं से मंडी मध्यस्थता योजना के तहत खरीदे गए सेब की बोरियों को भेजने की तुरंत व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि रामपुर व ननखड़ी में एक लाख से ज्यादा सेब की बोरियां सड़ रही है, इससे प्रदूषण फैल रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की की इन बोरियों को जल्द गंतव्य तक भेजा जाए। इसके अलावा 15/20 व काशापाट की सड़कें खस्ताहाल है। लोगों का हजारों पेटी सेब फंसा है।

पेयजल योजनाओं के लिए विशेष ग्राम सभाएं 4 से 6 सितंबर तक

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर

उपमंडल रामपुर बुशहर के विकास खंड ननखरी एवं विकास खंड रामपुर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पेयजल आपूर्ति योजनाओं के लिए 15वें वित्त आयोग से प्राप्त संबद्ध अनुदान को जल शक्ति विभाग को हस्तांतरित करने तथा इन योजनाओं को ग्राम पंचायत विकास योजना में सम्मिलित करने के उद्देश्य से विशेष ग्राम सभा बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

इन बैठकों का आयोजन 4, 5 एवं 6 सितम्बर को किया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतों में जल शक्ति विभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर पारदर्शिता एवं जनभागीदारी के साथ आवश्यक निर्णय लिए जा सकें। उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) रामपुर हर्ष अमरेन्द्र सिंह ने जानकारी दी कि इन बैठकों में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है, जिससे पेयजल योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।

जल शक्ति विभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति की जाएगी सुनिश्चित

यहां होंगी ग्राम सभाएं

4 सितंबर को दत्तनगर, मुनिश, कोट, किन्नू, निरथ, शाहधार, ज्यूरी, देवकी, नरैण, बाहली, दोफदा, देव नगर, अड्डू, थैली-चखटी, खामाड़ी, जाहू, देलठ, बड़ेग में होगी। 5 सितंबर को लवाना-सदाना, झाकड़ी, भडावली, जगोटी गोपालपुर, दरकली, सराहन, डंसा, क्याओ, कुहल, रचोली, धार-गौरा, बगलती, गाहन, शौली, बडाच, ननखड़ी, खड़ाहन में बैठक होगी। 6 सितंबर को अंतिम ग्राम सभा तकलेच, काशापाट, लालसा, बधाल, सरपारा, सिंगला, फांचा, मशनू, टिप्पर-मझौली, करांगला, कुगल-बाल्टी, खुन्नी-पनोली, खोलीघाट मे आयोजित की जाएंगी।

बाढ़ और भूस्खलन की अफवाहों से रहें दूर : प्रतिभा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष और पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने राज्य में बाढ़, बादल फटने और भारी बारिश से हो रहे नुकसान के बीच लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि झूठी खबरें से लोगों में अनावश्यक डर पैदा होता है, इसलिए उन्हें केवल पुष्ट और सरकारी सूचनाओं पर ही विश्वास करना चाहिए ताकि वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

मंडी की भाजपा सांसद के सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रतिभा सिंह ने आरोप लगाया कि सांसद केवल सुर्खियां बटोरने के लिए कुछ भी बोल देती हैं। उन्होंने कहा कि सांसद को मंडी संसदीय क्षेत्र की कोई परवाह नहीं है और उनका अधिकारियों से भी कोई संवाद नहीं है। प्रतिभा सिंह ने सांसद पर केंद्र से मिली 2200 करोड़ की आपदा राहत राशि के बारे में झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि मंडी से कुल्लू-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। प्रतिभा सिंह ने राज्य के सभी भाजपा सांसदों से राजनीति से ऊपर उठकर काम करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर प्रदेश के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की मांग करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इस पैकेज से प्रदेश के पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाई जा सकेगी। उन्होंने सांसदों को प्रदेश के प्रति अपने दायित्व को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने की सलाह दी।

आपदा के समय जन अपेक्षा पर खरी नहीं उतरी कांग्रेस सरकार: डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि पिछले दिनों भारी बारिश ने प्रदेश को गहरी क्षति पहुंचाई है। मंडी, कुल्लू और सिरमौर में नुकसान हुआ ही, परंतु चंबा जिला पिछले एक हफ्ते से लगातार आपदा की चपेट में है। भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से हालात गंभीर बने हुए हैं। मणिमहेश यात्रा प्रभावित हुई है, हजारों यात्री लापता हैं, सड़क और फोन संपर्क टूट चुका है और परिजन अपने लोगों की खोज में परेशान हैं। बिंदल ने आरोप लगाया कि जब प्रदेश को सरकार की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब मुख्यमंत्री और उनकी टीम धरातल पर कहीं दिखाई नहीं दिए। उन्होंने कहा कि त्रासदी की इस घड़ी में जनता को अपने नेतृत्व से उम्मीद थी, लेकिन सरकार राहत कार्यों को लेकर सक्रिय नहीं दिख रही है।

बिंदल ने कहा कि चंबा जैसे आपदा प्रभावित ज़िले में सीएम को तुरंत पहुंचना चाहिए था, लेकिन उनके लिए बिहार का चुनावी अभियान ज्यादा महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कांग्रेस हाईकमान के आदेशों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जबकि हिमाचल की जनता आपदा से जूझ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से लेकर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम तय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दीपकमल चक्कर में जिला कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष केशव चौहान ने की। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा, पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज, प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा, कोषाध्यक्ष कमल सूद, प्रवक्ता संजय सूद, रवि मेहता, संजीव दृष्ट, किरण बावा, प्रेम ठाकुर, रूप शर्मा, रमा ठाकुर और सुदीप महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष केशव चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को भाजपा सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा। इसमें 17 सितंबर को रक्तदान शिविर और पीएम मोदी की जीवनी पर प्रदर्शनी, 25 सितंबर को दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर बूथ स्तर पर पुष्पांजलि और पौधरोपण, तथा 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन लोकल फॉर लोकल कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच स्वच्छता अभियान, सांसद खेलकूद कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर और मैराथन रन का आयोजन भी किया जाएगा।

लामबंदी : बिलासपुर में निजी बस ऑपरेटरों ने कार्यकारिणी के खिलाफ खोला मोर्चा

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

पत्रकार वार्ता करते अनिल मिंटू, साथ हैं अन्य।

बिलासपुर। जिला बिलासपुर के निजी बस ऑपरेटरों ने अपनी यूनियन की मौजूदा कार्यकारिणी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूर्व प्रधान अनिल मिंटू की अगुवाई में बड़ी संख्या में बस ऑपरेटरों ने मौजूदा नेतृत्व पर निष्क्रियता और हितों की अनदेखी का आरोप लगाया है। इसी कड़ी में ऑपरेटरों ने 4 सितंबर को आम सभा आयोजित कर नई कार्यकारिणी के चुनाव करवाने का ऐलान कर दिया है। पत्रकारों से बातचीत में पूर्व प्रधान अनिल मिंटू ने स्पष्ट कहा कि मौजूदा कार्यकारिणी बस ऑपरेटरों की समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूनियन के पदाधिकारी ऑपरेटरों के मुद्दों को उठाने में नाकाम साबित हुए हैं, जबकि आरटीओ कार्यालय के साथ भी चहेते लोगों को तवज्जो दी जा रही है। इससे अधिकांश बस मालिकों और ऑपरेटरों में गहरा रोष व्याप्त है।

अनिल मिंटू ने उदाहरण देते हुए कहा कि आरटीओ कार्यालय ने बस ऑपरेटरों की सुविधा के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है, लेकिन उसमें चुनिंदा लोगों को ही शामिल किया गया है। अधिकांश ऑपरेटर इससे वंचित रह गए हैं, जिससे उन्हें रोजमर्रा की जानकारी और जरूरी सूचनाएं समय पर नहीं मिल पातीं। यही नहीं, समयसारिणी के मामले भी अब तक लंबित पड़े हुए हैं, जिससे ऑपरेटर दिक्कत में हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा कार्यकारिणी की निष्क्रियता के कारण निजी बस ऑपरेटरों की आवाज दबकर रह गई है। इसीलिए सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि 4 सितंबर को आम सभा में चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाएगी और नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

नई कार्यकारिणी के 4 सितंबर को होंगे चुनाव : अनिल मिंटू

एकजुटता के लिए उठाया जा रहा कदम

अनिल मिंटू का कहना है कि नई कार्यकारिणी के गठन के बाद निजी बस ऑपरेटरों की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उनका दावा है कि ऑपरेटरों को एकजुट कर मजबूत नेतृत्व देने के लिए ही यह कदम उठाया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी भी ऑपरेटर को दरकिनार न किया जा सके और सबकी समस्याओं का हल समय पर हो सके।

बिलासपुर में बरसात का कहर 117 करोड़ रुपए का नुकसान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिले में हुई भारी बरसात ने तबाही मचाई है। डीसी राहुल कुमार ने जानकारी दी कि अब तक जिले को लगभग 117 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है, जिसकी राशि 85 करोड़ रुपए आंकी गई है। विभागवार नुकसान का ब्यौरा देते हुए उन्होंने बताया कि जलशक्ति विभाग को 24 करोड़, शिक्षा विभाग को 2.12 करोड़, नगर परिषदों एवं नगर पंचायतों को 2.68 करोड़, बिजली बोर्ड को 10 लाख और पशुपालन विभाग को लगभग 6 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। डीसी ने बताया कि बरसात के कारण लोक निर्माण विभाग की 5 सड़कें यातायात के लिए बंद हो गई हैं, जबकि जलशक्ति विभाग की 5 से अधिक पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। वहीं, बिजली बोर्ड को पोल गिरने जैसी समस्या से नुकसान झेलना पड़ा है। सभी विभागों को फील्ड में जाकर तुरंत बहाली कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बंद सड़कों और प्रभावित पेयजल आपूर्ति योजनाओं को शीघ्र बहाल करने के लिए विभागीय टीमें युद्धस्तर पर कार्यरत हैं।

बंद सड़कें, पेयजल योजनाएं जल्द होंगी बहाल : डीसी

अनावश्यक यात्रा से करें बचाव

डीसी राहुल कुमार ने जिलावासियों से अपील की कि भारी बरसात के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और नदी-नालों से दूर रहें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने लोगों से जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी आपात स्थिति में लोग जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दूरभाष नंबर पर तुरंत संपर्क कर सकते हैं।

हर दिन खतरे में डाहड स्कूल के 175 बच्चे, शिक्षा विभाग मौन

अनंत ज्ञान, झंडूता। उपमंडल झंडूता के डाहड गांव के सीनियर सेकेंडरी विद्यालय की बिल्डिंग पिछले तीन वर्ष से 'अनसेफ' घोषित होने के बावजूद अभी तक ज्यों की त्यों खड़ी है। इस खतरनाक ढांचे में आज भी रोजाना करीब 175 बच्चे और 25 स्टाफ सदस्य अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई और काम कर रहे हैं। बता दें कि वर्ष 2022 में भारी बारिश और जमीन के एक तरफ धंसने के कारण स्कूल भवन में गहरी और चौड़ी दरारें आ गई थीं। इतना ही नहीं, एक हिस्सा तो टूटकर गिर भी चुका था। उसी वर्ष भवन को 'अनसेफ' घोषित कर डिस्मेंटल करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन अफसोस, तीन साल बाद भी न तो भवन को गिराया गया और न ही नया निर्माण शुरू किया गया। 2023 में गांव की स्कूल प्रबंधन समिति ने एक वीडियो जारी कर प्रशासन से इस जर्जर बिल्डिंग को तुरंत गिराने और नया भवन बनवाने की पुरजोर मांग की थी। इसके बाद भी विभाग और सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इंसानियत प्रधान पवन चंदेल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे को उठाया है और चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता। गांववासियों और अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा विभाग और सरकार की यह लापरवाही बच्चों और स्टाफ की सुरक्षा के साथ एक क्रूर मज़ाक है। अगर समय रहते इस बिल्डिंग को गिराकर नया भवन नहीं बनाया गया, तो इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

झंडूता अस्पताल में टेस्ट करवाने पर नहीं दी जा रही रसीद

गोपाल कपिल, अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता उपमंडल के सामुदायिक अस्पताल झंडूता में मरीजों से टेस्ट के नाम पर पैसे वसूले जा रहे हैं, लेकिन रसीद जारी नहीं दी जा रही है। स्थानीय निवासियों ने इसकी शिकायत की है, जबकि खंड चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकारी अस्पतालों में अधिकांश टेस्ट मुफ्त हैं, लेकिन कुछ पेड टेस्ट के लिए रसीद अनिवार्य है। कृष्ण दयाल ने बताया कि वह आज इलाज के लिए झंडूता अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टर ने कुछ टेस्ट लिखे, जिन्हें करवाने के बाद अस्पताल प्रशासन ने उनसे 260 रुपए वसूले, लेकिन इसके बदले कोई रसीद नहीं दी गई, जो चिंताजनक है। इसी तरह, कमला देवी ने भी बताया कि डॉक्टर ने टेस्ट लिखे थे, जिन्हें उन्होंने करवाया। अस्पताल ने 260 रुपए लिए, लेकिन रसीद नहीं दी गई। वहीं, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. परमिंदर सिंह ने मामले पर सफाई देते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों में कृष्णा लैब के माध्यम से किए जाने वाले अधिकांश टेस्ट मुफ्त हैं। वहीं, कुछ विशेष टेस्टों का शुल्क लिया जाता है, जिसके रेट भी सरकार ने तय किए हैं। उन्होंने कहा कि पेड टेस्ट के लिए रसीद देना अनिवार्य है।

घुमारवीं के छात्र शैक्षिक भ्रमण के लिए हैदराबाद रवाना

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। प्रधानमंत्री श्री मेधावी छात्र योजना के तहत प्रधानमंत्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ब्वॉयज स्कूल घुमारवीं के मेधावी छात्र पांच दिवसीय हैदराबाद के शैक्षिक भ्रमण पर रवाना हुए। विद्यालय प्रबंधन समिति और अध्यापकों ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश के विभिन्न शैक्षणिक, तकनीकी और सांस्कृतिक स्थलों से अवगत कराना है, ताकि वे केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त कर सकें। विद्यार्थी इस दौरान हैदराबाद के प्रमुख विज्ञान केंद्र, ऐतिहासिक स्थलों, आईटी हब, चारमीनार, सालारजंग म्यूजियम और आधुनिक तकनीक से जुड़े विभिन्न संस्थानों का भ्रमण करेंगे। इससे विद्यार्थियों को भारत की प्रगति और तकनीकी विकास की नजदीक से जानकारी मिलेगी। विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाचार्य आशिमा कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मेधावी छात्र योजना से ग्रामीण और छोटे कस्बों के मेधावी विद्यार्थियों को बड़े शहरों के शैक्षिक वातावरण को देखने का अवसर मिलता है। इससे उनमें आत्मविश्वास और नई सोच विकसित होती है। यात्रा से पूर्व छात्रों को उनके अभिभावकों और अध्यापकों ने शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि यह भ्रमण उनके जीवन के लिए यादगार और ज्ञानवर्धक साबित होगा। इस यात्रा में स्कूल के शिक्षक कुमंत राज सुमन भी छात्राओं के साथ हवाई यात्रा में भाग ले रहे हैं।

जुखाला कॉलेज में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

अनंत ज्ञान, जुखाला। राजकीय महाविद्यालय जुखाला में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ आज बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। यह आयोजन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न खेलकूद गतिविधियों से हुई, जिनमें दौड़, टेबल टेनिस प्रतियोगिता, योगाभ्यास तथा शारीरिक फिटनेस परीक्षण शामिल रहे। इस अवसर पर प्रो. प्रेम (अंग्रेजी विभाग) ने विद्यार्थियों को खेलों और तंदुरुस्ती के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. ध्रुव पाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, ऐसे आयोजन युवाओं को टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे खेलकूद और व्यायाम को अपनी दिनचर्या का स्थायी हिस्सा बनाएं।

पहले अपने आकाओं की कार्यशैली देखें भाजपाई : सांख्यान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व को-ऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के बिहार दौरे पर जाने को लेकर भाजपा ने अनावश्यक शोर मचा दिया है, जबकि भाजपा नेताओं को पहले अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की कार्यशैली पर गौर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बिहार दौरे पर जाना भाजपाइयों के लिए बोलने का बहाना बन गया है।

भाजपा नेता प्राकृतिक आपदा को ढाल बनाकर बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि उन्हें पहले अपने आकाओं की कार्यशैली पर नजर डालनी चाहिए। देश में आपदा हो, युद्ध की स्थिति हो, किसान सड़कों पर बैठे हों या नॉर्थ-ईस्ट दंगों की आग में झुलस रहा हो, ऐसे समय में देश का मुखिया विदेश दौरे पर चला जाता है और उनके मंत्री जनता को कहते हैं कि पहले हमसे बात करो, ऐसे में भाजपा नेताओं के पास मुख्यमंत्री सुक्खू पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आयोजन शाहतलाई में 4 अक्तूबर से तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव

बिना मंच वाले कलाकारों को भी मिलेगा मौका : रघुवंशी

अनंत ज्ञान, शाहतलाई

उत्तरी भारत के सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ शाहतलाई में सनातन सेवा समिति शाहतलाई तीन दिवसीय उत्सव का आयोजन करने जा रही है। सनातन सेवा समिति के अध्यक्ष शशि रघुवंशी ने बताया की इस मेले का आयोजन 4, 5, 6 अक्तूबर को किया जाएगा, जिसमें तीनों दिन, दिन मे महिला मंडलों और स्कूली बच्चों के कार्यक्रम होंगे। वहीं, को तीन स्टार सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़े बड़े कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

हिमाचल प्रदेश में ऐसे बहुत से अच्छे-अच्छे कलाकार हैं, जिनको मंच नहीं मिला, उनको सभी कलाकारों को मंच प्रदान करने की पहल सनातन सेवा समिति शाहतलाई इस मेले के आयोजन में करेगी। रघुवंशी ने बताया कि जो भी कलाकार, स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी, महिला मंडल, गुग्गा गाथा मंडली, दाहजा मंडली, कॉमेडी, डांस तथा अन्य कुछ भी अपनी प्रस्तुति देना चाहते हैं, वे 15 सितंबर तक अपना आवेदन व्हाट्सएप नंबर 8262801003 के माध्यम या **sssshatalaiw®wy @gmail.com** मेल के माध्यम से कर सकते है ताकि कार्यक्रम की रूपरेखा को सही रूप दिया जा सके व मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आकर्षक बनाया जा सके।

तय तिथि के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नही किया जाएगा। सनातन सेवा समिति शाहतलाई कलाकरों को निखारने व उभारने के लिए एक ऐसा मंच है, जहां से एक पहचान मिलती है व अपनी संस्कृति को पहचानने का भी अवसर मिलता है। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों व महिला मंडलों से हिमाचली संस्कृति पर आधारित व थीम युक्त कार्यक्रम करने की अपील की है, ताकि मेले में संस्कृति व वेशभूषा व सभ्यता दिखने को मिल सके। जो भी व्यापारी इस मेले में अपनी दुकानें या झूले लगाना चाहते हैं, वे भी समय से अपना प्लॉट बुक करवा लें क्योंकि पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्लाट बुक होंगे।

इस मेले को सफल बनाने के लिए सब के सहयोग की बात की। इस मौके पर नीरज कतना, रोहित शर्मा, परमार ठाकुर, अंकु कुमार, अर्पित कौशल, सचिन सोनी, आंचल कुमार उपस्थित रहे।

सनातन सेवा समिति शाहतलाई के गणमान्य आयोजन को लेकर जानकारी देते हुए।

न्यूज ब्रीफ

मानखड्ड में दो खननकर्ताओं पर 18 हजार जुर्माना

अनंत ज्ञान, गलोड़। ग्रामीणों के विरोध के बाद पुलिस और खनन विभाग ने मानखड्ड क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई कर अवैध खनन पर शिकंजा कस दिया। डीएसपी नादौन प्रताप सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार सुबह की गई इस कार्रवाई में दो जगहों पर अवैध रेत के ढेर पकड़े गए। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खनन सामग्री डंप करने वाले दो व्यक्तियों पर चालान काटे गए। गलोड़ के सोमदत्त शर्मा को 10 हजार जबकि कश्मीर क्षेत्र के पर्व कुमार को 8 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। ग्रामीणों ने लंबे समय से अवैध खनन का विरोध किया था, क्योंकि इससे जलस्तर गिर रहा था और फसलें प्रभावित हो रही थीं। उन्होंने प्रशासन से नियमित निरीक्षण की मांग की। सेना से सेवानिवृत्त कप्तान बलबीर सिंह ने भी पुलिस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों को निरंतर चलाना होगा।

संविधान की प्रस्तावना देश की आत्मा: डोगरा

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की सरकाघाट इकाई ने एक लेक्चर का आयोजन किया, जिसमें सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसी डोगरा ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। विषय था 'भारत के संविधान की प्रस्तावना और उसमें निहित मूल्यों को कायम रखने में न्यायपालिका व अधिवक्ताओं की भूमिका'। डोगरा ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी तक के इतिहास का विस्तार से उल्लेख किया और महात्मा गांधी, नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे पर आधारित है, जो देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की बुनियाद है। कार्यक्रम में यूनियन के पदाधिकारी व बार सदस्य उपस्थित रहे।

कचरा संयंत्र साइट को किया जा रहा कवर

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। नगर परिषद सरकाघाट ने वार्ड नंबर-1 बगड़ नाला स्थित कूड़ा-कचरा संयंत्र साइट पर हाईकोर्ट के आदेश अनुसार कवरिंग का कार्य शुरू कर दिया है। साइट को चारों ओर से और ऊपर से ढकने की प्रक्रिया जारी है। इस दौरान वहां जमा सूखा और गीला कचरा अस्थायी रूप से बाहर शिफ्ट किया जाएगा। नगर परिषद ने आश्वासन दिया है कि बाहर रखा कचरा ढककर सुरक्षित रखा जाएगा ताकि किसी प्रकार की दुर्गंध या गंदगी न फैले। कार्य पूरा होते ही कचरे को दोबारा संयंत्र में व्यवस्थित कर दिया जाएगा। परिषद अध्यक्ष ने कहा कि यह कदम पूरी तरह जनहित में है और लोगों से सहयोग की अपील की।

कुमार विक्की के भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। गणेश महोत्सव की दूसरी भजन संध्या ने जोगिंद्रनगर को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणपति बप्पा की आरती से हुआ। मुख्य अतिथि सोहन लाल सहोता व भाजपा मंडल प्रवक्ता रविंद्र शर्मा ने गणपति दरबार में शीश नवाया। समिति प्रधान सचिन सूद ने मुख्य अतिथि को गणपति की फोटो फ्रेम भेंट की। प्रेस सचिव अमित सूद ने बताया कि बदुआ फेम कुमार विक्की ने लोकप्रिय गीतों व भजनों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं गणपति बप्पा की सजी झांकी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही।

नाट्य, गीत से दिखाई संस्कृत की महिमा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, हमीरपुर में शुक्रवार को संस्कृत सुधा सभा हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुई। कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने श्लोकोच्चारण, भाषण, नाटक, गीत और संवाद प्रस्तुत कर संस्कृत भाषा की महत्ता को उजागर किया। 'एक पेड़ धरती के नाम' नाट्य प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। मंच संचालन भी पूर्ण रूप से संस्कृत में किया गया। प्रधानाचार्य नैना लखनपाल ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान की आत्मा है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए शिक्षकों व छात्रों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

जोल में बच्चों ने दिखाई खेल प्रतिभा

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज की राजकीय क्लस्टर पाठशाला जोल में सोमवार को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्याध्यापक संजीव कुमार ने की। उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जीवन व योगदान पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षक दिनेश कुमार ने खेल प्रतियोगिताओं का संचालन किया। विजेताओं को प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय स्टाफ और प्रबंधन ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

शहीद मेजर सुधीर का शहादत दिवस मनाया

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा में शुक्रवार को अशोक चक्र विजेता व पहले बैच (रोल नंबर 27) के गौरव शहीद मेजर सुधीर वालिया का शहादत दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन रचना जोशी और प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल राजेंद्र सिंह ने वीर स्मारक पर पुष्प अर्पित किए। विशेष सभा में छात्रों ने उनके साहस और बलिदान पर भाषण प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य ने कहा कि मेजर सुधीर वालिया केवल सैनिकों ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। गौरतलब है कि 29 अगस्त 1999 को कुपवाड़ा जिले के हफरूदा जंगलों में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए उन्होंने मातृभूमि पर प्राण न्यौछावर किए थे। उनके पराक्रम के लिए उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया।

नशा विरुद्ध दौड़ में छात्रों ने दिखाया उत्साह

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. प्रमोद पटियाल ने किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने रस्साकस्सी व 100 मीटर दौड़ में भाग लिया, जबकि अन्य विद्यार्थियों ने रन फॉर फन और नशा विरुद्ध दौड़ में हिस्सा लेकर समाज को जागरूक संदेश दिया। मौके पर शारीरिक शिक्षा विभाग व एनएसएस अधिकारी मौजूद रहे।

मणिमहेश यात्रा में फंसे श्रद्धालुओं को लाने के लिए कांगड़ा से जाएंगी 25 बसें

उपायुक्त कांगड़ा ने चंबा प्रशासन को हर संभव सहयोग का दिया भरोसा

अनंत ज्ञान, धर्मशाला

पड़ोसी जिला चंबा में आई त्रासदी और वहां मणिमहेश यात्रा के दौरान फंसे श्रद्धालुओं को लाने के लिए कांगड़ा से 25 बसें भेजी जा रही हैं। जिससे चंबा व भरमौर सहित विभिन्न क्षेत्रों में फंसे लोगों को सकुशल वापस घर पहुंचाया जा सके। पड़ोसी होने के नाते डीसी कांगड़ा ने चंबा जिला प्रशासन को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा भी चंबा में किसी भी तरह के सहयोग के लिए उनसे संपर्क किया जा रहा है। वहां फंसे लोगों की सूची भी कांगड़ा पुलिस द्वारा जारी कर लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है।

फंसे श्रद्धालुओं की सूची जारी कर परिजनों को पहुंचाई जा रही राहत

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के बाद अब एक दूसरे का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण हो गया है। कांगड़ा और चंबा की बात करें तो दोनों ही जिले एक दूसरे के पूरक माने जाते हैं। कांगड़ा में चंबा जिला के हजारों लोग घर बनाकर रहते हैं और रोजाना को यहां आना जाना भी रूटीन बात है। ऐसे में भयानक त्रासदी से जूझ रहे चंबा जिला की मदद के लिए कांगड़ा जिला प्रशासन व यहां के स्थानीय लोग आगे आ रहे हैं। जिससे प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों को राहत पहुंचाई जा सके।

उधर, डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा का कहना है कि परिवहन निगम को 25 बसें चंबा भेजने को कहा गया है जिससे चंबा में फंसे लोगों को घर वापिस लाया जा सके। उनका कहना है कि प्रदेश सरकार व प्रशासन प्रभावितों की हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार है।

रोहड़ू में देह व्यापार का भंडाफोड़, पुलिस ने दबोचा संचालक

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। रोहड़ू पुलिस ने शुक्रवार को देह व्यापार का गोरखधंधा करने वाले को पकड़ने में सफलता हासिल की। थाना प्रभारी रोहड़ू अमित शर्मा की अगुवाई में पुलिस टीम ने ट्रक ऑपरेटर यूनियन रोहड़ू के कार्यालय भवन की तीसरी मंजिल पर बने न्यू सुख सदन नामक गेस्ट हाउस में दबिश दी। इस दौरान पुलिस को यहां देह व्यापार होता मिला। पुलिस ने मौके से बलवंत कोटिया (61) निवासी गांव पगास, डाकघर खंगटेड़ी, तहसील रोहड़ू को मौके से गिरफ्तार किया है। इसके अलावा मौके से गिरफ्तार लड़की (पीड़िता) पंजाब की निवासी है और उसे पुलिस ने रेस्क्यू कर लिया है।

नगर परिषद सुजानपुर के डोली गांव के लोगों की दो टूक

नाली पक्की न होने पर करेंगे धरना-प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

नगर परिषद की सुस्त कार्यप्रणाली को लेकर लोगों में काफी रोष।

नगर परिषद सुजानपुर में डोली गांव के लोगों ने नाली के निर्माण कार्य को लेकर नगर परिषद के सुस्त रवैये पर गहरा रोष जताया है । लोगों ने अल्टीमेट दिया है कि दो सप्ताह के भीतर खुदाई की गई नाली को पक्का न किया तो लोग नगर परिषद कार्यालय में धरना प्रदर्शन करेंगे। जिसको लेकर के नगर परिषद की सुस्त कार्य प्रणाली जिम्मेदार होगी।

नगर परिषद सुजानपुर के वार्ड नंबर तीन व चार के लोगों में शामिल तिलक राज, रवि चौधरी, सुरेश कुमार, नानकचंद राकेश, अमित मेहरा, विकी आदि ने नगर परिषद सुजानपुर कार्यालय में पहुंचकर भारी रोष जताते हुए कहा कि नगर परिषद सुजानपुर द्वारा वार्ड नंबर तीन व वार्ड नंबर चार का मुख्य दोनों वार्डो के लिए संपर्क रास्ता है ।मुख्य रास्ते के किनारे लगभग तीन माह पहले नगर परिषद सुजानपुर द्वारा नाली की खुदाई जेबीसी द्वारा की गई जिसको लेकर के नाली को गहरा पक्का बनाया जाना था, लेकिन हैरत है कि तीन माह बीत जाने पर भी नाली का कार्य खुदाई के बाद बंद कर दिया गया। खुदाई से लोगों के घरों के लिए जाती सीवरेज टैंक भी लीक हो गए। वहीं पानी इकट्ठा होने से घरों के लिए खतरा बन गया तथा भारी बारिश का गंदा पानी नाली में भर जाने से गंदे पानी से मक्खी मच्छर से बीमारी फैलने का भय सताने लगा है। जिसको लेकर नगर परिषद सुजानपुर में कई बार नाली को पक्का बनाकर के वाटर लेवल निकालने का आग्रह किया गया। लेकिन नगर परिषद सुजानपुर द्वारा बार-बार चक्कर काटने के बाद भी समस्या को अनदेखा किया जाता रहा। इसी अनदेखी को लेकर गुस्साए वार्ड वासी नगर परिषद कार्यालय में पहुंचे तथा अल्टीमेट देकर दो टूक शब्दों में कहा कि दो सप्ताह के भीतर इस समस्या से निजात न दिलाई तो वार्ड के भारी संख्या में लोग नगर परिषद कार्यालय में धरना-प्रदर्शन करेंगे।

नगर परिषद सुजानपुर जेई ने बताया कि नाली को शीघ्र पक्का किया जाएगा। लोगों की समस्याओं को शीघ्र दूर किया जाएगा। वहीं ठेकेदार को कार्य शुरू करने के निर्देश दे दिए हैं।

नगर निकाय चुनावों को न टाले सरकार: आशीष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। हिमाचल विधानसभा में प्रदेश नगरपालिका संशोधन विधेयक पेश किया गया है, जिसमें नगर निकायों के चुनाव दो साल के लिए टालने का प्रस्ताव है। हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा ने इस विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने और निकाय चुनावों में हार के डर से चुनाव टाल रही है। उन्होंने मांग की है कि नगर निकायों के चुनाव जल्द से जल्द करवाए जाएं ताकि आम जनता को समस्याओं का सामना न करना पड़े। आशीष ने नगर निकाय चुनाव जल्द करवाने की मांग की है। आशीष ने सरकार पर आरोप लगाया है कि वह अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए चुनाव टाल रही है। सरकार को सब हरा हरा दिख रहा है। जबकि धरातल की स्थिति निकाय चुनावों में साफ हो जाएगी। विधायक आशीष शर्मा की मांग है कि नगर निकायों को जल्द से जल्द प्रतिनिधि मिलने चाहिए ताकि आम जनता को नगर निकायों में अपने कार्य करवाने के लिए समस्याओं का सामना न करना पड़े।

बड़ा में बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

वीरेंद्र गोस्वामी, अनंत ज्ञान, बड़ा। उपमंडल नादौन के दुर्गा सिंह स्मारक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बड़ा में नशा निवारण समिति के सौजन्य से नशा मुक्ति अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल अंजना कौंडल ने की, जबकि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बड़ा के प्रभारी डॉ. दिनेश भाटिया ने बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों व बचाव के उपाय बताए। उन्होंने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बच्चों ने कस्बा में जागरूकता रैली निकाली और लोगों को नशे की लत से बचने का संदेश दिया। साथ ही स्लोगन लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ, जिसमें विजेता छात्रों को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल ने कहा कि नशा एक धीमा ज़हर है जो इंसान के शरीर को खोखला कर देता है।

राष्ट्रीय वॉलीबाल मीट में चंडीगढ़ संभाग अव्वल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय राजकोट, गुजरात में 20 से 22 अगस्त तक आयोजित नवोदय विद्यालय समिति की 33वीं राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में चंडीगढ़ संभाग ने ऐतिहासिक सफलता अर्जित करते हुए ओवरऑल विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में आठ संभागों से 576 खिलाड़ियों ने भाग लिया। चंडीगढ़ संभाग की अंडर-19, अंडर-17 और अंडर-14 बालक टीमों ने लखनऊ व जयपुर संभाग को हराया, वहीं अंडर-14 बालिका टीम ने भोपाल को पराजित किया। तीन खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित हुए। समापन अवसर पर डीएम ओम प्रकाश ने चंडीगढ़ संभाग को ट्रॉफी प्रदान की। यह पहला अवसर है जब चंडीगढ़ संभाग ने संपूर्ण प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता बनकर इतिहास रचा। डूंगरी नवोदय में लौटने पर प्राचार्य विक्रम कुमार और विद्यालय परिवार ने विजेता खिलाड़ियों व एस्कॉर्ट्स का गर्मजोशी से स्वागत कर सम्मानित किया।

हॉकी प्रतियोगिता में सुंदरनगर बना विजेता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में पड्डल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में लड़कों के वर्ग में सुंदरनगर होस्टल ने आईआईटी मंडी को 4-0 से हराकर खिताब जीता। लड़कियों के वर्ग में एमएलएसएम सुंदरनगर ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मंडी को 2-0 से पराजित किया। प्रतियोगिता में 8 टीमों के 120 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने विजेताओं को ट्रॉफी और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया तथा खेलों को अनुशासन, टीमवर्क और नशामुक्त जीवन का प्रतीक बताया।

राहुल गांधी-तेजस्वी यादव पर भाजपा का हमला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। भाजपा ने बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'मतदाता अधिकार यात्रा' को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, महामंत्री अजय रिंटू और मीडिया प्रभारी विक्रमजीत सिंह बन्याल ने संयुक्त बयान में आरोप लगाया कि मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जो राजनीति में अभूतपूर्व नीचता है। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह अपमान, घृणा और अश्लीलता की सारी सीमाएं लांघने जैसा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की भी आलोचना की कि वे ऐसे नेताओं के साथ मंच साझा कर रहे हैं जिन्होंने सनातन धर्म और उसकी परंपराओं को अपमानित किया है। भाजपा ने इसे देवभूमि की आस्था के साथ विश्वासघात बताया।

भगवती स्कूल जलाड़ी में मनाया खेल दिवस

शशि सोनल, अनंत ज्ञान, नादौन। भगवती पब्लिक स्कूल जलाड़ी में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रिंसीपल आरती कटोच ने बच्चों को खेल भावना से खेलने और खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण का आधार हैं। कार्यक्रम में सातवीं कक्षा के अरुण और आठवीं की ईशान्वी दत्त ने भाषण देकर राष्ट्रीय खेल दिवस का महत्व बताया। खेल अध्यापिका अंजू ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद ने 1926 से 1948 के बीच 1000 से अधिक गोल किए और भारत को तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाए। इस मौके पर पांचवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

द्रंग विस क्षेत्र में आपदा से भारी नुकसान, केंद्र से राहत की मांग

कविता, अनंत ज्ञान

पधर। हालिया बरसात से आई आपदा ने द्रंग विधानसभा क्षेत्र को भी गहरी चोट दी है। उतरशाल, चौहार घाटी, बदार और स्नोर में तबाही से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। औट पंचायत में 17 मकान पूरी तरह से जमींदोज हुए, 24 को आंशिक क्षति पहुंची जबकि लगभग 40 पशुओं की मौत हो गई। कई गौशालाएं और दुकानें बह गईं तथा उपजाऊ भूमि का कटाव हुआ। चौहार घाटी के स्वाड़ व कोरतंग में बाढ़ से फसलें बर्बाद हुईं, वहीं मान सिंह पगलाणी व हुशियार सिंह के फिशरी फार्म भी बह गए। एक परिवार के सैकड़ों मुर्गे भी बाढ़ की भेंट चढ़ गए। एचपीएमसी डायरेक्टर जोगिंद्र गुलेरिया ने पधर में पत्रकार वार्ता कर बताया कि प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक राहत पैकेज घोषित किया है। इसमें पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकान पर 7 लाख, आंशिक क्षति पर 1 लाख, दुकान पर 1 लाख, गौशाला पर 50 हजार और मृत भैंस/गाय पर 50 हजार का मुआवजा मिलेगा। बाढ़ से मकानों में घुसी गाद हटाने पर 50 हजार और विस्थापित परिवारों को प्रतिमाह 5000 रुपये किराया सहायता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 की आपदा में भी 12 हजार करोड़ का नुकसान आंका गया था, लेकिन केंद्र से पर्याप्त मदद नहीं मिली। हिमाचल को आपदा राहत में उचित सहयोग मिलना चाहिए। आपदा के दौरान पीडब्ल्यूडी, आईपीएच और विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने कठिन परिस्थितियों में सड़क, पानी और बिजली बहाल कर सराहनीय कार्य किया। हालांकि फोरलेन निर्माण कार्य में अव्यवस्था और गड्ढों से लोग परेशान हैं, जिसका स्थायी समाधान जरूरी है।

उन्होंने सीएम सुक्खू के निर्णयों की सराहना की। दूध के दाम बढ़ने से किसानों की आय दोगुनी हुई है। साथ ही कड़छम बांध विद्युत परियोजना पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रदेश को 18% रॉयल्टी मिलेगी, जिससे सरकार को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बिलासपुर जिले के डीसी राहुल कुमार संबोधित करते हुए।

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। जिला बिलासपुर में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बिलासपुर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में युवा सेवाएं एवं खेल विभाग द्वारा, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और खेलो इंडिया के सहयोग से हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बिलासपुर के डीसी राहुल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके जीवन के प्रेरणादायक प्रसंग साझा किए।

अपने संबोधन में उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस हर वर्ष 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया जाता है। भारत सरकार ने इसी दिन से खेलो इंडिया अभियान की शुरुआत की थी। इस वर्ष का विषय 'एक घंटा, खेल के मैदान में' रखा गया है, जो सभी को प्रतिदिन खेल गतिविधियों को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। खेल शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ बनाए रखते हैं।

मेजर ध्यानचंद ने भारतीय हॉकी को दिलाई वैश्विक पहचान : उपायुक्त ने कहा कि मेजर ध्यानचंद को दुनिया का सबसे महान फील्ड हॉकी खिलाड़ी माना जाता है। उनके नेतृत्व में भारत ने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में लगातार स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने भारत के राष्ट्रीय खेल हॉकी को वैश्विक पहचान दिलाई। इस अवसर पर उपायुक्त ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। दिनभर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हॉकी, कबड्डी, जूडो, हैंडबॉल, बॉक्सिंग और एथलेटिक्स जैसी प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें साई इंडिया, खेलो इंडिया और स्टेट स्पोर्ट्स हॉस्टल के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। खिलाड़ियों के उत्साह और जोश ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

खेल सुविधाओं के विस्तार पर जोर : डीसी राहुल कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन और खेल विभाग मिलकर बेहतर खेल ढांचा और प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ताकि यहां के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा सकें।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद : कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी उत्तम, कोच मनोज ठाकुर, प्रदीप कालिया, नरेश गोपाल, भावना चौहान, आर्य भट्ट, योधराज, पुलकित शर्मा, सुशील पुंडीर, रविंद्र भट्टा, सुरेंद्र पाल, नईम मोहम्मद, हंसराज, अर्जुन, मोहित, रोशनी, सरपाल, मीनू, दिनेश, प्रवीण, महावीर, यमुना दत्त, पूजा और अनीता सहित जिला खेल कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, खिलाड़ी और अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

चेतना संस्था विजयपुर ने मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। शुक्रवार को चेतना संस्था व स्पोर्ट्स सेंटर बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्पेशल ओलंपिक भारत हिमाचल प्रदेश के उपाध्यक्ष कश्मीर सिंह बतौर मुख्यातिथि और निदेशक अरुण कुमार गौतम बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर खेल प्रतिज्ञा ली गई और उसके बाद स्ट्रेचिंग व बैलेंसिग एक्सरसाइज व वार्मअप का आयोजन हुआ। इसके बाद मनोरंजनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें चेतना संस्था विशेष शिक्षण केंद्र विजयपुर और बिलासपुर के दिव्यांग बच्चों ने सक्रिय प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बास्केटबाल में मेजर ध्यानचंद ट्रॉफी का आयोजन किया गया है। इसमें सक्रिय प्रतिभागी करते हुए कैप्टन विक्रम बत्रा टीम ने प्रथम और लेफ्टिनेंट संजय कुमार टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जिनको मुख्यातिथि द्वारा मेजर ध्यानचंद ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स सेंटर बिलासपुर के मुख्य प्रशिक्षक अनूप कुमार शर्मा और स्पेशल ओलंपिक हिमाचल प्रदेश के प्रबंधक अजय शर्मा सहित चेतना संस्था विशेष शिक्षण केंद्र से प्रधानाचार्य पूजा कुमारी, शैलेंद्रा अवस्थी, मीना कुमारी, विपाषा कुमारी आदि मौजूद रहे।

सूडोकू नवताल- 7537

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7536 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

अनंत ज्ञान आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

शनिवार, 30 अगस्त 2025

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत :**1947 (विश्वासवसु), **मास :** भाद्रपद, **तिथि** सप्तमी (05: 58)**: नक्षत्र** चित्रा (08:44), **पक्षः** शुक्ल, **योग :** सिद्ध (12:00)**, शुभ मुहूर्त :** अभीजित (कोई नहीं)। **राहुकाल** (11:59-01:35)।

विशेष दिन

- 30 अगस्त संतान-मुक्ताभरण सप्तमी आज।
- 30 अगस्त दुबड़ी-दुबलीसातम आज।

मेषः सुख-आनंद कारक समय है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृषः शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम।

मिथुनः नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा।

कर्कः प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे।

सिंहः प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

कन्याः आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

तुलाः स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा।

वृश्चिकः आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

धनुः धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

मकरः अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

कुंभः आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मीनः समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

आयोजन | बिलासपुर कॉलेज में प्रसिद्ध रंगकर्मी अभिषेक डोगरा की रही विशेष उपस्थिति

कला और प्रतिभा को मिला विशेष मंच

नाटक, स्किट, माइम और मिमिक्री में निहित प्रतिभाओं की खोज की गई।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में शुक्रवार को एक विशेष आयोजन के अंतर्गत थिएटर की विभिन्न विधाओं नाटक, स्किट, माइम और मिमिक्री में निहित प्रतिभाओं को खोजने के लिए यूथ फेस्टिवल ग्रुप-4 की समिति द्वारा छात्रों के ऑडिशन आयोजित किए गए। इस अवसर पर 100 से अधिक छात्रों ने उत्साह और समर्पण के साथ भाग लेते हुए अपनी कला का प्रदर्शन किया।

समिति की संयोजक डॉ. नम्रता पठानिया ने बताया कि चयनित छात्रों को महाविद्यालय प्रशासन की ओर से भविष्य में रंगमंच संबंधी कार्यशालाओं में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा, साथ ही उन्हें महाविद्यालय तथा अंतर-महाविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में सम्मिलित किया जाएगा, ताकि उनकी प्रतिभा को और अधिक निखारने एवं मंच प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

इस आयोजन की शोभा बढ़ाने हेतु प्रसिद्ध रंगकर्मी अभिषेक डोगरा की विशेष उपस्थिति रही, जिसने कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रो. हितेश, प्रो. सोनिका, प्रो. विकास और प्रो. पदम भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिनकी सहभागिता ने कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ बनाया।

अनंत Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, कमला उम्र 55 वर्ष पत्नी श्री नानक चंद, निवासी गांव पाली डाकघर चुनाहण, तहसील बल्ह जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम कमला से बदलकर सरला देवी रख लिया है। सभी संबंधित कृपया ध्यान दें।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र.

मुकदमा दरुस्ती जाति | **पेशी 04.10.2025**

गुरु चरण दास पुत्र चिन्त राम पुत्र अच्छर सिंह निवासी शाहपुर तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र.।

बनाम

आम जनता

विषयः- महाल उपरला भन्यार मौजा भन्यार में जाति दरुस्ती करने वारे प्रार्थना पत्र।

उपरोक्त मुकद्दमा वारे प्रार्थी ने इस न्यायालय में प्रार्थना पत्र गुजारा है जिसमें लिखा है कि उसके पूर्वजों के मुताबिक शजरा नशव महाल उपरला भन्यार मौजा भन्यार तहसील शाहपुर की मिसल हकीकत बन्दोवस्त में उसकी सही जाति व गोत कमश चमार व नामालूम दर्ज अभिलेख है, पर महाल व मौजा शाहपुर तहसील शाहपुर के राजस्व अभिलेख में उसकी जाति व गोत कमश कुम्हार व गौण का इन्द्राज हो गया है जो कि गलत है। प्राथी उक्त जाति व गोत को दरुस्त करके जाति व गोत कमश चमार व गुगे दर्ज करवाना चाहता है।

अत: उक्त प्रार्थना पत्र के संदर्भ में उपरोक्त जाति व गोत की दरुस्ती वारे आम जनता में किसी को कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 04.10.2025 को दोपहर बाद 2 बजे हाजिर आ सकता है। हाजिर न आने की स्थिती में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे और बाद में कोई भी उजर व एतराज जेरे समायत न होगा।

आज दिनांक को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र.

जीवन एक मुश्किल खेल है। आप इंसान होने के अपने जन्मजात अधिकार को बरकरार रखते हुए ही इसे जीत सकते हैं। **-एपीजे अब्दुल कलाम**

संपादकीय

एफआरए पर बहस

हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन हर साल कहर बरपाता है, लेकिन हाल के वर्षों में इसका असर और भी गहरा होता गया है। 2023 और 2025 जैसी आपदाओं ने यह साफ कर दिया है कि पहाड़ों की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति और बदलता मौसम यहां के लोगों के जीवन को और अधिक कठिन बना रहा है। इस बार भी भूस्खलन, बादल फटना और नदियों का उफान हजारों लोगों के घर छीन ले गया। कई परिवारों के पास अब जमीन का एक टुकड़ा भी नहीं बचा, जहां वे नए सिरे से जीवन शुरू कर सकें। इसी पृष्ठभूमि में हिमाचल प्रदेश में एफआरए यानी वन अधिकार अधिनियम, 2006 की बहस फिर से जोर पकड़ चुकी है। यह कानून अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वनवासियों को उनकी जमीन और संसाधनों पर कानूनी अधिकार देने के लिए लाया गया था। लंबे समय तक इन समुदायों को वनों में रहते हुए भी कानूनी मान्यता नहीं मिली और बेदखली का खतरा हमेशा उन पर मंडराता रहा। इस कानून के जरिए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने और उनकी आजीविका तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश की गई। अब जब प्राकृतिक आपदा से हजारों लोग भूमिहीन हो गए हैं, तो यह मांग उठ रही है कि एफआरए के प्रावधानों का विस्तार कर इन्हें भी वन भूमि में बसने का अधिकार मिलना चाहिए, ताकि वे नदी-नालों या भूस्खलन वाले क्षेत्रों में घर बनाने के बजाए सुरक्षित स्थानों पर नया जीवन शुरू कर सकें, मगर इस मांग के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा अधिकार क्षेत्र की है। वन भूमि से जुड़े सभी मामले सीधे तौर पर केंद्र सरकार के अधीन आते हैं और राज्य सरकारें चाहकर भी किसी बेघर या भूमिहीन व्यक्ति को वन भूमि पर बसाने की अनुमति नहीं दे सकतीं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आपदा प्रभावितों को आश्वासन तो दिया कि यदि केंद्र इजाजत देता है तो घर बनाने के लिए राज्य सरकार आर्थिक मदद उपलब्ध कराएगी, लेकिन अंतिम निर्णय दिल्ली से ही आएगा।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के नेता केंद्र से एक ही गुहार लगा रहे हैं कि जिन परिवारों के पास अब जमीन नहीं बची, उन्हें वन भूमि में बसने दिया जाए, ताकि वे नदी किनारे या असुरक्षित ढलानों पर घर बनाने को मजबूर न हों। यह स्थिति दुर्लभ है जब सत्ता और विपक्ष दोनों समान मांग को लेकर एकजुट दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, मामला इतना आसान भी नहीं है। वन भूमि पर मानव बसावट की अनुमति देने से गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। हिमाचल जैसे छोटे राज्य में पहले से ही वनों का क्षेत्र सीमित है। यदि हर आपदा प्रभावित परिवार को वन भूमि पर बसाया जाने लगे तो यह वनों की कटाई को बढ़ावा देगा। इसके अलावा, हिमाचल का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद नाजुक है। यहां पाई जाने वाली वन्य प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट आ सकता है और मानव-वन्यजीव संघर्ष तेज हो सकता है। वनों का संरक्षण जलवायु संतुलन बनाए रखने, जल स्रोतों को सुरक्षित रखने और मिट्टी की मजबूती के लिए अनिवार्य है। यदि वनों पर अतिक्रमण बढ़ा तो आने वाले वर्षों में आपदा का खतरा और बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि आपदा प्रभावितों का पुनर्वास तो अत्यावश्यक है, लेकिन इसका हल केवल वन भूमि में बसाने में नहीं खोजा जाना चाहिए। समाधान के लिए बीच का रास्ता निकालना होगा। राज्य सरकार के पास कई विभागों की ऐसी जमीन है, जो उपयोग में नहीं है और जिन पर कॉलोनियां विकसित की जा सकती हैं। केंद्र चाहे तो एफआरए के प्रावधानों में संशोधन कर आपदा जैसी परिस्थितियों में अस्थायी या स्थायी पुनर्वास का प्रावधान जोड़ सकता है। यदि कहीं वन भूमि पर पुनर्वास की अत्यधिक आवश्यकता हो तो उसके बदले उतनी ही भूमि किसी अन्य स्थान पर वनीकरण के लिए आरक्षित की जा सकती है। सुरक्षित स्थानों पर छोटे-छोटे मकानों की कॉलोनियां बनाकर लोगों को बसाया जाए, ताकि वे नदी-नालों और भूस्खलन प्रवण इलाकों से दूर रह सकें।

इस पूरे मामले का सामाजिक पहलू सबसे दर्दनाक है। बेघर हुए परिवार स्कूलों, पंचायत घरों या रिश्तेदारों के घरों में अस्थायी रूप से रह रहे हैं। जिनके पास थोड़ी बहुत जमीन बची है, वे टीन-टप्पर के घर बनाकर गुजर-बसर कर रहे हैं। भूमिहीन परिवारों के पास कोई विकल्प नहीं है और यही पीड़ा एफआरए की बहस को हवा दे रही है। विपक्ष सरकार पर आपदा प्रबंधन और पुनर्वास की ठोस नीति न होने का आरोप लगा रहा है तो सत्तापक्ष संसाधनों की कमी और केंद्र की भूमिका का हवाला देकर अपना बचाव कर रहा है। हिमाचल में आपदा प्रभावितों का पुनर्वास आज की सबसे बड़ी चुनौती है। एफआरए 2006 ने अनुसूचित जनजातियों और पारंपरिक वनवासियों को अधिकार देकर एक नई दिशा दिखाई थी। अब सवाल यह है कि क्या उसी कानून का विस्तार आपदा प्रभावित भूमिहीन परिवारों तक किया जा सकता है। केंद्र सरकार को निश्चित रूप से इस पर गहन अध्ययन करना होगा और एक संतुलित रास्ता खोजना होगा। बीच का रास्ता यही होगा कि वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा से समझौता किए बिना प्रभावित लोगों को सुरक्षित आवास मिल सके। यह तभी संभव होगा, जब केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर वैकल्पिक भूमि की पहचान, कॉलोनियों का विकास और क्षतिपूरक वनीकरण जैसी योजनाओं पर काम करें। ■

हिमकेयर पर घिरती सरकार : राहत से धोखे तक

हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और गरीब परिवारों को इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से हिमकेयर योजना की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी। तत्कालीन भारतीय जनता पार्टी सरकार ने इसे प्रदेश में आयुष्मान भारत की तर्ज पर लागू किया और लगभग 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करवाने का प्रावधान किया। उद्देश्य यह था कि जिन लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं मिल रहा, उन्हें भी एक समान अवसर मिल सकें और कोई भी परिवार आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित न रहे।

सिकंदर बंसल
शिक्षाविद, रामपुर बुशैहर

शुरू में इस योजना को जनता का भारी समर्थन मिला और हजारों मरीजों ने शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी), टांडा मेडिकल कॉलेज, मंडी के नेरचौक मेडिकल कॉलेज और सोलन, ऊना जैसे जिला अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त की, लेकिन समय बीतने के साथ इस योजना में कई तरह की शिकायतें सामने आने लगीं। मरीजों ने बताया कि कार्ड होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन इलाज से बचने लगे हैं। कई जगह दवाइयों और ऑपरेशन के पैसे अलग से मांगे गए। वर्ष 2021 और 2022 में लगातार रिपोर्ट्स सामने आईं कि निजी अस्पतालों ने योजना के तहत इलाज करने से साफ इनकार कर दिया, क्योंकि सरकार उनके पैसे का समय पर भुगतान नहीं कर पा रही थी। हजारों दावे लंबित रहे और अस्पतालों ने मरीजों से कहा कि जब तक भुगतान का समाधान नहीं होगा, इलाज करना संभव नहीं है। योजना को लेकर पहली बार गंभीर सवाल 2022 के मानसून सत्र में उठे थे जब विपक्ष ने सरकार से पूछा कि आखिर क्यों गरीब मरीजों को योजना के बावजूद जेब से पैसे देने पड़ रहे हैं। हालांकि उस समय बीजेपी सरकार ने भरोसा दिलाया था कि भुगतान जल्द होगा, लेकिन व्यवहारिक धरातल पर समस्या जस की तस बनी रही।

2022 के अंत में जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी और सुखविंद्र सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बने, तब विपक्ष ने उम्मीद जताई थी कि नई सरकार इस योजना को और मजबूत बनाएगी। मगर हालात इसके उलट हो गए। कांग्रेस सरकार ने वित्तीय संकट का हवाला देते हुए 2023 में हिमकेयर के कई प्रावधानों पर रोक लगा दी और धीरे-धीरे यह योजना लगभग बंद हो गई।

इस कदम ने हजारों गरीब परिवारों को सीधे प्रभावित किया। जिन लोगों ने अपने कार्ड बनवाए और उम्मीद की थी कि 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा, वे अचानक बिना किसी सहारे के रह गए। शिमला के आईजीएमसी का उदाहरण लें तो यहां 2024 में लगभग 18 हजार मरीजों ने हिमकेयर कार्ड दिखाया, लेकिन केवल आधे को ही आंशिक लाभ मिल पाया। बाकी को या तो लंबा इंतजार करना पड़ा या जेब से पैसे चुकाने पड़े। मंडी और सोलन से भी यही रिपोर्ट्स आईं कि कार्डधारकों को असुविधा झेलनी पड़ी। कई मरीजों ने मीडिया से शिकायत की कि उन्हें योजना का लाभ लेने की बजाए दवाइयों और टेस्ट का पैसा खुद देना पड़ा। भ्रष्टाचार की कहानियां भी सामने आईं। कुछ जगह फर्जी मरीजों के नाम पर कार्ड बनाकर निजी अस्पतालों ने लाखों रुपए के बिल सरकार को भेजे। जांच में सामने आया कि कई दावे बिना इलाज के ही दाखिल किए गए।

इस फर्जीवाड़े से सरकारी खजाने पर बोझ तो बढ़ा ही, जनता का भरोसा भी टूटने लगा। आज की स्थिति यह है कि हिमकेयर योजना अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। कांग्रेस सरकार का कहना है कि वह स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर नई नीति लाएगी और पुरानी कमियों को दूर करेगी, लेकिन विपक्ष का आरोप है कि गरीबों की मदद करने वाली एक अहम योजना को बंद करना जनता के साथ विश्वासघात है। मानसून सत्र 2025 में यह मुद्दा सबसे ज्यादा गूंजा। विपक्ष ने सरकार से सवाल किया कि क्यों भाजपा के समय शुरू हुई और लाखों लोगों को राहत देने वाली योजना को बंद कर दिया गया। बहस तेज हुई और विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट कर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। उनका कहना था कि वित्तीय संकट का बहाना बनाकर सरकार गरीबों को उनके हक से वंचित कर रही है, जबकि दूसरी ओर अन्य मदों पर फिजूलखर्ची जारी है।

प्रदेश की जनता भी आज इस बहस को बारीकी से देख रही है। गांव-गांव में लोग पूछ रहे हैं कि आखिर गरीब परिवार इलाज के लिए कहां जाएंगे। जिन घरों में कोई गंभीर मरीज है, वे सबसे ज्यादा परेशान हैं। आईजीएमसी शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है, लेकिन कार्डधारकों को सुविधा नहीं मिल रही। वर्तमान स्थिति में हिमकेयर योजना का भविष्य धुंधला नजर आ रहा है। प्रदेश सरकार अगर इसे सुधारकर फिर से लागू नहीं करती तो न केवल स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ेगा, बल्कि आम जनता का सरकार पर भरोसा भी डगमगा जाएगा। विपक्ष का कहना है कि बीजेपी सरकार ने इसे शुरू कर गरीबों को राहत दी थी, जबकि कांग्रेस सरकार ने इसे बंद कर उनके साथ धोखा किया। इस पूरे विवाद ने हिमाचल की राजनीति को भी गरमा दिया है। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों इसे अपने-अपने तरीके से पेश कर रहे हैं, मगर असली नुकसान उस आम नागरिक का हो रहा है जो किसी अस्पताल के बिस्तर पर इलाज के लिए तरस रहा है।

आंकड़े बताते हैं कि 2019 से 2022 तक लगभग 6 लाख मरीजों ने हिमकेयर के तहत लाभ उठाया था, लेकिन 2023 के बाद यह संख्या तेजी से घटकर आधी से भी कम रह गई। इसका सीधा मतलब है कि लाखों लोग अब या तो निजी अस्पतालों में भारी खर्च कर रहे हैं या इलाज अधूरा छोड़ रहे हैं। हिमाचल जैसे पर्वतीय और सीमित संसाधनों वाले राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं वैसे ही चुनौतीपूर्ण हैं, ऐसे में हिमकेयर जैसी योजना का महत्व और भी बढ़ जाता है। अगर इसे सही ढंग से लागू किया जाता तो प्रदेश के लाखों गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिल सकती थी, लेकिन राजनीतिक खींचतान और वित्तीय प्रबंधन की कमजोरियों ने इस योजना को संकट में डाल दिया। अब देखना होगा कि आने वाले समय में सरकार इस पर क्या निर्णय लेती है। क्या हिमकेयर को नई शक्ल दी जाएगी या इसे पूरी तरह इतिहास का हिस्सा बना दिया जाएगा? विपक्ष के तेवर और जनता की उम्मीदें बताती हैं कि यह मुद्दा आगामी चुनावों में भी गूंजता रहेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

आज भी छात्र पढ़ते हैं रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल

अर्नेस्ट रदरफोर्ड का जन्म 30 अगस्त, 1871 को नेल्सन, न्यूजीलैंड में हुआ था। वे सात बेटों और पांच बेटियों वाले परिवार में चौथे बच्चे और दूसरे बेटे थे। न्यूजीलैंड में जन्मे वह ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी थे, जिन्हें माइकल फैराडे (1791-1867) के बाद सबसे महान प्रयोगवादी माना जाता है।

संजय गोस्वामी
अणुशक्तिनगर, मुंबई-94

रदरफोर्ड रेडियोधर्मिता के अध्ययन में एक केंद्रीय व्यक्ति थे और उन्होंने परमाणु की अपनी अवधारणा के साथ परमाणु भौतिकी के अंवेषण का नेतृत्व किया।

उन्होंने 1908 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीता, रॉयल सोसायटी (1925-1930) और ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस (1923) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, 1925 में ऑर्डर ऑफ मेरिट प्राप्त किया और 1931 में नेल्सन के लॉर्ड रदरफोर्ड के रूप में पीयरेज में पदोन्नत हुए।

रदरफोर्ड के पिता जेम्स रदरफोर्ड, 19वीं शताब्दी के मध्य में एक बच्चे के रूप में स्कॉटलैंड से न्यूजीलैंड आकर बस गए थे और हाल ही में यूरोपीय लोगों द्वारा उपनिवेशित एक कृषि प्रधान समाज में किसान बन गए थे। रदरफोर्ड की मां, मार्था थॉम्पसन, भी युवावस्था में इंग्लैंड से आकर बस गईं और शादी करने और एक दर्जन बच्चों की परवरिश करने से पहले एक स्कूल शिक्षिका के रूप में काम किया, जिनमें से अर्नेस्ट चौथे बेटे थे। अर्नेस्ट रदरफोर्ड ने 1886 तक निशुल्क पब्लिक स्कूलों में पढ़ाई की, जब उन्हें नेल्सन कॉलेजिएट स्कूल, एक निजी माध्यमिक विद्यालय में छात्रवृत्ति मिली। उन्होंने लगभग सभी विषयों में विशेष रूप से गणित और विज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एक अन्य छात्रवृत्ति के कारण रदरफोर्ड को 1890 में क्राइस्टचर्च स्थित कैंटरबरी कॉलेज में दाखिला मिला, जो न्यूजीलैंड विश्वविद्यालय के चार परिसरों में से एक था।

यह एक छोटा स्कूल था, जिसमें आठ शिक्षक और 300 से भी कम छात्र थे। रदरफोर्ड भाग्यशाली थे कि उन्हें उत्कृष्ट शिक्षक मिले, जिन्होंने उनमें वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति आकर्षण पैदा किया, साथ ही ठोस प्रमाण प्राप्त करने की आवश्यकता भी पैदा की।

अर्नेस्ट रदरफोर्ड की जयंती पर विशेष

स्कूल में तीन साल पूरे करने के बाद, रदरफोर्ड ने कला स्नातक (बीए) की उपाधि प्राप्त की और कैंटरबरी में एक वर्ष के स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।

उन्होंने 1893 के अंत में अपनी पढ़ाई पूरी की और भौतिकी, गणित और गणितीय भौतिकी में प्रथम श्रेणी सम्मान के साथ कला में स्नातकोत्तर (एमए) की उपाधि प्राप्त की। उन्हें स्वतंत्र शोध करने के लिए एक और वर्ष क्राइस्टचर्च में रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रदरफोर्ड ने उच्च-आवृत्ति वाले विद्युतीय डिस्चार्ज, जैसे संधारित्र, की लोहे को चुंबकित करने की क्षमता पर अध्ययन किया। इस दौरान उन्हें मैरी न्यूटन से प्रेम हो गया, जो उस महिला की बेटी थीं, जिसके घर में वह ठहरे थे। उन्होंने 1900 में विवाह किया। 1895 में, रदरफोर्ड को 1851 में लंदन में आयोजित प्रसिद्ध महान प्रदर्शनी की आय से वित्त पोषित छात्रवृत्ति प्रदान की गई। थोड़े समय की बीमारी के बाद कैंब्रिज में 1937 में उनका निधन हो गया और उन्हें वेस्टमिंस्टर एब्बे में दफनाया गया, लेकिन आज भी छात्र और वैज्ञानिक के द्वारा भौतिकी और रसायन विज्ञान में रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल पढ़ा जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

विकास योजनाओं के लिए पहाड़ों को काटना एक जटिल विषय है, जिसमें संतुलन की आवश्यकता होती है। जब सड़कें, सुरंगें या अन्य सार्वजनिक सुविधाएं जरूरी होती हैं, तब सीमित स्तर पर पहाड़ों को काटना आवश्यक हो सकता है, लेकिन यह तभी सही माना जाएगा, जब पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन किया जाए और नुकसान को न्यूनतम रखने के उपाय अपनाए जाएं। अंधाधुंध पहाड़ काटना पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्य जीवन और स्थानीय समुदायों के लिए खतरनाक हो सकता है। इससे भूस्खलन, बाढ़ और पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश होता है। सतत विकास की दिशा में सोचते हुए योजनाओं को इस तरह बनाया जाना चाहिए कि विकास भी हो और प्रकृति भी सुरक्षित रहे। विकल्पों की खोज और पुनर्वनीकरण जैसे कदम इसके लिए आवश्यक हैं। विकास व संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। **-मीनाक्षी शर्मा, नगरोटा बगवां**

देवभूमि में युवा पीढ़ी के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा 'नशा'

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन के लिए देशभर में प्रसिद्ध है, लेकिन इस शांत पहाड़ी राज्य में नशे का जाल लगातार गहराता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में नशे की लत ने सैकड़ों युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। यह समस्या अब केवल एक अपराध या स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं रही, बल्कि यह हमारे समाज, परिवार और भविष्य पर गहरी चोट कर रही है। कभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए पहचाने जाने वाले इस राज्य में अब पुलिस की गिरफ्त में रोजाना चिट्टा, चरस और अन्य नशीले पदार्थों के साथ लोग पकड़े जा रहे हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर यह सब क्यों और कैसे हो रहा है? यह समस्या न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी गंभीर चुनौतियां खड़ी कर रही है।

केशव शर्मा
घुमारवीं, बिलासपुर

क्या कहते हैं ताजा आंकड़े : सरकार की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार फरवरी 2022 से फरवरी 2025 के बीच प्रदेश में 4,780 FI, दर्ज की गई हैं, जबकि लगभग 38 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई और 38 लोगों ने नशे की वजह से अपनी जान गंवाई। इसी अवधि में 2,515 व्यक्ति एनडीपीएस एक्ट के तहत हिमाचल में गिरफ्तार किए गए हैं। 2022 में सिर्फ शिमला जिले में 210 गिरफ्तारियां, 2023 में 479, 2024 में 507 और 2025 में केवल फरवरी तक 66 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। प्राप्त आंकड़ों से साफ जाहिर होता है कि प्रदेश में नशा तस्करी व नशाखोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। नशा तस्करी के केसों की संख्या की बात करें तो जनवरी 2023 से जून 2025 तक पूरे राज्य में 5,004 NDPS मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें 919 किलोग्राम चरस, 89.6 किलोग्राम अफीम, 32.9 किलोग्राम हेरोइन, 1,632 किलोग्राम पोपी हस्क जब्त किए गए और 70 लाख से अधिक गांजा के पौधे नष्ट किए गए हैं। नशाखोरी के खिलाफ करवाए गए हालिया स्कूल सर्वे में पाया गया कि हिमाचल में लगभग 27% युवा नशे में लिप्त हैं और उनमें से 35% सीधे तौर पर सिंथेटिक ड्रग 'चिट्टा' आदि का इस्तेमाल कर रहे हैं ।

बढ़ती तस्करी और नशे की उपलब्धता : हिमाचल की भौगोलिक स्थिति इस समस्या को और जटिल बनाती है। पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर से सटी सीमाओं के कारण नशे का कारोबार राज्य में आसानी से फैल रहा है। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, चरस, अफीम, स्मैक (चिट्टा), सिंथेटिक ड्रग्स और शराब का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। कुल्लू, चंबा और मनाली जैसे क्षेत्रों में लंबे समय से भांग की खेती होती रही है, जिससे चरस उत्पादन और तस्करी को बढ़ावा मिलता है।

क्यों बढ़ रही है नशे की समस्या : विशेषज्ञों का मानना है कि रोजगार की कमी, आधुनिक जीवनशैली का दबाव और दोस्तों के प्रभाव में आकर युवा नशे की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसके अलावा, सस्ते और आसानी से उपलब्ध नशे के पदार्थों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। नशे का असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। मानसिक रोग, अवसाद और आत्महत्या के मामलों में वृद्धि हो रही है। परिवारों में कलह, अपराध दर में बढ़ोतरी और युवाओं का भविष्य अंधकारमय होना, इस समस्या की बड़ी चुनौतियां हैं।

सरकारी और सामाजिक प्रयास : हिमाचल प्रदेश सरकार ने नशे की रोकथाम के लिए कई कदम उठाए हैं। एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। नशा मुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा, पुलिस और प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। स्कूल और कॉलेज स्तर पर नशा विरोधी अभियान चलाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि परिवारों को भी बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखनी होगी।

बहराल, ताजा उपलब्ध आंकड़े हमें सचेत करते हैं कि यह सिर्फ एक सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से हमें दी जाने वाली सचेतना की पुकार है। इतने बढ़ते मामलों के बीच, महज कानून या गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं हैं। हमें परिवार, शिक्षण संस्थान, स्थानीय समुदाय और पंचायतों को पूरी तैयारी के साथ सामने आना होगा। हिमाचल प्रदेश में नशे की बढ़ती समस्या एक गंभीर सामाजिक संकट का संकेत है। यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो यह पूरे समाज के लिए घातक साबित हो सकता है। सरकार, समाज और युवाओं को मिलकर इस लड़ाई में हिस्सा लेना होगा। हम सभी को यह समझना होगा कि नशा मौत का रास्ता है, जिसे रोकना हमारी जिम्मेदारी है। कानून से ज्यादा हमें सचेत रहने की बहुत जरूरत है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बाल श्रमिकों के उत्थान के लिए ठोस कदम उठाए केंद्र सरकार

भारत सरकार ने 10 अक्तूबर, 2006 को देश में आजादी के उपरांत बाल श्रम कानून लागू कर एक ऐतिहासिक व सामायिक निर्णय लेकर कारगर कदम उठाया था, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा और सराहना हुई थी। इस कानून के लागू होने से कोई भी व्यक्ति अपने घर, दुकानों, ढाबों, रेस्टोरेंट, कारखानों आदि में 14 वर्ष से कम के आयु के बच्चों को काम पर नहीं रख सकता है।

तुलसी राम डोगरा
पालमपुर

यदि कोई ऐसा करता हुआ पाया गया तो उसे बाल श्रम कानून के अनुसार जुर्माना और एक वर्ष तक की कैद की सजा भुगतनी पड़ सकती है। बाल श्रम कानून लागू तो हो गया, लेकिन इस कानून का न तो कड़ाई के साथ पालन हो रहा है और न ही इस पर जो अंकुश लगना चाहिए था, उससे यह बाल श्रम कानून आज भी कोसों दूर है। अगर यह कहा जाए कि इसकी सरेआम धज्जियां उड़ती अक्सर देखी जा सकती हैं, तो शायद कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वैसे देखने में यह कानून प्रगतिशील और मानवीय है, क्योंकि बाल श्रमिकों को जिन परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता था, वह अमानवीय है।

अक्सर देखा जाता है कि होटलों, ढाबों, घरों आदि में बाल श्रमिकों से अधिक घंटे काम लिया जाता है, वहीं उन्हें प्रताड़ना का दंश भी झेलना पड़ता है। यही नहीं, उन्हें रोजमर्रा काम के दौरान जहां जलील होना पड़ता है, वहीं मानसिक रूप से यातनाएं भी झेलनी भी पड़ती हैं। दूसरी ओर, जो मासिक मेहनताना उन्हें मिलना चाहिए, उससे भी यह महरूम रहते हैं। इसका सीधा-साधा सारांश यह निकलता है कि इसके अतिरिक्त उनके पास और कोई विकल्प है भी नहीं है। जब देश को आजादी प्राप्त हुई थी,

सबसे पहली सोच यह थी कि हमें किस पर भरोसा करना चाहिए।

सबकी एकमत राय थी कि कानून ज्यादा बेहतर होगा। समय गुजरता गया और आज हमें स्वतंत्रता प्राप्ति के लगभग 79 वर्ष हो गए हैं और इस दौरान कानून दर कानून बनते गए, वहीं इन कानूनों की सरेआम धज्जियां भी उड़ती देखी गईं। अंग्रेजों ने जहां दो सौ साल राज किया और 500 एक्ट बनाए, वहीं हमारे सत्ता में बैठे कर्णधारों ने लगभग 79 साल के राज में हजारों एक्ट बना डाले, लेकिन ऐसे कानूनों का क्या औचित्य, जिनकी सरेआम धज्जियां उड़ रहीं हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान सरकार ने कई अनचाहे कानूनों को जहां निरस्त किया, वहीं कठोर से कठोर सजा का प्रावधान भी किया, जो सराहनीय ही नहीं, अपितु प्रशंसनीय भी है। आज तो कानून ऐसा लगता है कि 'जहां मिली चाय, वहीं बनी राय'। आज कानून के रखवालों के घर में बेहिसाब संपत्ति व बेशुमार नोट पकड़े जा रहे हैं। ऐसे लोगों से न्याय-इंसाफ की आस लगाना बेईमानी होगी। 10 अक्तूबर 2006 को बाल श्रम कानून हमारे देश के इतिहास के पन्नों में दर्ज तो हो गया, लेकिन इसका अक्षरशः पालन नहीं हो रहा है। बाल श्रम कानून लागू हुआ और 14 साल के कम उम्र के बच्चों से कोई भी व्यापारिक संस्था किसी भी तरह के काम के लिए नहीं रख सकती है।

गत लगभग नौ साल पूर्व श्रम प्रतिबंध कानून लागू हुआ और ऐसा लगा कि इससे करोड़ों बाल मजदूरों को राहत मिल जाएगी, जिसकी सर्वत्र सराहना भी हुई थी, क्योंकि देखने में यह कानून प्रगतिशील और मानवीय है। बाल श्रमिकों को जिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, वह पूर्ण रूप से अमानवीय है।

इसे केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिए अधिसूचना जारी करते हुए सभी राज्यों को इसे सख्ती से लागू करने के निर्देश भी दिए। एक अनुमान के अनुसार ढाबों, घरों, होटलों आदि में बाल श्रमिकों से अधिक घंटे काम लिया जाता है, लेकिन, सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आखिर बाल श्रमिक के रूप में कार्य करने वाले ये करोड़ों बच्चे हैं कौन, जिन्हें यह काम करना पड़ रहा है? वास्तव में ये वे बच्चे हैं, जिनके मां-बाप नहीं हैं, अथवा हैं तो उनके पास रोजी-रोटी कमाने का कोई साधन नहीं है, सिर पर छत नहीं है, पहनने को कपड़ा नहीं है। वहीं, कई परिवार बड़ा होने के फलस्वरूप निर्धनता उनके आड़े आती है, ऐसे विकराल परिस्थितियों में ऐसे बच्चे अपनी भूख को मिटाने के लिए मजदूरी करेंगे अथवा गलत राह पकड़ेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार को ठोस नीति बनानी होगी। इसके लिए देशहित को सर्वोपरि रखकर दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प ही हमारा ध्येय-लक्ष्य होना चाहिए। इसके माध्यम से जहां बाल श्रमिकों को तकनीकी शिक्षा सीखने के अवसर मिलेंगे, वहीं इसके अतिरिक्त उन्हें पारितोषिक भी मिलेगा। इससे बाल श्रमिकों का मनोबल बढ़ेगा, वहीं भारत आत्मनिर्भरता की अग्रणी पंक्ति में खड़ा नजर आएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारतीय राजनीतिज्ञ और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष

सरदार हुकम सिंह भारतीय राजनीतिज्ञ तथा 1962 से 1967 के बीच लोकसभा के तीसरे अध्यक्ष थे। वह राजस्थान के राज्यपाल भी रहे थे। हुकम सिंह को अकाली दल के सदस्य के रूप में अप्रैल, 1948 में भारत की संविधान सभा के लिए चुना गया था। वह अंतरिम संसद के सदस्य भी रहे। राजनीति के साथ-साथ हुकम सिंह अन्य अनेक क्षेत्रों में भी अग्रणी थे। हुकम सिंह ने 'शिरोमणि अकाली दल' के माध्यम से राजनीति में पदार्पण किया और वह तीन वर्षों तक इसके अध्यक्ष रहे। उन्हें दिसंबर, 1947 में राज्य उच्च न्यायालय कपूरथला का कनिष्ठ न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वह इस पद पर नवंबर 1948 तक आसीन रहे। हुकम सिंह राजनीति के साथ-साथ अन्य अनेक क्षेत्रों में भी अग्रणी थे। अपने कॉलेज के दिनों में वह एक जाने-माने खिलाड़ी थे तथा वर्ष 1914-16 के दौरान वह पंजाब विश्वविद्यालय की हॉकी टीम के सदस्य रहे। शिक्षा में भी उनकी गहन रुचि थी। वह एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन थे। वर्ष 1967 में उन्हें पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा एलएलडी की मानद उपाधि प्रदान की गई। ■

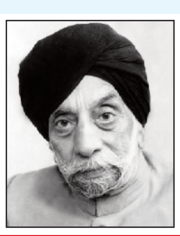

सरदार हुकम सिंह
जन्म : 30 अगस्त,1895
मृत्यु : 27 मई, 1983

कविता

डर लगता है बारिश से

राजेंद्र पालमपुरी, वरिष्ठ साहित्यकार

प्रभु मेघ न अब बरसाना, डर लगता है बारिश से।
अब बाढ़ न बनकर आना, डर लगता है बारिश से।

हमने तुमसे छेड़छाड़ की, फिर भी तेरे बच्चे हैं।
अपनी हर गलती को माना, डर लगता है बारिश से।

बहुत हो गया अब तो बस कर, चहूं ओर है पानी-पानी।
त्राहि-त्राहि करे जमाना, डर लगता है बारिश से।

मलबे में तब्दील हो गए, लोगों के घर और मकान।
मालिक क्या तूने है ठाना, डर लगता है बारिश से।

क्या मंदिर क्या लोगों के घर, सब पर तेरा कहर हुआ।
तू बतला कोई और ठिकाना, डर लगता है बारिश से।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

अब प्रतिदिन मिलेगा हेल्थ बुलेटिन : गोपाल

अनंत ज्ञान, करसोग। स्वास्थ्य विभाग करसोग में शीघ्र ही एक नई पहल करने जा रहा है। बीएमओ करसोग डॉ. गोपाल चौहान ने बताया कि करसोग उपमंडल के लोगों की सुविधा के लिए प्रतिदिन आधार पर हेल्थ बुलेटिन जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस हेल्थ बुलेटिन को 1 सितंबर से शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बुलेटिन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रतिदिन आधार पर की जाने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों और अगले दिन होने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की जानकारी लोगों से साझा की जाएगी, ताकि आमजन को पता चल सके कि उपमंडल में हेल्थ के क्षेत्र में क्या हुआ और अगले दिन क्या होगा। जैसे कि लोगों की सुविधा के लिए क्षेत्र में आयोजित किए जाने विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य कैंप और स्वास्थ्य संबंधी अन्य गतिविधियां शामिल रहेगी। उन्होंने बताया कि बुलेटिन को प्रतिदिन 5 बजे जारी किया जाएगा।

भजन संध्या में मोनिका सुमन ने बांधा समां

अनंत ज्ञान, महादेव। प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश के जन्मोत्सव को लेकर नाचन विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। विशेषकर गांव धनोट् में हर वर्ष की भांति इस बार भी 10वां गणेश उत्सव श्री गणेश उत्सव एवं समाज कल्याण समिति की अगुवाई में धूमधाम से मनाया जा रहा है। यह आयोजन गणपति की प्रतिमा विसर्जन तक चलता रहेगा। शहीद राजेश कुमार चौहान स्मारक से सटे मैदान में स्थापित गणेश प्रतिमा के समक्ष श्रद्धालु नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही संगीतमयी भजन संध्या का आनंद भी ले रहे हैं। रात्रि समय आयोजित भजन संध्या में मुख्य गायिका मोनिका सुमन ने गणपति आरती के उपरांत अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

भाषण प्रतियोगिता में भवानी ने मारी बाजी

अनंत ज्ञान, महादेव। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पौड़ाकोठी में राष्ट्रीय खेल दिवस छठी कक्षा से लेकर दस जमा दो के छात्र-छात्राओं ने बड़ी तन्मयता एवं धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर खेल स्पर्धाओं के चलते अंशुल गुलेरिया के नेतृत्व में जहां योगा तथा खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं वहीं राजेश भारती की अगुवाई में सुंदर सांस्कृतिक स्पर्धाएं आयोजित की गईं। स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र-छात्राओं को कार्यकारी प्रधानाचार्य विद्यासागर द्वारा पुरस्कृत किया गया। भाषण प्रतियोगिता में भवानी, द्वितीय विनीता व तृतीय स्थान पर महक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अन्य स्पर्धाओं में अव्वल रहने वाले छात्र-छात्राओं को इक्को क्लब की तरह से नवाजा गयाइसी बीच अतुल चौहान, मांगलु राम, संजय शास्त्री, कमललोचन, उषा, ज्योति, वंदना, मुरारी, दिवान, रूप लाल आदि ने भी अपनी उपस्थिति खासतौर पर दर्ज करवाई।

स्थानीय व्यंजन व बच्चों की प्रतिभा बनी आकर्षण

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। राजीव गांधी स्मारक राजकीय महाविद्यालय जोगिंद्रनगर में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत वार्षिक मेले का आयोजन बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। मेले का शुभारंभ उपमंडलाधिकारी मनीष चौधरी ने किया। इस अवसर पर कॉलेज विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न स्वयं सहायता समूहों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। एसडीएम ने मेले में लगाए गए 30 से अधिक स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रतिभागियों को सराहते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल स्थानीय संस्कृति और व्यंजनों को प्रोत्साहन देते हैं, बल्कि छात्रों और समूहों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. शिखा वैद ने भी स्टॉलों का निरीक्षण किया और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। मेले में स्थानीय व्यंजन, कला कृतियां और उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्हें आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक सराहा और खरीदा।

भाजपा की दोहरी राजनीति उजागर : दीपक

अनंत ज्ञान, मंडी। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दीपक शर्मा ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के मात्र दो दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में चुनावी रैली की और भाजपा नेताओं ने इसे राष्ट्रीय एकजुटता बताया था। उस समय प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक में भी अनुपस्थित रहे। मगर अब वही भाजपा सीएम सुक्खू के पूर्व निर्धारित बिहार दौरे पर आपत्ति जता रही है। यह भाजपा की अवसरवादिता और दोहरे रवैये का प्रमाण है। दीपक शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद कंगना रनौत आपदा प्रभावित क्षेत्रों में मदद करने के बजाय दिल्ली से अफवाहें फैला रही हैं। स्थानीय भाजपा नेता भी राहत कार्यों में सहयोग नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है, राहत शिविर स्थापित किए गए हैं और केंद्र से विशेष राहत पैकेज की मांग भी की गई है।

मेजर ध्यानचंद को अर्पित की श्रद्धांजलि

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। रविंद्रनाथ टैगोर राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, चैस राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद हॉकी के जादूगर के याद में मनाया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। हर साल 29 अगस्त को भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.आर कौंडल मुख्य अतिथि रहे, प्रतियोगिता का आयोजन प्रो. दिनेश शारीरिक विभाग ने किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरआर कौंडल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम मानसिक, शारीरिक रूप से स्वस्थ, समाज में जिम्मेदारी, जागरूकता की भावना को सुदृढ़ एवं नशे के प्रति सतर्क रहने में सहयोग देता है। इस अवसर पर सहायक आचार्य सुधीर कुमार, प्रवक्ता शक्ति चंद, अशोक पठानिया, सुनील कुमार उपस्थित रहे।

फिट रहने के लिए निकालें कुछ समय: ठाकुर

अनंत ज्ञान, महादेव। भारत सरकार द्वारा फिट इंडिया मिशन के अंतर्गत और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मुख्य अभियंता कश्मीर सिंह ठाकुर द्वारा कार्यालय परिसर बीएसएल परियोजना बीबीएमबी सुंदरनगर में परियोजना के अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाई। ठाकुर ने सभी से अपील की कि वे फिट रहने के लिए अपनी दिनचर्या में से कुछ समय अवश्य निकालें। 29 से 31 अगस्त तक परियोजना पर खेलकूद से संबंधित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

गंभीर बीमारी के इलाज के लिए दी सहायता

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। असहाय सेवा समिति सुंदरनगर की ओर से क्षेत्र के सिहली गांव के नरेश कुमार को उनकी किडनियों व आंखों की गंभीर बीमारी के इलाज हेतु 10,000 की आर्थिक सहायता राशि का चैक प्रदान किया। नरेश कुमार की दोनों किडनियां खराब हो चुकी है और वह डायलिसिस पर निर्भर है। नरेश कुमार की तीन बेटियां अभी पढ़ाई कर रही हैं, जिनका भरण पोषण एवं पढ़ाई का खर्च वह टायर पंचर आदि का काम करके करता था। मगर इस बीमारी के कारण उसे यह सब बंद करना पड़ा है और घर परिवार का गुजारा बड़ी मुश्किल से गांव की थोड़ी-बहुत जमीन की खेती से चल रहा है। इस गंभीर बीमारी के कारण पैदा हुई इस विकट परिस्थिति के समय में असहाय सेवा समिति ने आगे आकर उसे यह आर्थिक सहायता मुहैया करवाई है। इस अवसर पर स्वास्थ्य उपचार उप समिति के प्रभारी एवं वरिष्ठ उपप्रधान ई. के.एस. जम्वाल, कार्यकारिणी सदस्य ई. गोपाल गुप्ता, देवेंद्र चौहान तथा समिति सदस्य सुनीता देवी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

लोक निर्माण मंडल सरकाघाट में 160 पद रिक्त

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। लोक निर्माण विभाग मंडल सरकाघाट के कार्यालय में 160 पद खाली पड़े है, जिनकी वजह से विभाग का काम सुचारू रूप से नहीं चल रहा है। आरटीआई एक्टिविस्ट व पूर्व प्रत्याशी सरकाघाट विस रमेश चंद भारद्वाज ने उपमंडल अधिकारी सरकाघाट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर, इन पदों को तुरंत भरने का आग्रह किया है, जिससे टूटी हुई सभी स्थानीय सड़कों की मरम्मत के साथ अन्य भवनों की मरम्मत और अन्य काम समय समय पर समय रहते होते रहें। एक अन्य आरटीआई के जवाब में उन्हें लोक निर्माण विभाग ने पुष्टि की है कि सरकाघाट में कोई भी इमारत असुरक्षित नहीं है।

बजट करोड़ों का, लेकिन नतीजा शून्य: राणा

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। भाजपा विधायक प्रकाश राणा ने प्रदेश सरकार पर बजट प्रबंधन को लेकर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि करोड़ों का बजट पेश होने के बावजूद प्रदेश की स्थिति जमीनी स्तर पर जस की तस बनी हुई है। राणा ने आरोप लगाया कि आम जनता को आज भी शुद्ध पेयजल, बेहतर सड़कें और कानून-व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब ये बुनियादी ढांचे ही दुरुस्त नहीं होंगे तो पर्यटक प्रदेश की ओर दोबारा क्यों आएंगे? पर्यटन प्रभावित होने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर भी सीधा असर पड़ रहा है। विधायक ने कहा कि समस्या पैसों की नहीं बल्कि उनके सही उपयोग की है। अगर सरकार बजट का सदुपयोग कर जनता की जरूरतों को प्राथमिकता दे, तो प्रदेश की स्थिति में स्वतः सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करो और पर्यटन को प्राथमिकता दो, हिमाचल की तरक्की अपने आप तेज होगी।

कलखर–जाहू सुपर हाईवे 14 घंटे से बंद

वैकल्पिक मार्ग पटड़ीघाट से हो रही आवाजाही, लोगों को हो रही परेशानी

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। कलखर–जाहू सुपर हाईवे बीते 14 घंटों से पूरी तरह से बंद पड़ा है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तलमेड से आगे खड्डी मोड़ पर एक विशाल चट्टान सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों ओर का यातायात बाधित हो गया है।

स्थानीय प्रशासन की ओर से सड़क खोलने के प्रयास जारी हैं, लेकिन अब तक मार्ग बहाल नहीं हो पाया है। इससे स्थानीय लोगों व यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग पटड़ीघाट होकर सफर करना पड़ रहा है। हालांकि यह मार्ग न सिर्फ संकरा है बल्कि गड्ढों व जलभराव से भी जूझ रहा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पटड़ीघाट रोड की हालत काफी समय से खराब है, लेकिन लोक निर्माण विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। इस बरसात में न तो सड़क किनारे की नालियों की सफाई की गई है और न ही घास काटी गई है। इसके चलते बारिश का पानी सीधे सड़क पर बहता है, जिससे राहगीरों को पैदल चलना तक मुश्किल हो रहा है।

तलमेड के पास खड्डी मोड़ पर गिरी एक विशाल चट्टान से यातायात बंद।

स्थानीय लोगों में नरोत्तम राम, लुदर मनी, रोशन लाल, हरवंश कुमार, हेत राम, शिव राम आदि लोगों का कहना है कि दो दिन पहले सड़क की नालिया निकलने के लिए कोइ जेसीबी आई थी, परंतु उसे से पहले की नालियां भी बंद कर दी और अब सारा पानी सड़क में आ रहा है लोगो ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि पटड़ीघाट मार्ग की मरम्मत की जाए, नालियों की सफाई करवाई जाए और सड़क के गड्ढों को भरा जाए, ताकि बारिश में आवाजाही सुचारु रूप से चल सके।

डॉक्टरों की कमी को लेकर विधायक दलीप ने कांग्रेस सरकार को घेरा

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

सरकाघाट अस्पताल में डॉक्टरों की कमी और रेडियोलॉजिस्ट की जगह सोनोलॉजिस्ट तैनात करने को लेकर विधायक दलीप ठाकुर ने विधानसभा में प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के युग में रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर का बहुत महत्व है। सरकाघाट अस्पताल में डॉक्टर और रेडियोलॉजिस्ट का महत्वपूर्ण पद वर्तमान में खाली चल रहे हैं।

विधायक ने विधानसभा में प्रश्न उठाते हुए पूछा कि नागरिक अस्पताल सरकाघाट में कुल कितने डॉक्टरों के पद स्वीकृत हैं और इनमें से कितने पद कब से रिक्त पड़े हैं। उन्होंने विशेष रूप से (रेडियोलॉजी) के डॉक्टर की नियुक्ति कब तक की जाएगी, इसका भी विवरण मांगा।

कहा, लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही सरकार

डॉक्टरों और रेडियोलॉजिस्ट के रिक्त पदों को लेकर सरकार ने विधानसभा में जवाब दिया कि नागरिक अस्पताल सरकाघाट में बाल विशेषज्ञ, शल्य चिकित्सक, हड्डी रोग विशेषज्ञ और रेडियोलॉजिस्ट के पद खाली पड़े हैं। विधायक दलीप ठाकुर ने कहा कि अस्पताल में आने वाले ज्यादातर मरीज बाल विशेषज्ञ, शल्य चिकित्सक, हड्डी रोग विशेषज्ञ और रेडियोलॉजिस्ट के पास उपचार के लिए जाते हैं, लेकिन नागरिक अस्पताल सरकाघाट में ये डॉक्टर मौजूद नहीं हैं। नतीजा यह है कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को मजबूरी में महंगे प्राइवेट अस्पतालों का रुख करना पड़ता है।

नाचन क्षेत्र के भराड़ी गांव में भारी बारिश से गोशाला व बाथरूम ढहा

भीम बसेड़ू, अनंत ज्ञान

महादेव। तहसील सुंदरनगर के अंतर्गत नाचन क्षेत्र के गांव भराड़ी निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र नागेंद्र कुमार की चार कमरों वाली गोशाला व बाथरूम लगातार हो रही बारिश के कारण ढह गए। इस घटना में लगभग लाखों का नुकसान आंका गया है।

राजेंद्र कुमार ने बताया कि भारी बारिश के चलते काफी समय पहले ही उनकी गोशाला व बाथरूम में बड़ी–बड़ी दरारें आ गई थीं। ऐसे हालात में वह डर के कारण इन भवनों का उपयोग भी नहीं कर पा रहे थे। अंततः भवन ढह गए जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। उन्होंने बताया कि पटवारी हल्का द्वारा मौका निरीक्षण कर

लिया गया है, लेकिन अभी तक उन्हें किसी प्रकार की सहायता या मुआवजा नहीं मिला है। प्रभावित किसान ने प्रशासन एवं प्रदेश सरकार से शीघ्र नुकसान की भरपाई करने की मांग की है।

लांगणा पंचायत के कई गांवों में पेयजल संकट

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। उपमंडल जोगिंद्रनगर की लांगणा पंचायत के कई गांवों में पेयजल की भारी किल्लत है, जिससे ग्रामीण परेशान हैं। गांव के नलों में पानी की एक बूंद तक नहीं आ रही, जिससे रोजमर्रा के काम ठप हो गए हैं। इस संकट का असर इतना गहरा है कि स्कूलों की टंकियां भी खाली पड़ी हैं, जिससे बच्चों और शिक्षकों को खासी दिक्कत हो रही है। पेयजल विभाग के फीटर राजकुमार शर्मा ने बताया कि गांव में पानी सप्लाई करने वाले पंप का ट्रांसफार्मर लोड नहीं उठा पा रहा है, जिसकी वजह से मोटर चल नहीं पा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस समस्या को ठीक करने के लिए विभाग लगातार कोशिश कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन इस बार यह संकट बरसात के दिनों में भी है। गांव के लोगों को पानी के लिए दूर–दराज के हैंडपंपों और कुओं पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे उन्हें बहुत परेशानी हो रही है। गांव वालों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या को सुलझाने की मांग की है।

आरठी गांव में आसमानी बिजली का कहर

गाय व भेड़ की मौत से किसान परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

उपमंडल की ग्राम पंचायत आरठी में शुक्रवार सुबह उस समय अफरा–तफरी मच गई जब तेज गर्जना के साथ आसमानी बिजली गिर गई। इस हादसे में गांव निवासी विजय कुमार की एक गाय और एक भेड़ की मौके पर ही मौत हो गई।

अचानक हुई इस घटना से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में गाय–भेड़ जैसे पालतू पशु ही आजीविका का मुख्य सहारा होते हैं। पीड़ित किसान विजय कुमार ने बताया कि शुक्रवार तड़के लगभग 5 बजकर 20 मिनट पर अचानक जोरदार धमाका हुआ। उस समय वे नए बने घर में थे जबकि उनकी पत्नी रोजाना की तरह गौशाला गईं। वहां पहुंचते ही उन्होंने देखा कि एक गाय और भेड़ मृत पड़ी हुई हैं। उन्होंने तुरंत अपने पति को फोन किया। सूचना मिलते ही विजय कुमार गौशाला पहुंचे और देखा कि बिजली गिरने से उनके पालतू पशुओं की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत प्रधान राज कुमार ठाकुर मौके पर पहुंचे और पूरी स्थिति का आकलन किया। इसके बाद प्रशासन

आरठी में घटनास्थल का जायजा लेते हुए अधिकारी।

को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पशुपालन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया, वहीं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की। घटनास्थल का जायजा लेने कांग्रेस नेता जीवन ठाकुर भी पहुंचे।

उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि पशुधन ग्रामीण परिवारों की रीढ़ की हड्डी है और इस प्रकार की प्राकृतिक आपदा से परिवार की आय का बड़ा साधन छिन जाता है। जीवन ठाकुर नेसाथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद की जाएगी।

मंडी के साथ भेदभाव कर रही कांग्रेस सरकार: राकेश जम्वाल

अनंत ज्ञान, मंडी

भाजपा विधायक राकेश जम्वाल ने विधानसभा में नियम 62 के तहत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में मंडी में सरदार पटेल विश्वविद्यालय की स्थापना भाजपा सरकार ने इस उद्देश्य से की थी कि शिमला विश्वविद्यालय का बोझ कम हो और निचले हिमाचल के विद्यार्थियों को घर–द्वार पर उच्च शिक्षा की सुविधा मिल सके। प्रारंभ में मंडी, कुल्लू, लाहौल–स्पीति, कांगड़ा और चंबा जिलों के 122 कॉलेज इस विश्वविद्यालय से जुड़े थे और लगभग 32 हजार विद्यार्थी इसमें पंजीकृत हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता परिवर्तन के बाद कांग्रेस सरकार ने पहले कांगड़ा और चंबा जिलों के कॉलेजों को शिमला विवि में स्थानांतरित किया और अब हाल ही में 16 बी.एड. कॉलेज भी मंडी विश्वविद्यालय से निकालकर शिमला विश्वविद्यालय में जोड़ दिए। वर्तमान में इस विश्वविद्यालय के पास केवल 29 कॉलेज ही बचे हैं, जबकि शुरुआत में यह संख्या 122 थी। इससे बीएड कॉलेज निकालने से विश्वविद्यालय को करीब 2.5 करोड़ रुपए का वित्तीय नुकसान होगा। विधायक जमवाल ने कहा कि करोड़ों रुपए की लागत से मंडी में भवन बनाए गए, कुलपति व रजिस्ट्रार सहित स्टाफ की नियुक्ति की गई, लेकिन कांग्रेस सरकार की नीयत शुरू से ही इस विश्वविद्यालय को बंद करने की रही है।

जम्वाल ने सरकार से मांग की कि सरदार पटेल विश्वविद्यालय से बीएड कॉलेजों को शिमला विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करने का निर्णय तुरंत वापस लिया जाए।

सोने की तरह सुरक्षित मुथूट फाइनेंस ने खोली नई शाखा

ग्राहकों को मिलेगा 7 परतों की सुरक्षा का वादा, जोगिंद्रनगर में शाखा का शुभारंभ

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। मुथूट फाइनेंस ने हिमाचल प्रदेश के जोगिंद्रनगर में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह का नेतृत्व जालंधर क्षेत्र के सुरक्षा प्रमुख जीवा नंद ने किया। मुख्य अतिथि संजीव शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर पूर्व जिला परिषद सदस्य ममता भाटिया, एसडीओ प्रताप चौहान, राज कृष्ण मकनवाल, ओम प्रकाश बरवाल और जगदीश मकनवाल समेत कई प्रतिष्ठित अतिथि मौजूद रहे।

शाखा उद्घाटन कार्यक्रम में मुथूट फाइनेंस की टीम से मार्केटिंग प्रमुख तरुण भंडारी, शाखा प्रमुख विशाल सूद, प्रशासन प्रमुख शुभम राव, आईटी प्रमुख सौरव भगत और शाखा कर्मचारी स्वाति राणा पालमपुर

जोगिंद्रनगर में मुथूट फाइनेंस की नई शाखा का शुभारंभ करते हुए।

व पंकज कुमार कांगड़ा भी शामिल रहे। कार्यक्रम में शहनाई वादक भूप सिंह और नारायण सिंह ने अपनी प्रस्तुति से वातावरण को मधुर बना दिया। स्थानीय समुदाय ने नई शाखा का गर्मजोशी से स्वागत किया और मुथूट फाइनेंस के इस विस्तार को क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक पहल बताया। शाखा प्रबंधक ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को कंपनी की स्कीमों और नई सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मुथूट फाइनेंस अपने ग्राहकों के सोने की 7 स्तरीय सुरक्षा सुनिश्चित करता है, जिससे उनकी संपत्ति पूरी तरह सुरक्षित रहती है। कंपनी द्वारा दी जा रही प्रमुख सुविधाओं में तुरंत लोन, अधिकतम ऋण राशि और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा शामिल है। खास बात यह है कि ग्राहक को ब्याज केवल उपयोग की गई राशि पर ही देना होगा। मुथूट फाइनेंस की वर्तमान में देशभर में 7300 से अधिक शाखाएं कार्यरत हैं। हर लेन–देन पर ग्राहकों को 24 कैरेट सोने की गारंटी दी जा रही है। साथ ही, अब ग्राहक घर बैठे–बैठे गोल्ड लोन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें शाखा तक आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कंपनी का दावा है कि इन सुविधाओं के चलते गोल्ड लोन लेने का अनुभव और भी आसान व भरोसेमंद हो गया है।

हर पात्र बच्चे को मिले कल्याणकारी योजनाओं का लाभ: एनआर ठाकुर

अनंत ज्ञान, मंडी

जिला परिषद कॉन्फ्रेंस हाल में जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सदर खंड की 100 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजरों ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण शिविर में डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर एनआर ठाकुर, संरक्षण अधिकारी शैलजा अवस्थी तथा विधिक एवं प्रोबेशन अधिकारी रमा कुमारी बतौर स्त्रोत व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर एनआर ठाकुर ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र बच्चे को मिले। उन्होंने कहा कि मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना और इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना अनाथ, अर्ध अनाथ

डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर एनआर ठाकुर संबोधित करते हुए।

और असहाय बच्चों के लिए संजीवनी का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज इस बात की जरूरत है कि लोगों को प्रत्येक योजना की ठीक और सटीक जानकारी मिले।

शैलजा ने बाल विवाह के दुष्परिणामों, स्पॉन्सरशिप योजना, आफ्टर केयर योजना और दत्तक ग्रहण बारे जानकारी दी तथा विधिक एवं प्रोबेशन ऑफिसर रमा कुमारी ने बाल यौन उत्पीड़न और पॉक्सो अधिनियम

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सुपरवाइजर के लिए लगा प्रशिक्षण शिविर

एवं किशोर न्याय अधिनियम बारे बताया। प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों की शंका का भी समाधान किया गया तथा बच्चों से जुड़ी इन सभी योजनाओं पर तैयार प्रचार प्रसार सामग्री को भी वितरित किया गया।

प्राथमिक शिक्षकों ने लिए प्रश्न पत्र तैयार करने के टिप्स

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। प्रदेश सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के तहत सरकारी स्कूलों में कार्यरत 35 हजार प्राथमिक शिक्षकों के लिए मूल्यांकन को लेकर प्रशिक्षण करवाया जा रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को नौनिहालों का सतत् एवं समग्र मूल्यांकन की बारीकियां सिखाई जा रही है। वीरवार को जोगिंद्रनगर में शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने प्रश्न पत्र तैयार करने के टिप्स सीखे और समूह बार प्रश्न तैयार कर उसका प्रदर्शन भी किया। प्रशिक्षण के समापन पर बीईईओ द्रंग– 1 अंजु कश्यप व बीईईओ चौंतड़ा–1 राजू राम विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रशिक्षण में शिक्षा खंड द्रंग– 1, द्रंग– 2, चौंतड़ा चौंतड़ा–1 व चौंतड़ा चौंतड़ा– 2 के 63 शिक्षक हिस्सा लिया।

तंबाकू कानून के उल्लंघन पर लगेगा 15 हजार से एक लाख तक जुर्माना

अनंत ज्ञान, करसोग

बीएमओ करसोग डॉ. गोपाल चौहान ने कहा कि लोगों को बीड़ी, सिगरेट और अन्य नशीले तंबाकू पदार्थों से बचाने के लिए स्वास्थ्य प्रशासन अब कड़े कदम उठाने जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से विशेष कार्य योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि करसोग उपमंडल में अब कोई भी सिंगल सिगरेट नहीं बेच पाएगा और बिना लाइसेंस कोई तंबाकू पदार्थ बेचना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

इस अभियान की शुरुआत करसोग से की जा रही है। डॉ. चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इसके लिए वर्ष 2016 में कानून बनाया था, लेकिन यह कानून अब तक जमीनी स्तर पर पूरी तरह से लागू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि तंबाकू बेचने का

करसोग में शुरू हुई नशा मुक्ति की मुहिम

लाइसेंस केवल पंचायत सचिव और नगर पंचायत द्वारा उन्हीं लोगों को दिया जाएगा, जो तंबाकू नियंत्रण कानून 2003 का पूर्ण पालन करेंगे। बीएमओ ने कहा कि इस कानून के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का तंबाकू पदार्थ बेचना प्रतिबंधित है। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान पूरी तरह निषेध है। उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण कानून 2003 के उल्लंघन पर एक हजार से 10 हजार जुर्माना तथा 5 वर्ष की कैद का प्रावधान है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 2016 में बनाए गए कानून के उल्लंघन पर 15 हजार रुपए से एक लाख रुपए जुर्माना और एक वर्ष कैद का प्रावधान है।

छात्रों ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर ली फिटनेस की शपथ

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

राजकीय महाविद्यालय लड़भड़ोल में शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक घंटा, खेल के मैदान में थीम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की कसरतों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11:30 बजे हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने और फिट इंडिया प्रतिज्ञा से हुई। प्राचार्य डॉ. मुनीष ठाकुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि जीवन में

लडभड़ोल कॉलेज में मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

अनुशासन और टीम भावना भी विकसित करते हैं। महाविद्यालय के खेल प्रभारी सहायक प्रोफेसर संजीव कुमार ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेलों और शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि खेलें शारीरिक मजबूती के साथ–साथ चरित्र निर्माण, अनुशासन और सामाजिक एकता को भी मजबूत करती हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने खेलों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया और भविष्य में खेल गतिविधियों को और अधिक सशक्त करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

तैयारी मोदी का 75वां जन्मदिन पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाएगी भाजपा

संजीव ने दिल्ली में अनुराग से मिलकर बनाई रूपरेखा

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर से दिल्ली में नवनियुक्त भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर गहन चर्चा हुई। संजीव कटवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन भाजपा इस बार भी सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाएगी।

पार्टी की ओर से देशभर में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा कार्यों की श्रृंखला चलेगी। देशभर में सेवा कार्य और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा महामंत्री ने कहा कि पार्टी द्वारा इस अवधि में अनेक सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें स्वच्छता अभियान, 1000 जगहों पर रक्तदान शिविर, एक पेड़ मां के नाम अभियान, वोकल फॉर लोकल अभियान, प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन, स्वास्थ्य जांच शिविर ये सभी कार्यक्रम जिला, मंडल और बूथ स्तर तक चलाए जाएंगे, ताकि अधिकतम संख्या में लोगों तक सेवा का संदेश पहुंच सके।

मोदी विकास मैराथन ग्रामीण खेलकूद स्पर्धा का होगा आयोजन

संजीव कटवाल ने बताया कि भाजपा देशभर के 70 से अधिक शहरों में मोदी विकास मैराथन का आयोजन करेगी। इसके साथ ही ग्रामीण अंचल में सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता भी करवाई जाएगी, जिससे युवाओं में उत्साह और खेल भावना को बढ़ावा मिले।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर से मुलाकात करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल।

हिमाचल भाजपा संगठन मजबूत

प्रदेश महामंत्री ने संगठन की मजबूती पर बोलते हुए कहा कि कभी हिमाचल भाजपा के पास 8 लाख प्राथमिक सदस्य थे, जबकि आज यह संख्या 18 लाख तक पहुंच गई है। यह संगठनात्मक विस्तार पार्टी की ताकत को दर्शाता है। उन्होंने कहा हम विकसित भारत का संकल्प लेते हुए 'मेरा बूथ सबसे मजबूत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें और प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर अधिकतम समय देना होगा। संगठन की असली शक्ति बूथ से ही निकलती है।

ऊना के बसाल में हुए हत्याकांड का शूटर आरोपी मोहाली से गिरफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मोहाली एरिया में होशियारपुर से संबंध रखने वाले एक गैंग के शूटर को दबोचा है। आरोपी ऊना के बसाल में हुए हत्याकांड में शामिल था। वहीं, यह विदेश में बैठे अपने हैंडलर से जुड़ा हुआ था।

आरोपी के पास से एक पिस्टल और 6 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। आरोपी की पहचान विपिन कुमार निवासी बस्सी मुदा बाघपुर मंदिर, होशियारपुर के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पूछताछ में कई खुलासे होंगे। हालांकि, यह मामला गैंगवार से भी जुड़ा होने की संभावना है, अब हिमाचल पुलिस आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर हिमाचल भी ला सकती है। खरड़ पुलिस ने यह मामला दर्ज कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव द्वारा सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में खुलासा हुआ कि आरोपी हिमाचल के ऊना बसाल में हुई हत्या में शामिल था। शुरूआती जांच से पता चला है कि काबू किया गया विपिन कुमार हिमाचल प्रदेश के ऊना के ख्वाजा बसल गांव में राकेश कुमार उर्फ गग्गी की हत्या में शामिल मुख्य शूटरों में से एक था। यह घटना विदेशी गैंगस्टर लाडी भज्जल उर्प कूनर और मोनू गुज्जर, रवि बलाचौरिया गिरोह और बब्बी राणा, सोनू खत्री गिरोह के बीच गैंगवार का सीधा परिणाम थी। मृतक राकेश कुमार उर्फ गग्गी विदेशी गैंगस्टर बब्बी राणा का सहयोगी था, जो सोनू खत्री का करीबी सहयोगी है।

ऊना के बसाल में हुए हत्याकांड का शूटर आरोपी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की गिरफ्त में।

कटिंग करवाते समय हुई थी हत्या

ऊना के अप्पर बसाल में रविवार 27 जुलाई को राकेश कुमार उर्फ गग्गी की हत्या उस समय हुई थी, जब वह नाई की दुकान पर बाल कटवाने गया था। हमलावर मोटरसाइकिल पर आए थे। उन्होंने गग्गी पर लगभग सात से आठ राउंड फायर किए, लेकिन राकेश के साथियों पर एक भी गोली नहीं चलाई। यह घटना ऊना से लगभग 7 किलोमीटर दूर चंडीगढ़ धर्मशाला राजमार्ग पर स्थित दुकान में हुई।

सोशल मीडिया पर ली हत्या की जिम्मेदारी

हत्या के बाद नारायणगढ़ के दो बदमाश लाडी कुमार और वेंकट गर्ग ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर राकेश की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली और ऊना के एक अन्य बदमाश मनी राणा को भी टैग किया, जो इस समय जेल में है। इसके बाद एक अन्य बदमाश बब्बी राणा ने खुद को बचित्तर गैंग से जुड़ा बताते हुए राकेश उर्फ गग्गी की हत्या से जुड़े सभी लोगों को मारने की कसम खाई। यह भी सामने आया है कि राकेश के खिलाफ हिमाचल में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल हिमाचल पुलिस आरोपी का ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर सकती है।

हथियार की नोक पर धमकाने का आरोप

अनंत ज्ञान, ऊना। जिला मुख्यालय के समीप भडोलियां खुर्द के एक ढाबा संचालक को वीरवार शाम चार अज्ञात युवकों ने पिस्तौल दिखा धमकाने का प्रयास किया। चारों युवक बोलेरो कैंपर गाड़ी में यहां पहुंचे थे। हालांकि, शिकायतकर्ता द्वारा दिया गया बयान भी संदेह और रहस्य पैदा कर रहा है, अगर उससे पहले भी उगाही इन लोगों द्वारा की गई थी, तो शिकायत क्यों नहीं हुई और किस एवज में उगाही हुई थी। कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मौके पर जांच करती पुलिस टीम शिकायतकर्ता के अनुसार एक युवक ने पिस्टल जैसी काली वस्तु निकालकर उनकी तरफ तान दी। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया। इसके बाद आरोपी चंदू, वंश व अन्य दो युवक गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर कुलविंद्र सिंह के बयान पर चंदू, वंश व दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। ढाबा संचालक का आरोप है कि इससे पहले भी उसे हथियार दिखाकर इन्हीं लोगों द्वारा 3 हजार रुपए की वसूली की जा चुकी है। उधर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार भाटिया का कहना है कि पुलिस मामले में केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही इस घटना के सभी आरोपी पुलिस की हिरासत में होंगे।

पुलिस स्टेशन की दीवार गिरने से होमगार्ड जवान गंभीर घायल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

जिला मुख्यालय के थाना सदर परिसर में शुक्रवार सुबह दीवार गिरने से बड़ा हादसा टल गया। मेस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें एक कर्मचारी घायल हो गया। इससे पहले भी इस जर्जर भवन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था।

इस हादसे में मेस में तैनात होमगार्ड का एक जवान सिरमौर जिला निवासी राम स्वरूप गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसकी टांग पर 18 टांके लगे हैं। सौभाग्य से उसकी जान तो बच गई, लेकिन इस घटना ने परिसर की खतरनाक स्थिति की भयावहता को उजागर कर दिया। मेस में रखा पुलिस कर्मचारियों का सारा सामान भी पूरी तरह तहस-नहस हो गया। इससे उनकी सहूलियत और सुविधा दोनों पर भारी असर हुआ है। अंग्रेजों के जमाने में बना यह भवन अब जर्जर होकर खतरनाक बन चुका है। उक्त बिल्डिंग में थाने के अलावा बंदीगृह और अन्य व्यवस्थाएं भी संचालित की जा रही हैं। इससे जोखिम और भी बढ़ गया है। घटना की सूचना पाते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार भाटिया फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि थाना सदर की इस दयनीय स्थिति को लेकर पहले भी कई बार आवाजें उठाई जा चुकी हैं, लेकिन किसी भी स्तर पर पुलिस कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी गई। यह घटना न केवल एक चेतावनी है, बल्कि कर्मचारियों की जान को लेकर प्रशासन की असंवेदनशीलता पर सवाल भी खड़ा करती है।

उधर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार भाटिया ने बताया कि इस मामले को लेकर पहले भी पत्राचार किया गया है, अब भी इस घटना को लेकर उच्च अधिकारियों को सूचित किया जाएगा। इसके साथ ही पुलिस के जवानों की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर विकल्प तलाशा जाएगा।

क्षतिग्रस्त हुआ जिला मुख्यालय के थाना सदर परिसर का हिस्सा।

री-केवाईसी की अनिवार्यता पर दिया बल

अनंत ज्ञान, अंब/ऊना

वित्तीय सेवाएं विभाग व भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 30 सितंबर तक चलाए जा रहे वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत बीडीओ कार्यालय अंब के सम्मेलन कक्ष में विशेष शिविर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उन्हें विभिन्न वित्तीय योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान क्षेत्रीय निदेशक आरबीआई अनुपम किशोर ने री-केवाईसी की अनिवार्यता पर बल दिया और उपस्थित लोगों को डिजिटल वित्तीय लेनदेन में सतर्कता बरतने और धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। इस जागरूकता शिविर में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया। इसमें 115 लोगों की मौके पर री-केवाईसी की गई तथा कई लाभार्थियों ने बीमा व पेंशन योजनाओं में नामांकन करवाया और 2 लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना का 2-2 लाख का मौके पर क्लेम का चैक दिया गया। उन्होंने बताया कि 30 सितंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर का आयोजन कर आमजन को बैंकिंग सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन योजनाओं, री-केवाइसी तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान नीरज कुमार आनंद ने प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बिमा योजना व अटल पेंशन योजना के उद्देश्यों, पात्रताओं व लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इन योजनाओं के माध्यम से सरकार प्रत्येक नागरिक तक बैंकिंग व समाजिक सुरक्षा सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिब्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपनी नजदीक की बैंक शाखा तथा बैंकिंग करेस्पॉन्डेंट से संपर्क करके इन योजनाओं का लाभ उठाएं और वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा मे सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

बीडीओ कार्यालय अंब के सम्मेलन कक्ष में विशेष शिविर जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

शतरंज प्रतियोगिता में नवीन, दिव्या प्रथम

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान, अंब। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय अंब में स्पोर्ट एंड योग क्लब के द्वारा दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता की शुरआत 28 अगस्त को हुई जिसमें कुल 25 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 6 राउंड हुए। प्रथम दिवस 4 राउंड सफलतापूर्वक हुए। 29 अगस्त को अंतिम राउंड खेले गए। प्रतियोगिता बहुत रोमांचक तरीके से हुई। इसमें कई प्रकार की चालो को देखने का अवसर मिला। प्रतियोगिता के समापन समारोह में प्राचार्य प्रो. दर्शन कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को नशे से दूर रहकर खेलकूद में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया और खेलों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित भी किया। प्रतियोगिता में नवीन सूद प्रथम स्थान, नितिन शर्मा द्वितीय स्थान, मानव तिवारी तृतीय स्थान और लड़कियों में दिव्या सूद प्रथम स्थान, प्रियंका द्वितीय स्थान, श्रेया तिवारी ने तृतीय स्थान झटाक। सभी विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

बंगाणा उपमंडल में बारिश से पेयजल योजनाएं बुरी तरह से हुई प्रभावित

अनंत ज्ञान, बंगाणा

उपमंडल बंगाणा के तहत क्षेत्र में हाल ही हुई भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

बारिश से जहां सड़कें, पुल व खेत-खलिहान नुकसान की चपेट में आए हैं। वहीं, जल शक्ति विभाग की पेयजल योजनाएं भी बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं। जानकारी के अनुसार थानाकलां चपलाह, सियाना, डीहर, कमांड, जोगी पंगा समेत करीब एक दर्जन स्थानों पर लगभग 12 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बारिश की भेंट चढ़ गई है। कहीं पर पहाड़ियों से गिरे मलबे और लाहसों ने पाइप लाइन को जमींदोज कर दिया है, तो कहीं भूमि खिसकने से पाइप लाइन पूरी तरह गायब हो गई है। विभाग का अनुमान है कि अब तक करीब 22 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। भारी नुकसान के चलते क्षेत्र की आधा दर्जन से अधिक पेयजल योजनाएं पूरी तरह बाधित हो गई हैं। सैकड़ों परिवारों को नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। लोग मजबूरी में स्थानीय झरनों व अस्थायी स्त्रोतों पर निर्भर हो रहे हैं। हालांकि, विभागीय कर्मचारी लगातार मोर्चे पर डटे हुए हैं और जल आपूर्ति को सुचारू करने के लिए प्रयासरत हैं। जल शक्ति विभाग मंडल थानाकलां के अधिशाषी अभियंता हरभजन सिंह ने बताया कि विभागीय टीमें दिन-रात पाइप लाइनों की मरम्मत और पुनः स्थापना में जुटी हुई हैं। कई स्थानों पर पाइप लाइन को 4 से 5 किलोमीटर तक घुमाकर जोड़ा जा रहा है, ताकि लोगों तक जल्द पानी पहुंचाया जा सके, लेकिन लगातार हो रही बारिश व पहाड़ियों के खिसकने से मुश्किलें बढ़ रही हैं। एक जगह मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जाता है, तो दूसरी जगह पहाड़ गिरने से पाइप लाइन फिर से क्षतिग्रस्त हो जाती है। यही कारण है कि बहाली कार्य में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा है, हरभजन सिंह ने जनता से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विभागीय कर्मचारी लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और जल्द ही सभी पेयजल योजनाओं को सुचारू कर दिया जाएगा। इस कार्य में स्थानीय प्रशासन भी सहयोग कर रहा है।

टकारला में मिला 8 फुट लंबा मृत अजगर

अनंत ज्ञान, बड़ूही। अंब उपमंडल की ग्राम पंचायत टकारला में ग्रामीणों ने एक विशालकाय अजगर को मृत अवस्था में पाया। लगभग 8 फुट लंबा यह अजगर टकारला सहकारी समिति के पीछे पड़ा मिला। स्थानीय लोगों का मानना है कि सड़क पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आने से इसकी मौत हुई होगी। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी तुरंत वन विभाग को दी, जिसके बाद विभागीय टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के चलते वन्यजीव सुरक्षित ठिकानों की तलाश में बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं। इससे न केवल सांप, बल्कि अन्य जंगली जीव भी आबादी वाले क्षेत्रों में दिखाई देने लगे हैं। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। रेंज ऑफिसर अंब राहुल ठाकुर ने बताया कि विभागीय स्टाफ को मौके पर भेज दिया गया है। अजगर के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी और उसके उपरांत शव को सुरक्षित रूप से दफनाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आपदा मित्रों की भूमिका व कार्यों पर चर्चा की

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। तहसीलदार प्रागपुर चिराग शर्मा ने शुक्रवार को माता श्री चिंतपूर्णी के दरबार में हाजिरी भरी। इस दौरान उनके साथ पटवारी अश्विनी कुमार भी उपस्थित रहे। माता के दरबार में हाजिरी भरने के बाद, तहसीलदार चिराग शर्मा ने चिंतपूर्णी में आपदा मित्रों के साथ एक महत्वपूर्ण मीटिंग की। चिंतपूर्णी का अधिकतर एरिया प्रागपुर तहसील के अंतर्गत आता है और चिंतपूर्णी माता का स्थान जिला ऊना के अंतर्गत आता है। मीटिंग शुरू करने से पहले, आपदा मित्र संदीप कुमार ने तहसीलदार चिराग शर्मा को शाल और टोपी देकर सम्मानित किया। मीटिंग में आपदा मित्रों की भूमिका और उनके कार्यों पर चर्चा की गई। आपदा मित्रों को प्रशिक्षित करने और उन्हें आपदा प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में आपदा मित्रों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें उन्हें आपदा से निपटने के तौर-तरीकों और संकटकालीन स्थिति में जनपद में प्रशासन का सहयोग करने के बारे में सिखाया जा रहा है।

25 स्टूडेंट्स का एनसीसी के लिए हुआ चयन

अनंत ज्ञान, जोल। स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल चौकीमन्यार में एनसीसी ऊना के कमांडिंग ऑफिसर रविंद्र सिंह के द्वारा एनसीसी बाहिनी की तरफ से कक्षा आठवीं और नवमीं के विद्यार्थियों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। एनसीसी कैडेट्स का चयन हवलदार मनीष कुमार ने किया। इसमें 15 लड़के तथा 10 लड़कियों का मेरिट के आधार पर चयन किया गया। यह विद्यार्थी अगले दो वर्ष के लिए विद्यालय में एनसीसी संबंधित विभिन्न गतिविधियां सीखेंगे। एनसीसी में चयनित हुए बच्चों की देखरेख श्याम कुमार करेंगे। स्कूल के प्रधानाचार्य जगदीश धीमान ने कहा कि चुने विद्यार्थियों को सभी गतिविधियों में बढ़- चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी रविंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

स्टूडेंट्स ने फिट इंडिया की ली शपथ

अनंत ज्ञान, ऊना। मोहन लाल दत्त राजकीय महाविद्यालय खड्ड में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेलों के कार्यक्रम का आयोजन किया गया और खेल दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया। विद्यार्थियों ने फिट इंडिया की शपथ ली। इस अवसर पर कॉलेज में कबड्डी, बोरी रेस, रस्साकशी, स्पून रेस आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में कार्यकारी प्राचार्य रवि राज, प्रोफेसर डॉ. आरती, राकेश शर्मा, प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार, लखवीर सिंह, असिस्टेंट लाइब्रेरियन नवजोत, निर्मला अधीक्षक अशोक कुमार, मनोज कुमार समेत खिलाड़ी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में खेलों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा मेजर ध्यानचंद के प्रेरणादायक जीवन से सीख लेने की बात कही।

मैक्स अस्पताल मोहाली ने मल्टी स्पेशियलिटी ओपीडी सेवाएं शुरू कीं

अनंत ज्ञान, ऊना

मैक्स अस्पताल, मोहाली ने शुक्रवार को देवभूमि अदवेता अस्पताल, ऊना के साथ साझेदारी में अपनी मल्टी-स्पेशियलिटी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की।

यह सुविधा मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और न्यूरोलॉजी सहित स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर एक्स्पर्ट सलाह प्रदान करेगी। मैक्स से सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोलॉजी डॉ. राहुल महाजन हर महीने के दूसरे मंगलवार को दोपहर 12 बजे से 2.30 बजे तक, प्रिंसिपल कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी डॉ. मुकेश कुमार राठौर हर रविवार को सुबह 11.30 से 2.30 बजे तक और एसोसिएट कंसल्टेंट पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी डॉ. कृतिका गोयल हर महीने के दूसरे मंगलवार को दोपहर 12 से 2.30 बजे तक ओपीडी में कंसल्टेशन के लिए उपलब्ध होंगी। डॉ. मुकेश कुमार राठौर ने कहा कि हमारा ध्यान उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने व विभिन्न विकारों से प्रभावित मरीजों के लिए बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने पर है।

समय पर निदान और विशेष इलाज की दिशा में अहम कदम : डॉ. राहुल

डॉ. राहुल महाजन ने कहा, इन ओपीडी सेवाओं के माध्यम से, हमारा उद्देश्य समय पर निदान, उपचार व न्यूरोलॉजिकल स्थितियों जैसे स्ट्रोक, मिर्गी , माइग्रेन के साथ-साथ अल्जाइमर और पार्किंसन रोग जैसी न्यूरोडीजेनेटिव बीमारियों के विशेष प्रबंधन प्रदान करना है।

स्कूटी-पिकअप में टक्कर, एक घायल

हीना पठानिया, अनंत ज्ञान, बड़ूही

जोल उपतहसील के तहत चौकीमन्यार से बड़ूही सड़क पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। बड़ूही सोसायटी के समीप स्कूटी और पिकअप के बीच जोरदार टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार हादसे में स्कूटी सवार सतपाल निवासी गांव बगलाणा गंभीर रूप से घायल हो गया। सतपाल स्कूटी पर सवार होकर हर रोज की तरह अपने घर बगलाणा से बड़ूही अपनी दुकान की ओर जा रहा था। इसी दौरान बड़ूही से चौकीमन्यार की तरफ ब्रेड सप्लाई करने जा रही पिकअप बड़ूही सोसायटी के सामने स्कूटी से टकरा गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल सतपाल को तुरंत ऊना अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। उधर, पुलिस चौकी जोल ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि शतरंज प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया कौशल

अनंत ज्ञान, बड़ूही

राजकीय महाविद्यालय चौकीमनिहार में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर स्पोर्ट्स क्लब द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने फिट इंडिया की शपथ ग्रहण की। खेल दिवस पर कॉलेज में शतरंज प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष के नवीन ने प्रथम, बीए प्रथम वर्ष के नितिन शर्मा ने द्वितीय तथा बीए तृतीय वर्ष के विशाल ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. बलविंदर सिंह राणा ने विद्यार्थियों को खेलों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक महत्व के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने मेजर ध्यानचंद के जीवन से सीख लेने पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को बौद्धिक और शारीरिक क्षमताओं के संतुलित विकास के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की सफल रूपरेखा सहायक प्रोफेसर कविता कौशल के निर्देशन में तैयार की गई। इस अवसर पर कॉलेज की ईको क्लब, ऊर्जा क्लब, एनएसएस इकाई, रेड रिबन क्लब, आपदा प्रबंधन व रेड क्रॉस क्लब के सदस्य भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। इस मौके पर उपप्राचार्य वर्ग से डॉ. रामकुमार नेगी, डॉ. रामकुमार, डॉ. सम्रग डोगरा, प्रो. नवीन शर्मा सहित कॉलेज का पूरा स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहा।

अनुभव औसत छात्र से आईएएस बनने तक का सफर, मेहनत, अनुशासन और समर्पण की कहानी

डीसी ने छात्रों को दी सफलता की राह पर चलने की प्रेरणा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। इन प्रेरक शब्दों के साथ डीसी ऊना जतिन लाल ने शुक्रवार को हरोली उपमंडल के पालकवाह सभागार में आयोजित विशेष प्रेरक व परामर्श सत्र में विद्यार्थियों को बड़ा सोचने, बड़े लक्ष्य तय करने और उन्हें पाने के लिए धैर्य व निरंतरता से जुटने का संदेश दिया।

इस विशेष सत्र में डॉ. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय डिग्री कॉलेज हरोली, मोहन लाल दत्त राजकीय डिग्री कॉलेज खड्ड और संत बाबा ढांगू वाले गुर्जर राजकीय महाविद्यालय बीटन के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। एक औसत विद्यार्थी से आईएएस तक का सफर डीसी ने विद्यार्थियों से अपने जीवन का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि वे स्कूल और कॉलेज में एक औसत विद्यार्थी रहे, लेकिन मन में हमेशा यह भाव था कि कुछ ऐसा करना है, जिससे माता-पिता का नाम रोशन हो। उन्होंने कॉल सेंटर से करियर की शुरुआत की, फिर एक सरकारी उपक्रम में नौकरी की। एक दिन कार्यालय में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी का दौरा हुआ। उस स्वागत को देखकर उनके मन में सिविल सेवा के प्रति गहरी रुचि जगी और तभी उन्होंने निश्चय कर लिया कि यही मंजिल होगी। जतिन लाल ने बताया कि कैसे उन्होंने लंच ब्रेक, मेट्रो यात्रा और हर खाली पल को पढ़ाई में लगाया। सोशल मीडिया और अनावश्यक गतिविधियों से दूरी बनाई। माता-पिता और पत्नी का भरपूर सहयोग मिला। नौकरी से अवकाश लिया और अंततः त्यागपत्र देकर तैयारी को ही प्राथमिकता बना लिया। उन्होंने बताया कि तैयारी के दौरान परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाना उनके लिए सबसे बड़ी कसौटी थी। उस समय उन्होंने मन में ठाना था कि जिस दिन आईएएस बनेंगे, समाज निर्माण में योगदान के साथ-साथ अपने माता-पिता और पत्नी को हर वह खुशी देंगे, जिसकी वे हकदार हैं। कड़ी मेहनत व अनुशासन का फल उन्हें 2016 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के रूप में मिला।

डीसी ऊना जतिन लाल पालकवाह सभागार में आयोजित विशेष प्रेरक व परामर्श सत्र में छात्रों के साथ संवाद करते हुए।

कड़ी मेहनत के साथ निरंतरता ही सफलता की असली चाबी

डीसी ने विद्यार्थियों को समझाया कि सफलता थाली में परोसी हुई नहीं मिलती। धैर्य, दृढ़ता और निरंतरता ही असली चाबी है। इंसान या तो जीतता है या सीखता है। हारता वही है, जो प्रयास करना छोड़ देता है। उन्होंने कहा कि मोटिवेशन उतार-चढ़ाव वाला होता है पर अनुशासन स्थायी है। लक्ष्य चाहे कोई भी हो, उसके लिए रोजाना समय निकालना ही पड़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को यतो भावे, ततो भवति, यानी जैसा सोचोगे, वैसा ही बन जाओगे का सार समझाया। कहा कि वे तय करें कि उन्हें सामान्य जीवन जीना है या उत्कृष्टता की ओर बढ़ना है।

छात्रों की जिज्ञासाओं के उत्तर

सत्र में विद्यार्थियों ने पढ़ाई, तनाव, हिंदी माध्यम, नोट्स और परीक्षा से जुड़े प्रश्न और तैयारी को लेकर जिज्ञासाएं पूछीं। एक विद्यार्थी ने कहा कि परीक्षा के दिनों में नींद नहीं आती, दिमाग में प्रश्न घूमते रहते हैं। इस पर डीसी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह अच्छी बात है, जब तक नींद नहीं आती, पढ़ते रहो। दिमाग सक्रिय है और प्रश्नों का हल खोज रहा है। हिंदी माध्यम से तैयारी पर पूछे गए सवाल पर बोले कि अब हिंदी में भी उच्च गुणवत्ता की किताबें और सामग्री उपलब्ध है। मेहनत और धैर्य से इस माध्यम में भी सफलता संभव है। उन्होंने कहा कि बुद्धिलब्धि (आई-क्यू) से अधिक भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई-क्यू) महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बताती है कि आप परिस्थितियों का सामना कैसे करते हैं।

कुटलैहड़ में ईको टूरिज्म की अपार संभावनाएं

कई दशकों से केवल कागजों व चर्चाओं में ही रखा सीमितः विवेक शर्मा

राजेश ठाकुर, अनंत ज्ञान

बंगाणा। हिमाचल प्रदेश विधानसभा सत्र के दौरान कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा ने क्षेत्र की अनदेखी और उसकी संभावनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कुटलैहड़ विस क्षेत्र में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अपार अवसर मौजूद हैं, लेकिन विगत कई दशकों से हर सरकार ने केवल कागजों और चर्चाओं में ही इसे सीमित रखा। न तो योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन हुआ और न ही क्षेत्र की पर्यटन दृष्टि से अलग पहचान बनाई जा सकी।

विवेक शर्मा ने सदन में बोलते हुए कहा कि कुटलैहड़ का ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक दृष्टि से विशेष महत्व है। क्षेत्र के सोलहसिंग धार में आज भी प्राचीन पौराणिक किले मौजूद हैं, जो ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संरक्षण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन सरकारों की उपेक्षा के कारण इन स्थलों पर आज तक कोई ठोस काम नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि अगर इन धरोहरों को पर्यटन मानचित्र पर उचित स्थान दिया जाए, तो यह क्षेत्र देश-विदेश के पर्यटकों का आकर्षण बन सकता है। विधायक ने कहा कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से कुटलैहड़ विस क्षेत्र के अदरौली क्षेत्र को ईको टूरिज्म के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां दिसंबर तक वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों को गति प्रदान करने की योजना है। इस योजना पर लगभग 14 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे और यहां पर्यटकों के लिए विशेष टूरिस्ट हब विकसित किया जाएगा। श्रद्धालुओं व पर्यटकों को यहां गोआ पर्यटन नगरी जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विवेक शर्मा ने बताया कि अदरौली को धार्मिक पर्यटन और ईको टूरिज्म के साथ जोड़ने से पंजाब सहित आसपास के राज्यों के पर्यटक सीधे यहां पहुंचेंगे। अभी तक पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से आने वाले श्रद्धालु कुल्लू-मनाली, धर्मशाला, डलहौजी और शिमला जैसे बड़े पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं, लेकिन यदि कुटलैहड़ के अदरौली को विकसित कर धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन से जोड़ा जाए, तो यह क्षेत्र उनके लिए नया और आकर्षक गंतव्य बन सकता है। विधायक ने सदन में जोर देकर कहा कि ऊना जिले में माता चिंतपूर्णी मंदिर, बाबा भड़वाग सिंह गुरुद्वारा, बिलासपुर जिले में माता नयना देवी मंदिर और हमीरपुर में बाबा बालक नाथ सिद्ध पीठ पहले से ही लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं यदि इन सभी धार्मिक स्थलों को कुटलैहड़ विस क्षेत्र के अदरौली ईको टूरिज्म प्रोजेक्ट और एशिया के प्रसिद्ध भाखड़ा बांध से जोड़ा जाए, तो क्षेत्र को एक धार्मिक नगरी और ईको टूरिज्म हब के रूप में स्थापित किया जा सकता है। भाखड़ा बांध एशिया की एक बड़ी परियोजना है, जहां पहले से ही देशभर के लोग घूमने आते हैं यदि भाखड़ा के साथ अदरौली में वाटर स्पोर्ट्स और धार्मिक पर्यटन की सुविधाएं विकसित हो जाएं, तो यह क्षेत्र पूरे उत्तर भारत के लिए एक प्रमुख पर्यटन आकर्षण केंद्र बन सकता है।

पटारना में 3 मकान क्षतिग्रस्त, दो महिलाएं दबीं

एक का शव निकाला, एक लापता, आनी में बारिश का तांडव, भूस्खलन व बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान

आनी। शुक्रवार सुबह आनी क्षेत्र में हुई भारी बारिश ने तबाही मचा दी। कराड़ पंचायत के पटारना गांव में 3 मकान भूस्खलन की चपेट में आ गए। इसमें दो महिलाओं समेत 3 लोग दब गए।

इनमें एक महिला का शव निकाल लिया गया है, एक अभी भी लापता है, जबकि एक व्यक्ति को घायलावस्था में सुरक्षित निकाल लिया गया, जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल आनी पहुंचा दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके की ओर रवाना हो गई थी, जबकि ग्रामीणों ने मिलकर रेसक्यू और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया था। इसमें कुछ पशुधन को बचाने में ग्रामीणों को सफलता मिल पाई थी। एसडीएम आनी लक्ष्मण सिंह कनेट, डीएसपी आनी चंद्रशेखर कायथ, तहसीलदार आनी रत्नेश्वर शर्मा घटना की सूचना मिलने के बाद मौके की ओर निकले और कुछ दूर जाकर ही हाइवे बंद होने के

भारी बारिश से आनी विधानसभा क्षेत्र की कराड़ पंचायत के निचला पटारना में हुआ भूस्खलन, जिसकी चपेट में आ गए तीन मकान।

कारण उन्हें पैदल ही कठिन रास्ता पार कर मौके तक पहुंचना पड़ा। एसडीएम लक्ष्मण सिंह कनेट ने बताया कि निचले पटारना के नौतोड़ में दो महिलाएं मलबे में दब गई थी, जिनकी पहचान शारदा देवी पत्नी जय सिंह पुत्र मंगल चंद और लीलू देवी पत्नी कृष्ण चंद के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद शारदा देवी के शव को मलबे से निकाल लिया गया है, जबकि लीलू देवी की तलाश जारी है। उन्होंने जानकारी दी कि निचला पटारना गांव में कृष्ण चंद पुत्र मंगल चंद, जय सिंह पुत्र मंगल चंद और धर्मवीर पुत्र वस्त राम आदि के तीन मकान, तीनों की गोशालाएं क्षतिग्रस्त हुईं। उन्होंने बताया कि चारों ओर सड़कें बंद होने के चलते शव का पोस्टमार्टम मौके पर ही कर दिया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। एसडीएम लक्ष्मण सिंह कनेट ने बताया कि प्रशासन की ओर से मृतक के परिजनों को 25 हजार रुपए, जबकि घायल को दो हजार पांच सौ रुपए और मकान क्षतिग्रस्त होने पर मकान मालिकों को 10 – 10 हजार रुपए की फौरी राहत प्रदान कर दी गई है।

वहीं, आनी के विधायक लोकेंद्र कुमार भी शुक्रवार सुबह कराड़ पंचायत के निचले पटारना गांव में हुए दर्दनाक हादसे सहित क्षेत्र में बारिश से हुए नुकसान की सूचना मिलते ही शिमला से विधानसभा सत्र बीच में छोड़कर आनी की ओर निकल पड़े। लोकेंद्र कुमार ने इस घटना पर गहरा शोक प्रकट करते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

खादवी गांव में कई मकान क्षतिग्रस्त

प्रभावित परिवारों को किया सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट

अनंत ज्ञान, आनी

आनी में शुक्रवार की सुबह बारिश आफत के रूप में बरस पड़ी। इसमें कई परिवार बेघर हो गए और कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। शुक्रवार सुबह बुछैर पंचायत के खादवी गांव में भी कई घर मलबे की चपेट में आए हैं। बुछैर पंचायत की प्रधान चंद्रा ठाकुर ने बताया कि जोगिंद्र पाल, चंद्र पाल और कमलेश के मकानों को क्षति पहुंची है, जिन्हें घरों को खाली कर सुरक्षित स्थानों पर निकलने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि इसी पंचायत के सरट गांव में भी कई मकानों पर भूस्खलन का खतरा मंडराया हुआ है।

खादवी गांव में भारी बारिश की भेंट चढ़ा मकान और मकान को खाली करते हुए ग्रामीण।

पंचायत प्रधान चंद्रा ठाकुर ने बताया कि प्रभावित परिवारों को क्षेत्र के ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं, जाबन क्षेत्र की देउरी खड्ड में छनौट नाला उफान पर आने से सड़क किनारे खड़ी एक स्विफ्ट कार बह गई। लगातार हो रही वर्षा से नेशनल हाईवे-305 पर आनी-लुहरी मार्ग निमला में और आनी-कुल्लू मार्ग फरेडनाला सहित कई अन्य स्थानों पर यातायात ठप हो गया। आनी लुहरी के बीच यातायात को बहाल कर दिया गया है, जबकि आनी-कुल्लू के बीच हाइवे बाहाली का कार्य चला हुआ है। इसके अलावा आनी से चवाई, आनी से तराला सड़क मार्ग गुगरा में बाढ़ से बाधित है, जबकि आनी-बश्ता, कोठी, करशेईगाड सहित अनेक ग्रामीण सड़कें भी अवरुद्ध हो गई हैं। लगातार भूस्खलन और बाढ़ की घटनाओं से क्षेत्र में जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बहाली कार्य शुरू कर दिए हैं। वहीं, एसडीएम आनी लक्ष्मण सिंह कनेट ने बताया कि बुछैर पंचायत में हुए नुकसान का जायजा लेने राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत प्रधान से संपर्क कर प्रभावित परिवारों की उचित व्यवस्था के निर्देश दे दिए गए हैं।

हिंदी भाषा के महत्व पर डाला प्रकाश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र मौहल-कुल्लू में शोध व विकास में राजभाषा हिंदी की भूमिका व अनुप्रयोग राष्ट्रीय हिंदी कार्यशाला शीर्षक पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों से लगभग 30 विशेषज्ञों तथा शोधार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियां देकर सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा विज्ञान तथा शोध के परिणामों को जन साधारण तक पहुंचाने में हिंदी भाषा के महत्व तथा भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान की ओर से कार्यक्रम संयोजक व समन्वयक, ईआर के सिंह, वैज्ञानिक-एफ तथा क्षेत्रीय केंद्र प्रमुख, सह-संयोजक व आयोजन सचिव डॉ. सरला शाशनी, वैज्ञानिक-ई, डॉ. मनीष त्रिपाठी, वैज्ञानिक-बी तथा डॉ. किशोर कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सह-संयोजक डॉ. वसुधा अग्निहोत्री, वैज्ञानिक-ई, डॉ. केसर चंद, वैज्ञानिक-डी, उपस्थित रहे।

खराब मौसम व ब्यास की लहरों ने फिर डराए मनालीवासी

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान

मनाली। दो दिन की धूप के बाद मनाली में शुक्रवार को एक बार फिर सुबह से बारिश का दौर जारी रहा, जिससे पलचान से कुल्लू तक नदी किनारे बसे लोगों में खौफ पैदा हो गया। लोग कभी आसमान से गिरते पानी की बूंदों को तो कभी ब्यास नदी की उठती लहरों को देखते रहे। हालांकि, बारिश के बावजूद बाढ़ ग्रस्त इलाकों में सड़क बहाली का कार्य जारी रहा।

मनाली के नजदीक अलेउ में सुबह से ही लोक निर्माण विभाग की टीम लगातार काम में लगी रही। उम्मीद है कि छोटी गाड़ियों के लिए यहां यातायात बहाल कर दिया जाएगा। उधर, ओल्ड मनाली में गांव वासियों ने मिलकर श्रमदान कर एकता की मिसाल पेश करते हुए क्षतिग्रस्त सड़क को यातायात के लिए खोल दिया है, जिस की पूरे मनाली में प्रशंसा हो रही है। कुल्लू-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी वॉल्वो स्टैंड आलू ग्राउंड और बिंदु ढांक के पास जस का तस है। एनएचएआई वहां पर ठीक ढंग से काम भी शुरू नहीं कर पाया है। एनएचएआई की लेट लतीफी और कछुआ चाल से स्थानीय लोग खासे नाराज हैं और अब तो विभाग के खिलाफ प्रदर्शन की भी तैयारी चल रही है।

मनाली में बहाली कार्य में जुटी मशीनरी और लोग, जो कि रात-दिन एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं।

स्थानीय निवासी रमेश कुमार, श्याम लाल, सुभाष, अमर सिंग और प्रीतम ने बताया कि इस साल पर्यटन कारोबारियों के साथ साथ किसानों को भी भारी नुकसान हुआ है। मनाली उपमंडल में अधिकांश लोगों की आजीविका का मुख्य साधन कृषि और पर्यटन है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द यातायात बहाल नहीं हुआ, तो सेब मंडी तक नहीं पहुंचा पाएंगे, जिससे भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि जल्द केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से मिलकर कुल्लू, मनाली और मंडी में यातायात व्यवस्था को सुचारू करने का आग्रह करें।

कटराईं में बारिश प्रभावित क्षेत्र का विधायक भुवनेश्वर ने किया मुआयना

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

जिले में भारी बारिश के चलते विभिन्न स्थानों पर तांडव मचा चुकी ब्यास नदी की प्रचंड धारा के सामने घाटी का सबसे सुरक्षित माने जाने वाला कटराईं गांव भी अब भूस्खलन की जद में आ चुका है।

ब्यास नदी पूरे बेग के साथ कटराईं की तरफ बाले छोर से टकरा रही है, जिससे कुछ रिहायशी मकानों को भी भारी खतरा पैदा हो गया है, जबकि हालिया बारिश के कारण स्थानीय निवासी कृष्ण लाल के आठ कमरों का तथा दूसरा पांच कमरों का मकान पूरी तरह से खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इन घरों में कृष्ण लाल, दो बेटों के परिवार तथा 15 प्रवासी बिहारी मजदूर किरायेदार के तौर पर रहते थे। मकान कभी भी जमींदोज हो सकता है। वहीं, भूस्खलन से भयभीत कुछ लोग अपने रिहायशी मकानों को छोड़कर लोगों के घरों में शरण लेकर रह रहे हैं। कटराईं गांव के इसी छोर की तरफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लोक निर्माण विभाग के कार्यालय, राजकीय कृषि अनुसंधान के कार्यालय तथा आवासीय कॉलोनी, मिशन अस्पताल मनाली की संपत्ति तथा लोगों के निजी आवास शामिल हैं। आने वाले समय में इन्हें भी भूस्खलन से खतरा उत्पन्न हो गया है। उधर, भूस्खलन से प्रभावित लोगों ने विधायक को स्थिति से अवगत करवाते हुए कटराईं गांव को भूस्खलन के खतरे से बचाने के लिए समय रहते ठोस कदम उठाए जाने की गुहार लगाई है। विधायक ने कहा कि विपदा की इस घड़ी में हिमाचल सरकार लोगों के साथ खड़ी है और आश्वासन दिया कि सरकार की तरफ से प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगा। आने वाले समय में सरकार द्वारा क्षेत्र में बाढ़ से निपटने तथा रिहायशी इलाकों को भूस्खलन से बचाने के लिए बड़ी योजना पर कार्य किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

गैस एजेंसियों में मिलेगी डिजिटल पेमेंट सुविधा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला नियंत्रक खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले जिला कुल्लू अरविंद शर्मा ने कहा कि घरेलू गैस उपभोक्ताओं की सुविधा व डिजिटल पेमेंट के प्रचलन व मांग को देखते हुए जिले की सभी गैस एजेंसियों को यह सुविधा देने के लिए कहा गया है। उपभोक्ता डिजिटल मैन से इस सुविधा की मांग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता की दृष्टि से भी डिजिटल भुगतान की महत्वपूर्ण भूमिका है। डिजिटल पेमेंट की सुविधा उपलब्ध ब्यौरा, जिले की समस्त गैस एजेंसियों का ब्यौरा गैस एजेंसी के नाम, डिजिटल पेमेंट कंपनी के नाम तथा मोबाइल नंबर सहित जारी किया गया है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गैस सिलेंडर खरीदते समय अधिकाधिक डिजिटल भुगतान करें।

जलशक्ति विभाग का किया सहयोग

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। जिला कुल्लू के मंडलगढ़ पंचायत के अंतर्गत डोभी शिम गांव में भारी बारिश के कारण जलापूर्ति दो दिनों से बाधित हो गई थी। लोग दूसरी जगह से पानी लाने को मजबूर हो गए थे। शिम गांव में रोड की खस्ता हालत देख कर टैंकर द्वारा भी घर द्वार पानी पहुंचना असंभव था। शुक्रवार को डोभी, शिम के नौजवान लड़कों ने मिल कर जल शक्ति विभाग का सहयोग किया। फोजल नाले में भारी बाढ़ आने के कारण पूरी पाइप लाइन ध्वस्त हो गई थी। पुरानी पाइपों को बाढ़ ने अपनी चपेट में ले लिया था। सहायक अभियंता जल शक्ति विभाग योगेश कुमार ने बताया कि लगभग छह सो मीटर का स्ट्रेच पर जल शक्ति विभाग को पाइपों का नुकसान हुआ है, जिसमें लगभग तीस नई पाइप और कुछ पुरानी पाइपों को जोड़ा जाएगा। इससे डोभी शिम गांव में रह रहे हजारों लोगों को पानी जल्द उपलब्ध होगा।

हरिपुर कॉलेज में शिक्षकों ने मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

अनंत ज्ञान, मनाली

आपदा के समय में रास्ते न होने पर विद्यार्थियों की अनुपस्थिति में एकजुटता का संदेश देते हुए राजकीय महाविद्यालय हरिपुर, मनाली में शिक्षकों ने राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। शारीरिक शिक्षा विभाग प्रमुख प्रो. ज्योति बाला ने बताया कि खराब मौसम और विकट परिस्थितियों के कारण शैक्षणिक संस्थान विद्यार्थियों के लिए 30 अगस्त तक बंद हैं। ऐसे में कॉलेज में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को और उनके प्रयासों को याद करते हुए सभी शिक्षकों ने राष्ट्रीय खेल दिवस को खूब उत्साह और उल्लास के साथ मनाया।

प्रो. सन्नी पुरुष वर्ग में शतरंज और कैरम बोर्ड, टेबल टेनिस के संयोजक रहे। ये मैच लीग मैच है जो 29–31 अगस्त तक चलेंगे। महिला वर्ग में कबड्डी, टेबल टेनिस, रस्सी कूद, पिट्ठू, खो-खो, शतरंज का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. शेफाली ने सभी को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई दी। मौसम और रास्ते खराब होने से विद्यार्थियों की अनुपस्थिति में शिक्षकों ने खेल दिवस को उत्साह पूर्वक मनाया। डॉ. शेफाली ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस की थीम एक घंटा, खेल के मैदान में हैं। हरिपुर कॉलेज के सभी शिक्षकों ने राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 का विषय शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देने के लिए खेल जो विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे खेल बाधाओं को तोड़ सकते हैं, इस विषय को आज सार्थक किया। डॉ. शेफाली ने कहा कि कॉलेज शुरू होने पर विद्यार्थियों के लिए लिए खेल दिवस को दोबारा मनाया जाएगा । सफल कार्यक्रम के लिए उन्होंने प्रो. ज्योति बाला और संपूर्ण स्टाफ को बधाई दी।

कुछ लोग आपदा में भी ढूंढ रहे अवसर: गोविंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि भारी बारिश व बाढ़ जैसी घटनाओं से हिमाचल प्रदेश की जनता त्रस्त है, लेकिन प्रदेश के मुखिया सूक्खू बिहार में राहुल गांधी के साथ मस्त हैं। उन्होंने कहा कि बरसात में लोगों को मुसीबत से बाहर निकालने में सरकार पूरी तरह से नाकाम रही है।

यह बात गोविंद सिंह ठाकुर ने कुल्लू में एक पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आपदा में अवसर तलाशकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार केंद्र सरकार ने लैफ्ट बैंक मार्ग के लिए करोड़ों रुपए दिए थे, लेकिन प्रदेश सरकार ने अपने लोगों को ठेके देकर इसमें भ्रष्टाचार करने का काम किया है। इसी तरह पलचान से लेकर औट तक ड्रेजिंग के नाम पर भारी मात्रा में पत्थर और रेत निकाला गया, लेकिन नदी से निकाला यह पत्थर और रेत किसे बेचा गया इसका कोई पता नहीं है। उन्होंने कहा है कि नदी

पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद सिंह ठाकुर कुल्लू में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए।

से अवैज्ञानिक तौर पर दोहन करने से इस बार की बाढ़ ने 2023 से भी ज्यादा नुकसान किया है। उन्होंने कहा कि लोग खुद ही सड़कें ठीक करने का काम कर रहे हैं।

आपस में पैसे इकट्ठे कर जेसीबी हायर कर रहे हैं, तब जाकर सड़क बहाल करने का काम किया जा रहा है। मनाली सहित लगघाटी, बंजार, आनी हर जगह लोग मुसीबत झेल रहे हैं, लेकिन सरकार व मुख्यमंत्री को लोगों की फिक्र नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ मित्रों को फायदा पहुंचने का काम कर रही है। वहीं, उन्होंने कहा कि इस समय सड़कें अवरुद्ध हैं और ऐसे में सेब व अन्य सब्जी सीजन के चलते कुल्लू व लाहौल के लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं।

उन्होंने कहा कि जिलेभर में बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है, लेकिन प्रभावितों को अभी तक फौरी राहत जिला प्रशासन की ओर से नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि हर साल सेब सीजन के दौरान जिलेभर में सेब कलेक्शन सेंटर खोले जाते थे, लेकिन इस सरकार ने कलेक्शन सेंटर तक नहीं खोले हैं, जिससे लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

कुल्लू जिले में एलपीजी गैस की किल्लत

मंडी प्रशासन से प्राथमिकता देने की मांग

अनंत ज्ञान, मनाली

जिला कुल्लू एलपीजी वितरक संघ के अध्यक्ष देवेंद्र नेगी ने कहा कि भारी वर्षा और भूस्खलन के कारण मंडी, सात मील और पंडोह क्षेत्रों में सुरक्षा और जाम की स्थिति को देखते हुए पिछले चार से पांच दिनों से बड़ी गाड़ियों को रोका जा रहा है।

इससे एलपीजी, डीजल और पेट्रोल ले जाने वाले टैंकर भी लंबी कतारों में फंसे हुए हैं। इससे कुल्लू जिले के कुल्लू, मनाली, भूंतर, बंजार, सैंज, बजौरा, औट और मणिकर्ण जैसे क्षेत्रों में घरेलू गैस की भारी किल्लत उत्पन्न हो गई है, जिससे हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देवेंद्र नेगी ने मंडी प्रशासन से आग्रह किया कि एलपीजी गैस, डीजल और पेट्रोल जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़ी गाड़ियों को प्राथमिकता के आधार पर रवाना करने के निर्देश मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को दिए जाएं। उन्होंने कहा कि यह मामला सेंशियल कमोडिटी यानी आवश्यक वस्तु के अंतर्गत आता है और खासतौर पर घरेलू गैस की आपूर्ति गृहिणियों के रसोई से जुड़ा मामला है, जो अत्यधिक संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि यदि इस स्थिति का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो आम जनता को भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। नेगी ने डीसी कुल्लू और एसपी कुल्लू से भी अनुरोध किया कि इस संवेदनशील मुद्दे को मंडी प्रशासन के ध्यान में लाया जाए, ताकि नियमों के तहत आवश्यक वस्तुओं से संबंधित गाड़ियों को आम भारी वाहनों की कतार से अलग निकाल कर समय पर गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। उनका कहना है कि यदि समय रहते गैस, डीजल और पेट्रोल की गाड़ियों को मंजूरी नहीं मिली, तो पूरे जिले में आपूर्ति व्यवस्था चरमरा सकती है। अतः प्रशासन को शीघ्रता से निर्णय लेकर आम जनता की समस्या को दूर करना चाहिए।

समीक्षा किरण भड़ाना ने कहा, वर्तमान में लाहौल में कोई भी पर्यटक फंसा नहीं

500 पर्यटकों को सुरक्षित मनाली पहुंचाया

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेते हुए डीसी लाहौल-स्पीति, प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे पुनर्वास प्रयासों की समीक्षा की।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

डीसी लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित पागल नाला और टेलिंग नाला के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राहत और बचाव कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे पुनर्वास प्रयासों की समीक्षा की।

डीसी ने बताया कि बाढ़ के कारण फंसे सभी पांच सौ पर्यटकों को प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरक्षित मनाली की तरफ पहुंचा दिया है। वर्तमान में लाहौल में कोई भी पर्यटक फंसा हुआ नहीं है। स्थानीय प्रशासन व बचाव दलों की तत्परता से यह कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया गया। बाढ़ से प्रभावित बिजली, दूरसंचार और जल आपूर्ति सेवाओं को पूर्ण रूप से बहाल कर दिया गया है। क्षेत्र में सामान्य जनजीवन को सुचारु करने के लिए प्रशासन ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।

ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डीसी लेह के साथ समन्वय स्थापित किया गया, जिसके तहत 10,000 लीटर पेट्रोल और 10,000 लीटर डीजल की आपूर्ति की जा चुकी है। कुछ ईंधन टैंकर, जो मार्ग में बाधाओं के कारण रुके थे, अगले 24-48 घंटों में अपने गंतव्य तक पहुंच जाएंगे।

राहत और बचाव कार्य

प्रशासन द्वारा सड़कों पर फंसे ट्रकों को निकालने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है, जिसे अगले दो-तीन दिनों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए प्रशासन द्वारा भोजन, पीने का पानी, सूखा राशन, कंबल, और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की जा रही है। राहत शिविरों में पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि कोई भी व्यक्ति मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। किसानों की फसलों को बाढ़ से हुए नुकसान से बचाने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रभावित खेतों की फसलों को सुरक्षित उठाने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जा रही है।

जनता से की अपील

डीसी किरण ने जनता से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति को सामान्य करने के लिए दिन-रात कार्य कर रहे हैं। जनता से अनुरोध है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

राष्ट्रीय आपदा राज्य घोषित करे केंद्र

अनंत ज्ञान, मनाली। अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस और प्रसिद्ध बागवान नकुल खल्लर ने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय आपदा राज्य घोषित करे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर से अपील की है कि हिमाचल प्रदेश को तुरंत राष्ट्रीय आपदा राज्य घोषित किया जाए और केंद्र से तात्कालिक राहत कोष जारी किया जाए। प्रसिद्ध बागवान नकुल खल्लर ने कहा कि हाल ही में कुल्लू-मनाली में आई बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं ने खूब तबाही मचाई है। सड़कें, पुल, घर और कारोबार खंडहर बन गए हैं। इस आपदा ने न केवल पर्यटन व बागवानी को प्रभावित किया है, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका पर भी गहरा असर डाला है। नकुल ने हिमाचल के पर्यटन और बागवानी क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज की मांग की, जिसमें सड़कों, पुलों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए अलग से निधि शामिल हो।

गुलशन पेंशनर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी में शामिल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन को पेंशनर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी में शामिल किया गया है। संघ ने प्रदेशाध्यक्ष को ज्वाइंट एक्शन कमेटी में शामिल करने को लेकर खुशी जाहिर की है।

संघ के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिला कांगड़ा पेंशनभोगी संघ के संयोजक नरेंद्र कुमार, महासचिव मिलाप चंद, प्रदेश उपाध्यक्ष व भुंतर इकाई के महासचिव खुशहाल चंद नेगी, सब्जा चंद, महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष लीला डोगरा, संगठन सचिव मनोरमा डोगरा, कोषाध्यक्ष तेज सिंह ठाकुर, जिला कुल्लू पेंशनभोगी संघ के अध्यक्ष दयाल सिंह ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं भुंतर खंड के अध्यक्ष ओंकार दत्त शर्मा, महासचिव किरण चंद शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, लीला वर्मा, भागचंद ठाकुर, प्रदेश वरिष्ठ सलाहकार एमआर संगरोली, सलाहकार सीताराम ठाकुर, जयकृष्ण ठाकुर, जिला मंडी पेंशनभोगी संघ के संयोजक कन्हैया लाल, कुल्लू शहरी इकाई के अध्यक्ष तेजा सिंह ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष खेम सिंह हांडा, सैंज इकाई के अध्यक्ष नारायण सिंह चौहान, महासचिव शेर सिंह ठाकुर, आनी खंड इकाई के संयोजक मंगलदास सहित अनेक पेंशनर नेताओं ने जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि हिमाचल पेंशनभोगी संघ ही पेंशनर्स का एकमात्र प्रतिनिधि संगठन है, जिसने पिछले दिनों पेंशनर्स की ज्वाइंट एक्शन कमेटी के गठन पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए थे, क्योंकि हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ को विश्वास में लिए बगैर पेंशनर्स की कोई भी संयुक्त संघर्ष समिति आगे नहीं बढ़ सकती।

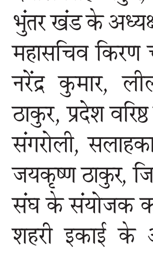

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पेंशनर वैलफेयर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष व ज्वॉइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन सुरेश ठाकुर, महासचिव इंद्रपॉल शर्मा, हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संघ के प्रदेश महासचिव भूपराम वर्मा के इस आग्रह पर कि हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन जैसे कर्मठ व जुझारू पेंशनर नेता की ज्वाइंट एक्शन कमेटी में नितांत आवश्यकता है, जो संयुक्त रूप से पेंशनर्स के संघर्ष को धार देने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन को निकट भविष्य में करीब 15 सिस्टर पेंशनर संगठनों की ज्वाइंट एक्शन कमेटी में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि समानांतर गुट के निष्कासित नेता आत्माराम शर्मा और कुल्लू में सिविल पेंशनर वैलफेयर एसोसिएशन के स्वयंभू अध्यक्ष सेसराम ठाकुर को ज्वॉइंट एक्शन कमेटी में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि उन्हें कोई भी संबद्धता (एफिलिएशन) नहीं दी गई है।

आपसी विचार-विमर्श के बाद बनाई ज्वाइंट एक्शन कमेटी

संयुक्त संघर्ष समिति के गठन के फुलस्वरूप किसी भी मान्यता प्राप्त पेंशनर संगठन की स्वायत्तता पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। सभी पेंशनर्स एसोसिएशन अपने-अपने स्तर पर पेंशनर्स की समस्याओं के समाधान के लिए आवाज बुलंद करने के लिए स्वतंत्र होंगे, क्योंकि सभी पेंशनर्स की एक जैसी समस्याएं हैं। आज तक पेंशनर संगठनों द्वारा अलग-अलग आवाज उठाने से प्रदेश सरकार के कान में कोई जूं तक नहीं रेंगी। अतः सभी पेंशनर्स नेताओं ने आपसी विचार विमर्श के बाद ज्वाइंट एक्शन कमेटी यानि संयुक्त संघर्ष समिति के गठन की आवश्यकता महसूस की।

न्यूज ब्रीफ

युवा नहीं कर पा रहे अग्निवीर भर्ती की तैयारी

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला मुख्यालय नाहन में अग्निवीर भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे सैकड़ों युवाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है अपनी परेशानियों के बारे में शुक्रवार को युवाओं ने डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा से मुलाकात कर उन्हें समस्या से अवगत करवाया। डीसी से मिलने पहुंचे युवाओं ने बताया कि उन्हें अग्निवीर भर्ती परीक्षा की तैयारी करने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उनके पास तैयारी करने के लिए कोई उपयुक्त स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि युवा भर्ती की तैयारी करने सैरगाह विला राउंड व चंबा ग्राउंड जाते थे, मगर वहां पर उन्हें अब रोका जा रहा है, जिसके चलते वह भर्ती की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं। युवाओं ने मांग की है कि उन्हें भर्ती की तैयारी करने के लिए चंबा ग्राउंड नाहन में परमिशन दी जाए, ताकि वह अच्छे तरीके से तैयारी कर सकें। उन्होंने कहा कि अक्सर नाहन में इस तरह की समस्याओं से युवाओं को जूझना पड़ता है, ऐसे में कोई स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि नवंबर माह में अग्निवीर की भर्ती और परीक्षा निश्चित है, ऐसे में यदि समय पर उन्हें कोई स्थान तैयारी करने के लिए नहीं मिल पाता है, तो उन्हें इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

हनुमान बड़ोग स्कूल में मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राजकीय उच्च विद्यालय हनुमान बड़ोग में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सायं कालीन सत्र में विद्यार्थियों की मैत्रीपूर्ण खो-खो, कबड्डी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गईं। इसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मनोरंजक खेल खेले। मुख्याध्यापक पीसी बद्दू ने संबोधित करते हुए बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेजर ध्यान चंद के जन्मोत्सव पर मनाया जाता है। वे भारत में हॉकी के महान खिलाड़ी थे, जिन्होंने वर्ष 1928, 1932 तथा 1936 में भारत को हॉकी में गोल्ड मेडल दिलाया। आज हम उन्हें श्रद्धा पूर्वक याद करते हैं। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हेमचंद शर्मा सहित अध्यापक तथा प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक भी उपस्थित रहे।

एनएच-707 पर मरम्मत व बहाली कार्य जारी

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। कच्ची ढांक राष्ट्रीय राजमार्ग-707 पर सड़क की मरम्मत व बहाली का कार्य प्रगति पर है। सुरक्षा कारणों से प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक अथवा आज शाम तक इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। हल्के वाहन आवश्यक सावधानियों के साथ आवागमन कर सकते हैं। मार्ग पर तैनात पुलिस व प्रशासनिक कर्मचारी यातायात को नियंत्रित कर रहे हैं। सभी वाहन चालकों एवं आमजन से अनुरोध है कि धैर्य व सहयोग बनाए रखें तथा प्रशासन द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें।

मक्कड़ वाली में बारिश से फसलों को नुकसान

अनंत ज्ञान, नाहन। सिरमौर जिले में बीती रात से हो रही वर्षा से नाहन क्षेत्र के शंभू वाला, मक्कड़ वाली में फसलों सहित भारी नुकसान हुआ है। मार्कंडेय नदी के साथ लगते इन गांव में नुकसान पहुंचा है। रात से यहां वर्षा का क्रम जारी रहा, जो कि दोपहर तक चला। इसके चलते मार्कंडेय नदी में बहुत पानी आ गया और पानी किनारों में खेतों को नुकसान पहुंचाता हुआ निकल गया। इससे किसानों को बहुत नुकसान हुआ है, लेकिन कोई जानि नुकसान नहीं हुआ है।

खुशबू ने नेशनल कराटे चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

अनंत ज्ञान, सोलन। स्टार कराटे अकादमी की एक प्रतिभाशाली छात्रा खुशबू ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित प्रतिष्ठित नेशनल कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि हिमाचल के लिए एक मील का पत्थर साबित होती है, क्योंकि खुशबू राज्य की पहली लड़की और पहली कराटे खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर सीनियर काता इवेंट में स्वर्ण पदक जीता है। यह चैंपियनशिप 25 से 27 अगस्त तक आयोजित की गई थी। इसमें देश भर के छात्रों ने भाग लिया था, जिससे खुशबू की जीत और भी प्रभावशाली हो गई है, जो बात और भी उल्लेखनीय है, वह है खुशबू की निरंतर उत्कृष्टता, जिन्होंने नॉर्थ ईस्ट कराटे चैंपियनशिप और नेशनल गेम्स में स्वर्ण और ऑल इंडिया चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है।

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक 25 को

अनंत ज्ञान, सोलन। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण सोलन की बैठक 25 सितंबर को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सोलन कविता ठाकुर ने दी। कविता ठाकुर ने सभी आवेदकों से आग्रह किया सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर संबंधित रूट के आवेदन पत्र 12 सितंबर तक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सोलन कार्यालय में जमा करवाना सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने कहा कि 12 सितंबर के उपरांत रूट के लिए कोई भी आवेदन स्वीकृत नहीं किए जाएंगे। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने कहा कि पूर्व में हुई क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण सोलन की बैठक में यदि 24 किलोमीटर या उससे अधिक का संशोधन हुआ हो, तो उनके आवेदन स्वीकृत नहीं किए जाएंगे।

अरुणा शर्मा बनी संरक्षिका की प्रधान

अनंत ज्ञान, सोलन। शहर में सामाजिक कार्यों में अग्रणी संरक्षिका संस्था की बैठक प्रो. आरके पठानिया की अध्यक्षता में हुई। इसमें नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अरुणा शर्मा को प्रधान, मोनिका बंसल को उपप्रधान, राजेश ठाकुर को महासचिव, अंजना ठाकुर को संयुक्त सचिव व विजय लांबा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा संतोष कालरा, मोनिका कुमार, कृष्णा, गीता, कमलेश गुप्ता, शगुन, रश्मि पांडे गीतिका शर्मा व रागनी डोगरा समेत अन्य मौजूद रहे।

डीसी चंबा के अभद्र व्यवहार की निंदा की

अनंत ज्ञान, सोलन। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन सोलन यूनिट द्वारा जिला उपायुक्त चंबा की वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ कथित अभद्र व्यवहार की कड़ी निंदा की गयी है, जिसके विरोध में जिला बार एसोसिएशन चंबा और स्थानीय नागरिकों द्वारा जिला मुख्यालय स्थित टैक्सी स्टैंड के बाहर जोरदार प्रदर्शन, चक्का जाम व धरना दिया गया। सोलन यूनिट इस घटना से आहत है। इसमें डीसी चंबा ने वरिष्ठ अधिवक्ता की वर्दी व कॉलर पकड़कर अपमानजनक व्यवहार किया। यह घटना मणिमहेश यात्रियों की समस्या और जिले में दूरसंचार सेवाओं के ठप होने को लेकर बातचीत के दौरान हुई, जिसमें प्रशासन की संवेदनहीनता उजागर हुई। ऐसे प्रशासनिक अधिकारी का कृत्य लोकतांत्रिक मूल्यों और विधि के शासन की गंभीर अवहेलना है। सोलन यूनिट अध्यक्ष देव शर्मा व महासचिव नितीश ठाकुर अधिवक्ता ने बताया कि जिला बार एसोसिएशन चंबा के साथ एकजुटता व्यक्त करती है, जिन्होंने निडर होकर चक्का जाम और पुतला दहन किया तथा डीसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने व उसकी कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की। यह अधिवक्ताओं के अधिकारों, पारदर्शिता और न्याय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यूनिट ने इस घटना की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच तत्काल शुरू की जाए।

तटीकरण बांध टूटने से गांव को खतरा

अनंत ज्ञान, नाहन। सिरमौर जिला में तहसील माजरा में बाता नदी उफान पर है और भारी नुकसान पहुंचा रही है। नदी ने तटीय बांध क्षतिग्रस्त कर दिए हैं और नायब तहसीलदार खुद मौके पर पहुंचे हैं। नदी तटीयबांध टूटने से लोगों को घर छोड़ कर सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा। माजरा उपतहसील माजरा के नायब तहसीलदार ने मौका मुआयना के बाद निर्देश दिए। गांव निकला सेन वाला में बाता नदी के कटाव में नदी का तटीकरण बांध पूरी तरह तोड़ दिया है यदि ऊपरी इलाकों में तेज बारिश हुई, तो कभी भी लगभग 22 घर 800 बीघा जमीन पशु और ग्रामीण को जल मग्न होने का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात्रि नदी में तेज पानी आने से तटीकरण बांध टूटने से गांव को खतरा पैदा हो गया है एसडीएम पांवटा को भी अवगत करवाया चुके हैं ग्रामीण नायब तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन दे चुके हैं जल्द समाधान किया जाए।

पीडब्ल्यूडी को लगी 80 करोड़ की चपत

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। जिला सोलन में बारिश का कहर जारी है। पिछले 24 घंटों के दौरान सोलन जिले में अकेले लोक निर्माण विभाग को करीब 3 करोड़ की चपत लगी। बारिश से अब तक सड़कों और पुलों को हुए नुकसान का आंकड़ा 80 करोड़ तक पहुंच गया है। जिले के विभिन्न मंडलों में भूस्खलन, डंगों के गिरने और अन्य बारिश के चलते 37 मार्ग अवरुद्ध हुए हैं। हालांकि, सड़कों को खोलने के लिए विभाग ने 61 जेसीबी और डोजर काम पर लगाए हैं। सोलन मुख्यालय के सोलन-बड़ोग और सोलन जौणाजी रोड भी भूस्खलन के चलते बंद हो गए। सोलन का शीलो रोड भी बाधित हुआ। बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है कई जगहों पर भूस्खलन के चलते लोग सहमे हुए हैं। वहीं नदी नालों के समीप रहने वाले लोगों की भी मूसलाधार बारिश ने नींद उड़ा रखी है।

सोलन-बड़ोग सड़क पर हुआ भूस्खलन।

> पिछले दो दिनों में हुई भारी बारिश से जिले में 37 मार्ग अवरुद्ध हुए थे, जिनमें से 19 मार्गों को बहाल कर दिया गया है, अब तक विभाग को 80 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। विभाग सड़क मार्गों की बहाली को लेकर लगातार काम में जुटा है।
> **ई. अजय शर्मा, अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग सोलन।**

कसौली मंडल में अधिक नुकसान

अभी तक हुए 80 करोड़ के नुकसान में सबसे अधिक 25 करोड़ 39 लाख 11 हजार का नुकसान कसौली मंडल को हुआ है। वहीं, नालागढ़ मंडल भी पीछे नहीं है और इस मंडल में अब तक 20 करोड़ 79 लाख 26 हजार का नुकसान हो चुका है। इसके अतिरिक्त अर्की मंडल में 15 करोड़ 79 लाख 7 हजार और सोलन मंडल में 2 करोड़ 75 लाख 50 हजार का नुकसान हुआ है।

तीन दिनों में अकेले लोक निर्माण विभाग को 7 करोड़ रुपए का हुआ नुकसान

तीन दिनों में अकेले लोनिवि को ही करीब 7 करोड़ से अधिक की चपत लगी है। इस बारिश के चलते जहां नदियां-नाले उफान पर हैं, वहीं सड़कों, पेयजल योजनाओं को भी खासा नुकसान पहुंचा है। आलम यह है कि जिला के विभिन्न मंडलों में भूस्खलन, डंगों के गिरने और अन्य बारिश के चलते 37 मार्ग अवरुद्ध हुए हैं, जिन्हें खोलने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है, लेकिन बार-बार हो रही बारिश इस कार्य में भी बाधा बनी हुई है। बारिश के चलते बाहरी राज्यों को जाने वाले रूटों को छोड़कर निगम के बाकी सभी रूट प्रभावित हुए हैं और कई दर्जन रूट ऐसे हैं, जो कि पूरी तरह से बंद पड़े हैं। कुछ ऐसा ही हाल पेयजल योजनाओं का भी है। नदी-नालों के उफान व भूस्खलन से पेयजल योजनाओं को भी खासा नुकसान पहुंचा है। बारिश से बिजली बोर्ड को भी नुकसान झेलना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि बरसात के इस मौसम की बारिश ने जहां जिलेभर में करोड़ों रुपए का नुकसान किया है, वहीं पिछले दो दिनों से लगातार जारी बारिश ने अपना असली रूप दिखाया है। बीते दिनों हुई बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिला के नदी-नाले व खड्डें उफान पर हैं और कई नदियों ने आसपास की जमीन को काटना भी शुरू कर दिया है। कई जगहों पर तो नालों ने सड़कों की ओर रुख कर लिया है, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ है। जगह-जगह हुए भूस्खलन व पत्थरों के गिरने से सड़कों को खासा नुकसान पहुंचा है। बारिश से जिले के नालागढ़ मंडल में 12, अर्की में 10, सोलन में 10 और कसौली मंडल में 5 मार्ग बार बार अवरुद्ध हो रहे हैं। इन मार्गों को खोलने के लिए लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी लगातार फील्ड में डटे हुए हैं और भारी बारिश के बीच भी अब तक उन्होंने 26 मार्गों को सुचारू कर दिया है और बाकि बचे 11 मार्गों पर भी कार्य जारी है।

सोलन में डीसी रेजिडेंस के पास भूस्खलन से मकानों को खतरा

अनंत ज्ञान, सोलन

जिले में बीती रात हुई भारी बारिश से खासा नुकसान हुआ। शहर के शिल्ली रोड पर डीसी रेजिडेंस के पास हुए भूस्खलन से कई मकानों पर खतरा मंडरा गया है। पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने से शूलिनी माता मंदिर से शिल्ली की ओर जाने वाला रास्ता बंद हो गया है। लोक निर्माण विभाग की मदद से जेसीबी मशीन लगाकर सड़क को खोला जा रहा है। इस हादसे से स्थानीय निवासी पृथ्वी चंद का घर सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। मलबा उनके छोटे भाई के मकान में घुस गया। उन्होंने बताया कि कल रात 11 बजे दीवार गिरने से करीब 25 हजार रुपए का नुकसान हुआ था, लेकिन और देर रात करीब ढाई बजे पूरी पहाड़ी खिसक गई, जिससे कमरे तक मलबा भर गया। इस कारण सारी रात चिंता में कटी। पृथ्वी चंद ने कहा कि यह किसी की गलती नहीं, बल्कि प्राकृतिक आपदा है, लेकिन नुकसान का सही आकलन अभी नहीं हो सकता। उन्होंने नगर निगम से कार्रवाई की मांग की, जिसके बाद जेसीबी मौके पर भेजी गई, अब मलबा साफ करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बचा हुआ मलबा जल्द नहीं हटाया गया, तो दोबारा बारिश में सड़क फिर बंद हो जाएगी। साथ ही उन्होंने आशंका जताई कि ऊपर बने फ्लैट्स के सीवरेज सिस्टम और पुरानी पानी की पाइपें भी भूस्खलन की वजह बन सकती हैं, जिसकी जांच आवश्यक है।

सिरमौर प्रशासन की स्कूल बंद नोटिफिकेशन पर सवालिया निशान

एसपी जैरथ, अनंत ज्ञान

नाहन। जिला सिरमौर की डीसी और डीडीएमए अध्यक्ष प्रियंका वर्मा द्वारा जारी नोटिफिकेशन में बच्चों को तो आपदा से रेस्ट दिया गया है, मगर शैक्षणिक संस्थानों के अध्यापकों और मिनिस्ट्रियल स्टाफ को स्कूल आना पड़ेगा।

इस नोटिफिकेशन से यह साफ जाहिर हो जाता है कि आपदा बच्चों पर तो भारी पड़ सकती है, मगर अध्यापकों पर यह बेअसर साबित होगी। जाहिर है उफनते गड्ढे, नाले और नदियां अध्यापकों का रास्ता नहीं रोक पाएंगे और रास्तों में गिरते लैंडस्लाइड अध्यापकों पर व कर्मचारियों पर बेअसर साबित होंगे। हैरानी तो इस बात की है कि जब बच्चे ही स्कूल में नहीं होंगे, तो अध्यापक किसे पढ़ाएंगे। हालांकि, शिक्षा मंत्री व निदेशक के द्वारा बीते कल सभी के लिए छुट्टी के आदेश दिए गए थे, मगर शिक्षा विभाग के द्वारा आदेश जारी नहीं किए गए। ऐसे में डीसी भी निर्णय लेने की क्षमता में असमर्थ साबित रहे, अब यदि जिस तरीके से मौसम का मिजाज लगातार खतरनाक साबित हो रहा है और कहीं बड़ी अनहोनी हो जाती है, तो इसकी जवाबदेही सरकार की होगी या प्रशासन की। शिक्षा विभाग के एक जिम्मेदार अधिकारी ने तो यहां तक कहा कि यदि दोपहर तक कोई अधिसूचना आ जाती है स्टाफ को भी छुट्टी घोषित की जा सकती है। ऐसे में संभवत सरकार व प्रशासन को यह मालूम है कि कोई भी आपदा प्रदेश में कहीं भी दोपहर से पहले आने वाली नहीं है। आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 30 का प्रयोग जिला अध्यक्ष कर सकते हैं, मगर इस धारा के अंतर्गत जारी आदेशों के तहत शैक्षणिक विभाग के स्टाफ को शामिल नहीं किया गया है।

टोका नगला क्षेत्र में खड्ड में डूबा युवक सर्च ऑपरेशन जारी

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। पांवटा के तहत थाना अजीवाला ग्राम टोका नगला क्षेत्र में एक स्थानीय खड्ड में बलवंत पुत्र ओमप्रकाश निवासी टोका नगला के डूबने की दुखद घटना सामने आई है। सूचना मिलते ही प्रशासन द्वारा तत्काल राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया।

स्थानीय लोगों की सहायता से गोताखोरों को तैनात किया गया है और सर्च ऑपरेशन निरंतर जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बलवंत खड्ड के किनारे एक गाय को बचाने के प्रयास में पानी में उतर गया, जहां तेज बहाव के कारण वह खुद ही डूब गया। प्रशासन आमजन से अपील करता है कि इस प्रकार की जोखिम पूर्ण परिस्थितियों में तुरंत प्रशासन या राहत दल को सूचित करें और स्वयं खतरे में न पड़ें।

कंडाघाट कॉलेज में खेलो इंडिया फिट इंडिया के तहत कार्यक्रम शुरू। नशा निवारण भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ भी मनाई।

महिला कबड्डी में प्रियांशी ठाकुर की टीम विजयी

अनंत ज्ञान, कंडाघाट

कंडाघाट कॉलेज की आईक्यूएसी और नशा निवारण क्लब के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को खेलो इंडिया फिट इंडिया मुहिम के तहत तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू हुआ।

राष्ट्रीय खेल दिवस और नशा निवारण भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम के पहले दिन के कार्यक्रम में कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ. मदन लाल मनकोटिया बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। खेल समिति के संयोजक डॉ. हरिंद्र लाल ने इस कार्यक्रम में बताया राष्ट्रीय खेल दिवस, दिग्गज खिलाड़ी हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। कॉलेज में खेल दिवस पर कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। महिला कबड्डी में प्रियांशी ठाकुर की टीम और पुरुषों में अनीश की टीम विजेता रही। विजेता टीमों को प्रधानाचार्य ने ट्रॉफी प्रदान की। इसके साथ ही कॉलेज में नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ मनाई गई। इसमें भारत को नशा मुक्त करने के अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने और इस बुराई को जड़ से समाप्त करने की शपथ ली। नशा-निवारण क्लब व एनएसएस इकाई के नेतृत्व में समाज में जागरूकता के लिए कॉलेज से कंडाघाट बाजार तक रैली भी निकाली गई। इसमें सभी को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। कराड़घाट क्षेत्र के प्राथमिक व उच्च पाठशालाओं के बच्चों ने स्कूल के गांव में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। यह रैली नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत निकाली गई। इसमें बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। रैली के दौरान बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर तथा जोरदार नारों और स्लोगनों के माध्यम से ग्रामीणों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, स्वस्थ जीवन की यही है पहचान, नशा मुक्त हो देश और समाज महान जैसे नारों से गांव की गलियां गूंज उठीं। बच्चों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे नशे की लत से दूर रहें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों को बर्बाद करता है इसलिए नशे को त्यागकर ही एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।

पब्लिक स्कूल जगातखाना की विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि।

जगातखाना स्कूल ने जीती मेजर ध्यानचंद हॉकी प्रतियोगिता

प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान

कंडाघाट। जिला युवा सेवा व खेल विभाग सोलन ने राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर कंडाघाट के सीरिणग खेल मैदान में एकदिवसीय मेजर ध्यानचंद हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की। इस अंडर-19 पुरुष वर्ग हॉकी प्रतियोगिता में सोलन, कंडाघाट और नालागढ़ की टीमों के 50 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची पब्लिक स्कूल जगातखाना नालागढ़ और कंडाघाट की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले में पब्लिक स्कूल जगातखाना की टीम विजेता रही। जिला युवा सेवा व खेल अधिकारी सोलन भूपेंद्र वर्मा ने बताया कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का जन्मदिन 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हर साल विभाग कंडाघाट में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन करता है। उनके साथ आयोजक विभाग से सुमनलता, रक्षा वर्मा, ज्योति पंवार, अनिल शर्मा, सीताराम शर्मा, जयप्रकाश सहित कई कर्मचारी उपस्थित रहे। समापन सत्र में सीनियर सेकेंडरी स्कूल कंडाघाट के प्रधानाचार्य कुलदीप सूर्या ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों और युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

स्मार्ट बिजली मीटर पारदर्शिता व सटीक बिलिंग की दिशा में बड़ा कदम : अंकित

अनंत ज्ञान, राजगढ़

हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड लिमिटेड उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने व बिलिंग व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से पुराने बिजली मीटरों को बदलकर स्मार्ट बिजली मीटर लगा रहा है।

स्मार्ट मीटर एक आधुनिक उपकरण है, जो बिजली की खपत, वोल्टेज, करंट और पावर फैक्टर को वास्तविक समय में रिकॉर्ड करता है। यह बात सहायक अभियंता बिजली मंडल राजगढ़ अंकित वर्मा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही। उन्होंने कहा कि पारंपरिक मीटरों की तरह इसमें मैन्युअल रीडिंग लेने की आवश्यकता नहीं होती। उपभोक्ता द्वारा किया गया खपत का डेटा सीधे विभाग तक पहुंच जाता है। विभाग के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं व बिजली बोर्ड के बीच दो तरफा संचार की सुविधा प्रदान करेंगे। उपभोक्ता मोबाइल ऐप या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी खपत को वास्तविक समय में देख सकेंगे। इसके अलावा यह मीटर बिजली फाल्ट की सूचना भी विभाग तक पहुंचाने में सक्षम होंगे। स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं को कई फायदे होंगे। बिलिंग पूरी तरह सटीक और पारदर्शी होगी। हर महीने मीटर रीडर का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और उपभोक्ता खुद अपनी खपत को ट्रैक कर पाएंगे। हालांकि, कुछ उपभोक्ताओं ने शिकायत की है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिल अधिक आने लगे हैं। इस पर विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि पुराने मीटर कई बार सही रीडिंग नहीं देते थे और औसत खपत के आधार पर बिल बना दिए जाते थे। स्मार्ट मीटर लगने पर वास्तविक खपत व लंबित रीडिंग का बिल एक साथ आने से राशि अधिक लग सकती है। अंकित वर्मा ने कहा कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह से पारदर्शी व सटीक हैं यदि किसी उपभोक्ता को बिलिंग में कोई त्रुटि प्रतीत होती है, तो वह नजदीकी बिजली कार्यालय से तुरंत संपर्क करें। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और इस परिवर्तन में विभाग का सहयोग करें।

अनुराधा के गीत 'आफत' का डीसी ने किया विमोचन

अनंत ज्ञान, सराहां। पीएम श्री विद्यालय नारग में संगीत प्रवक्ता व लोक गायिका अनुराधा राही की सुरों की साधना से आफत शीर्षक से रचित भाव विभोर कर देने वाले गीत का विमोचन डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा व उपनिदेशक उच्च शिक्षा डॉक्टर हेमेंद्र बाली द्वारा किया गया। यह गीत मंडी आपदा त्रासदी के कारण हुई क्षति के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप संवेदना के भाव को प्रकट करता है। पहाड़ी बोली में रचित इस गीत के बोल देवदत्त शर्मा द्वारा लिखे गए हैं, संगीत दीपू आजाद ने दिया है और अनुराधा राही द्वारा अपनी मधुर आवाज के माध्यम से इसे मूर्त रूप दिया गया है। मूल रूप से कुनिहार (सोलन) से संबंध रखने वाली अनुराधा ने संगीत में रुचि रखते हुए इसी विषय के साथ एमफिल की पढ़ाई पूरी कर नेट परीक्षा भी उत्तीर्ण की। इन्होंने वर्ष 1999 में आई अपनी पहली एल्बम नॉन स्टॉप गिद्दे -40 से पहचान पाई और इन गिद्दों को आज भी बड़े शौक के साथ शादियों और अन्य समारोहों में बजा कर नाचा जाता है।

आयोजन | डीसी ने उपभोक्ताओं के लिए योजनाओं व पुनः केवाईसी शिविर को किया संबोधित

बैंक के पास लाभार्थी की जानकारी होना जरूरी

अनंत ज्ञान, सोलन

डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि प्रौद्योगिकी के इस युग में बैंकिंग सुविधाओं का पूरा लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि उपभोक्ताओं की अद्यतन जानकारी बैंक के पास हो।

डीसी सोलन जिले के लीड बैंक यूको बैंक द्वारा बैंक उपभोक्ताओं के लिए विभिन्न योजनाओं व पुनः केवाईसी शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वित्तीय कार्यों में बैंक सबसे महत्वपूर्ण हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनेक योजनाएं बैंकों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि बैंक के पास लाभार्थियों की उचित जानकारी हो। बैंक इस जानकारी को उपभोक्ताओं से संपर्क के माध्यम से नियमित अपडेट करता है, ताकि केवल सही व्यक्ति के साथ ही लेन-देन हो। डीसी ने कहा कि जन सुरक्षा योजनाओं के तहत खाता खुलवाने के लिए बैंक भी लक्षित वर्गों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए सभी लक्षित उपभोक्ताओं को स्वयं भी बैंक पहुंचकर अपनी जानकारी अपडेट करनी चाहिए और बैंक के आग्रह पर पुन: केवाईसी करवाना चाहिए। उन्होंने विभिन्न बैंकों के अधिकारियों से आग्रह किया कि विभिन्न जन सुरक्षा योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए नियमित शिविर आयोजित करते रहें। उन्होंने कहा कि इस संपर्क का उद्देश्य लोगों को वित्तीय एवं ऑनलाइन ठगी से बचाना है। विवेक गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय वित्तीय सेवाएं विभाग व भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देश में प्रथम जुलाई से 30 सितंबर तक वित्तीय समावेशन सेचुरेशन अभियान के अंतर्गत बैंक उपभोक्ताओं को विभिन्न वित्तीय योजनाओं व सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

शिविर का मुख्य उद्देश्य वित्तीय योजनाओं में उपभोक्ताओं की समुचित भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि अधिक से अधिक लोगों का वित्तीय सशक्तिकरण हो सके और सभी जानकारियां अद्यतन प्राप्त हो सकें। हिमाचल प्रदेश यूको बैंक के उपमहाप्रबंधक विवेक ने शिविर में प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व अटल पेंशन योजना सहित प्रमुख वित्तीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। लीड बैंक यूको बैंक के सोलन क्षेत्र की उपमहाप्रबंधक रचना मिश्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन सेचुरेशन अभियान का उद्देश्य देश की प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर आयोजित कर जनधन योजना, बीमा योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन योजनाओं तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाना है।

सोलन में यूको बैंक की ओर से बैंक उपभोक्ताओं के लिए विभिन्न योजनाओं और पुनः केवाईसी शिविर की अध्यक्षता करते डीसी मनमोहन शर्मा, साथ हैं अन्य।

माजरा बाजार में गंदगी का आलम कूड़े के ढेर से लोगों का जीना दुश्वार

माजरा उपमंडल का मुख्य बाजार इन दिनों गंदगी से बेहाल, लगे कूड़े के ढेर।

अनुराग गुप्ता, अनंत ज्ञान

पांवटा साहिब। माजरा उपमंडल का मुख्य बाजार इन दिनों गंदगी से बेहाल है। बीच बाजार में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग चुके हैं, जिससे उठती दुर्गंध से न केवल स्थानीय लोग, बल्कि यहां से गुजरने वाले राहगीर व ग्राहक भी परेशान हैं। बाजार के व्यापारियों का कहना है कि सफाई कर्मचारी समय पर कूड़ा नहीं उठाते, जिस कारण सारा कचरा सड़क पर फैल जाता है और बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। गंदगी से मच्छरों व मक्खियों की भरमार हो गई है। इससे डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। राहगीरों का कहना है कि बदबू इतनी तेज है कि लोगों को नाक पर रुमाल रखकर बाजार से गुजरना पड़ता है। कई दुकानदारों ने बताया कि ग्राहक भी असुविधा के कारण बाजार आने से कतराने लगे हैं, जिससे कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सख्त नाराजगी जताते हुए मांग की है कि नगर में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान लगाए जाएं और समय पर कूड़ा उठाने की पुख्ता व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके यदि स्थिति पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो माजरा बाजार में गंदगी स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

न्यूज ब्रीफ

मोहाली व पंचकूला में बारिश से बाढ़ का खतरा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। लगातार तेज बारिश के कारण शुक्रवार को चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में प्रशासन ने बाढ़ अलर्ट जारी किया। घग्गर नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जबकि सुखना झील में पानी खतरे के निशान 1,163 फुट को पार कर गया, जिसके चलते झील के दो फ्लडगेट खोलने पड़े। यह इस मानसून में छठी बार है जब झील के गेट खोले गए हैं। मोहाली के डेराबस्सी उपमंडल के नौ गांवों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। घग्गर का डिस्चार्ज सुबह 8 बजे 70,000 क्यूसेक पार कर गया। प्रशासन ने पुलिस, सिंचाई और राजस्व विभाग की टीमें तैनात कर दी हैं। डीसी कोमल मित्तल ने तिवाना गांव का दौरा किया। पिछले वर्ष इसी क्षेत्र में तटबंध टूटने से भारी नुकसान हुआ था। जीरकपुर में सुखना चौ से पानी निकलकर बलटाना पुल और मुबारकपुर कॉजवे को प्रभावित किया। वहीं, पंचकूला के खातौली गांव में एक पुल के पास सड़क धंसने से आवाजाही बाधित हुई। चंडीगढ़ प्रशासन ने झील पर 24 घंटे निगरानी के लिए इंजीनियरिंग विभाग, सीसीटीवी और कंट्रोल रूम की व्यवस्था की है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वालों से सतर्क रहने और दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की है।

स्टूडेंट्स को स्वच्छता के लिए किया प्रेरित

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। नगर निगम चंडीगढ़ ने विद्यालयी छात्रों में व्यवहारिक परिवर्तन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता की कार्यशाला अभियान का शुभारंभ किया। इसकी शुरुआत नगर आयुक्त अमित कुमार, आईएएस ने पीएम जीएमएसएसएस, धनास में की। अभियान का उद्देश्य छात्रों को स्वच्छता और सततता के प्रभावशाली समर्थक बनाना है। आयुक्त ने छात्रों को संबोधित करते हुए 10|10=100 सूत्र साझा किया, जिसके अनुसार 10 व्यक्ति प्रतिदिन 10 मिनट सफाई करें, तो 100 मीटर क्षेत्र साफ रखा जा सकता है। उन्होंने कचरे के स्रोत पर पृथक्करण के महत्व को समझाते हुए चार श्रेणियों में विभाजन की सलाह दी। साथ ही, घरेलू कंपोस्टिंग अपनाने और सिंगल यूज प्लास्टिक में कटौती पर बल दिया। कार्यशाला में छात्रों द्वारा स्वच्छता के चार रंग पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया और एमसीसी टीमों द्वारा कंपोस्टिंग तकनीकों का लाइव डेमो भी दिया गया। यह पहल चंडीगढ़ को स्वच्छ और हरित शहर बनाने की दिशा में एक युवाओं-केन्द्रित सामूहिक प्रयास है।

टीबी मुक्त हरियाणा अभियान को मिला जनसमर्थन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। टीबी मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को राज्य टीबी प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केंद्र पंचकूला में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों और उनके परिवारों को पोषण किट प्रदान करने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के माध्यम से समर्थन जुटाने के उद्देश्य से बुलाई गई थी। बैठक में इस अभियान को 'जनभागीदारी' के रूप में सशक्त करने पर विशेष जोर दिया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी टीबी मरीज पोषण से वंचित न रहे। हरियाणा में इस वर्ष (2025) में लगभग 60,000 पोषण किट की आवश्यकता है। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक डॉ. रिपुदमन सिंह ढिल्लों ने की। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाएँ के महानिदेशक डॉ. कुलदीप सिंह भी उपस्थित थे। राज्य टीबी अधिकारी डॉ. राजेश राजू ने एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी, जिसमें टीबी मरीजों के लिए पोषण के महत्व को रेखांकित किया गया। मिशन निदेशक ने सभी प्रतिभागियों से नैतिक कर्तव्य के रूप में अधिकतम टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पोषण की सहायता से मरीजों की रिकवरी में तेजी आती है। डॉ. कुलदीप सिंह ने भी पोषण सहायता के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक समर्थन प्रदान करने पर जोर दिया, ताकि मरीज मानसिक रूप से भी मजबूत महसूस कर सकें।

हरियाणा सरकार के फैसलों से पंजाब की गरमाई सियासत

भाजपा को मिला मजबूत आधार, हरियाणा सरकार ने पंजाब में भाजपा को दिए बड़े मुद्दे

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा में नायब सैनी सरकार द्वारा लिए जा रहे फैसलों से जहां प्रदेश में विपक्षी दल सकते में आ गए हैं, वहीं पंजाब की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। पंजाब में वर्ष 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक दल अभी से चुनावी मोड पर आ गए हैं। भारतीय जनता पार्टी पंजाब में अभी तक शिरोमणि अकाली दल के सहारे सत्ता में आती रही है, लेकिन वर्तमान में अकाली दल व भाजपा अलग-अलग राह पर चल रहे हैं।

दूसरी तरफ हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। पहले दो चुनावों के मुकाबले भाजपा को तीसरे चुनाव में अधिक सीटों पर जीत हासिल हुई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे की ओर से विज्ञप्ति जारी की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पिछले दिनों लिए गए फैसलों से इन दिनों पंजाब की राजनीति गरमाई हुई है। पंजाब की राजनीति पर वर्ष 1984 में हुए दंगों का असर आज भी दिखाई देता है। वर्ष 1984 में हुए दंगों में हरियाणा के 121 लोगों की मृत्यु हुई थी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बड़ा राजनीतिक फैसला लेते हुए सभी 121 परिवारों के वर्तमान सदस्य को उनकी सहमति से प्राथमिकता के आधार पर नौकरी देने का फैसला किया है।

इसके अलावा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शहीदी वर्ष को गरिमापूर्ण ढंग से मनाने का फैसला किया है। अपनी यात्राओं के दौरान गुरु साहिब ने कुरुक्षेत्र, पिहोवा, कैथल, जींद, अंबाला, चीका और रोहतक में आकर इस भूमि को पवित्र किया है।

सरकार कार्यक्रमों की रूपरेखा जल्द करेगी जारी

पंजाब में आम आदमी पार्टी ने चुनाव से पहले महिलाओं को हर माह 1100 रुपए देने का ऐलान किया था, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल में कांग्रेस ने महिलाओं को 1500 रुपए महीना देने का ऐलान किया था। दोनों सरकारों का आधा-आधा कार्यकाल बीत चुका है, लेकिन अभी तक इस योजना को लागू करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं हुआ है। दूसरी तरफ हरियाणा में भाजपा सरकार ने अपने पहले ही साल में इस योजना को लागू करके आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस को मुद्दा विहीन करते हुए सवाल खड़ा कर दिया है। हरियाणा के इन फैसलों का सीधा असर पंजाब की राजनीति पर हो रहा है। हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला और पंचकूला जिले पंजाब के फिरोजपुर, मुक्तसर, मानसा, भटिंडा, संगरूर, पटियाला और मोहाली जिलों से सटे हैं। हरियाणा के लोगों का सीधा असर पंजाब की राजनीति पर पड़ रहा है। पंजाब भाजपा के नेता पड़ोसी राज्य की सरकार द्वारा लिए जा रहे फैसलों को भुनाकर जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं। हरियाणा द्वारा पंजाब के संबंध में लिए गए फैसलों के बल पर पंजाब में भाजपा की राह आसान बना दी है। हरियाणा सरकार के हाल के निर्णयों ने यह संदेश दिया है कि मुख्यमंत्री नायब सैनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। भाजपा ने अपने 2014, 2019 और 2024 के संकल्प पत्रों के आधार पर काम किया, जबकि कांग्रेस और आप पर वादे भूलने का आरोप लगाया गया है। पंजाब में भाजपा को इन फैसलों से मजबूत आधार मिला है, जिससे उसकी राह आसान होने की संभावना है।

अंबाला में घरों में फंसे बच्चे

अनंत ज्ञान, अंबाला। रियाणा के अंबाला में टांगरी नदी शुक्रवार दोपहर में ओवरफ्लो हो गई। सिंचाई विभाग के अनुमान के मुताबिक, टांगरी नदी में लगभग 36 हजार क्यूसिक पानी आया। इससे ये हालात बने। इसके बाद टांगरी का पानी 17 से ज्यादा कॉलोनियों तक पहुंच गया। यहां तक कि चंदपुरा के पास नदी का पानी तटबंध के ऊपर से आबादी की ओर बहने लगा। टांगरी के ओवरफ्लो होते ही लोगों में हड़कंप मच गया। उन्हें घरों को खाली कर ऊंचे स्थानों पर जाना शुरू कर दिया। वह घर के अंदर का सामान लेकर भी ऊंची जगहों पर चले गए। कुछ लोगों ने घर की दूसरी मंजिल या छत पर शरण ले रखी है। वहीं, कई लोगों ने सड़क पर भी डेरा डाला है। कॉलोनियों में घर आधे तक डूब गए। इसके बाद मदद के लिए एनडीआरएफ की टीम को बुला लिया गया। एनडीआरएफ की टीम घरों में फंसे लोगों को नाव के जरिए बाहर निकाला रही है। अभी भी कुछ बच्चों के अंदर फंसे होने की सूचना है। उधर, प्रशासन लगातार अनाउंसमेंट कर रहा है, जिसमें चंदपुरा तटबंध के अंदर की कॉलोनियों के लोगों को घर छोड़कर ऊंचे स्थानों पर जाने को कहा गया है। हालांकि, उनके ठहरने के लिए किसी तरह का इंतजाम नहीं किया गया है।

छात्राओं को पोक्सो अधिनियम की जानकारी प्रदान की गई

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के बाल सारथी क्लब और महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा निर्भय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम पर केंद्रित थी, जिसका उद्देश्य छात्राओं को यौन अपराधों के विरुद्ध कानूनी जानकारी से सशक्त करना और उन्हें बाल सुरक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना था। इस सत्र की मुख्य वक्ता सुश्री पूर्णिमा भारद्वाज, जो कि पंजाब पुलिस की महिला हेल्प डेस्क की रेंज समन्वयक हैं, उन्होंने अधिनियम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने पोक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, इसके व्यावहारिक कार्यान्वयन और साइबर अपराधों के साथ इसके अंतर्संबंध की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा, छात्राओं को इंटरनेट के उपयोग में सतर्क रहने की सलाह दी। सत्र को और प्रभावशाली बनाने हेतु उन्होंने वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से छात्राओं को उत्पीड़न, गंभीर यौन उत्पीड़न और बाल अपराधों की संवेदनशीलता को समझने में सहायता की। इस संवादात्मक सत्र में प्रश्नोत्तरी, चर्चा और विधिक मार्गदर्शन के माध्यम से छात्राओं को जागरूक किया।

मंत्री गंगवा ने कष्ट निवारण समिति बैठक में 14 मामलों में से 9 का किया मौके पर निपटारा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने आज करनाल में जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उनके समक्ष कुल 14 परिवाद रखे गए, जिनमें से 9 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष 5 मामलों की पुनः जांच के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता

मंत्री गंगवा ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से लें और कार्यालय में उन्हें ध्यानपूर्वक सुनकर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव नहीं है, तो उसे मुख्यालय को भेजा जाए और शिकायतकर्ता को इसकी जानकारी अवश्य दी जाए, ताकि वे बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाएं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बैठक में अधिकारियों के प्रतिनिधि पूरी तैयारी के साथ आएं, ताकि मामलों का शीघ्र समाधान हो सके और अनावश्यक देरी से बचा जा सके। बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण मामला गांव मूनक निवासी रेखा, पत्नी स्व. सुरेश कुमार से जुड़ा था, जो बीमा राशि के क्लेम से संबंधित था। मंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दरियादिली दिखाई और बैंक एवं बीमा कंपनी को सख्त निर्देश दिए कि जांच रिपोर्ट के अनुसार क्लेम वाजिब है, अतः इसे जल्द स्वीकृत कर प्रार्थी को राहत प्रदान की जाए।

हिमाचल के युवक की पंचकूला में मिली लाश

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के युवक की पंचकूला में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक युवक रमेश शिमला के संजौली का रहने वाला था। वह चार बहनों का इकलौता भाई था। चंडीगढ़ के मनीमाजरा और हरियाणा के पंचकूला बॉर्डर पर वीरवार रात को एक युवक का शव मिला। युवक का शव दोनों शहरों के बॉर्डर एरिया पर मिला, जिससे पहले दो दोनों थानों की पुलिस सीमा विवाद में उलझ गई। काफी देर बाद पंचकूला पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं, सूचना मिलने पर मृतक युवक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे।

हरियाणा की मंत्री आरती सेरोगेसी से बनीं सिंगल मदर

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव अब 'मां' बन गई हैं। वह सेरोसेगी से सिंगल मदर बनी हैं। सेरोगेट मदर की मदद से आरती राव की गोद भरी है। उनका बच्चा अब 3 माह का हो गया है। बच्चे का नाम जयवीर सिंह रखा गया है। उसका लालन-पालन मंत्री आवास पर हो रहा है। राव परिवार की ओर से इस मामले में अभी कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि, राव परिवार के एक करीबी सूत्र ने इसकी पुष्टि की है। माना जा रहा है कि राव जयवीर सिंह अपने नाना केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत की विरासत को आगे बढ़ाएगा। राव इंद्रजीत की 2 बेटियां हैं। आरती राव के अलावा छोटी बेटी भारती राव हैं, जो 2 बेटों की मां हैं। भारती राव राजनीति व सुर्खियों से दूर रहती हैं। बड़ी बेटी आरती राव ही पिता की सियासी विरासत को संभाल रही हैं। अक्तूबर 2024 में आरती राव ने अटेली हलके से चुनाव लड़ा था। नामांकन पत्र में उन्होंने कॉलम में पिता राव इंद्रजीत का नाम ही भरा, यानी डॉटर ऑफ लिखा।

दो ही केस में मिलती है सिंगल मदर की अनुमति

भारत में सेरोगेसी से सिंगल मदर बनना कानून आसान नहीं है। पहले तो कानून इसकी इजाजत ही नहीं देता था। साल 2023 में कुछ कानूनी संशोधन किए गए, जिसके तहत विधवा या तलाकशुदा महिला को कुछ मामलों में अनुमति दी गई है, लेकिन उन्हें भी मेडिकल बोर्ड से प्रमाणपत्र लेना होता है, कि वह सेरोगेसी के लिए जरूरी कारण रखती हैं। बताया जा रहा है कि आरती राव ने सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी की हैं।

क्या है सेरोगेसी

सेरोगेसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें कोई महिला (सेरोगेट मां) किसी अन्य दंपती या व्यक्ति के लिए उनके भ्रूण को गर्भ में धारण कर बच्चे को जन्म देती है। यह विकल्प तब अपनाया जाता है, जब दंपती किसी कारणवश स्वयं संतान उत्पन्न नहीं कर सकते। सेरोगेसी दो प्रकार की होती है पारंपरिक व जेस्टेशनल। भारत में इसे कानून द्वारा नियंत्रित किया गया है, ताकि इसका दुरुपयोग न हो।

कोर्ट से परमिशन लेकर हुई पूरी प्रक्रिया

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने सेरोगेसी सिंगल मदर बनने के लिए पहले कोर्ट से अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद पूरी प्रक्रिया अपनाई गई। करीब 3 माह पहले आरती राव के घर बेटे के तौर पर खुशियां आईं। बेटे का नाम राव जयवीर सिंह रखा गया है। राव तुलाराम की पांचवीं पीढ़ी के तौर अब राव जयवीर सिंह होंगे।

देश-विदेश

एआई के लिए रिलायंस की मेटा और गूगल के साथ पार्टनरशिप

एजेंसी, मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 48वीं सालाना आम बैठक में चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कई बड़े ऐलान किए। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट बिजनेस रिलायंस इंडस्ट्रीज की डायरेक्ट सब्सिडियरी बनेगा। वहीं पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस बनाने का ऐलान किया गया। एआई के लिए मेटा और गूगल के साथ पार्टनरशिप भी की है। रिलायंस जियो ने अपने हाई-परफॉर्मेंस पर्सनल कंप्यूटरों की लॉन्चिंग की घोषणा की। ये टीवी या किसी अन्य स्क्रीन को एक एआई-रेडी सिस्टम में बदलने में सक्षम हैं। यह डिवाइस यूजर्स को पारंपरिक डेस्कटॉप या लैपटॉप खरीदे बिना एडवांस्ड कंप्यूटिंग सर्विसेज तक पहुंचने की सुविधा देता है। जियो सेट-टॉप बॉक्स के साथ कीबोर्ड जोड़कर, ग्राहक अपने टेलीविजन या मॉनिटर को एक पर्सनल कंप्यूटर में बदल सकते हैं, जो सीधे जियो के क्लाउड सर्वर से चलता है। यह मॉडल स्टोरेज और कंप्यूटिंग पावर को रिमोटली स्केल करने की सुविधा देता है, जिससे हार्डवेयर अपग्रेड की जरूरत खत्म हो जाती है। (अनंत ज्ञान)

आखिर क्या है एआई?

एआई का अर्थ कंप्यूटर जैसे उपकरणों को ऐसे कार्यों और प्रक्रियाओं को करने में सक्षम बनाना है, जिनके लिए आमतौर पर मानव स्तर की बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। जैसे- पढ़ना, समझना और भाषा पर प्रतिक्रिया देना, डेटा का विश्लेषण करना और समस्या का समाधान करना व ऐसा करते हुए सीखना और सुधार करना।

दहेज प्रताड़ना से परेशान इंजीनियर ने की खुदकुशी

एजेंसी, बेंगलुरु। बेंगलुरु में 27 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर शिल्पा पंचांगमठ अपने घर में फंदे से लटकी हुई मिली। मौत के समय वह प्रेग्नेंट थी। उसका एक 2 साल का बेटा भी है। मृतका की मां ने पति और सास पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने दामाद को करीब 150 ग्राम सोना दिया था, लेकिन वह और पैसों की मांग कर रहे थे। बेंगलुरु पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि उन्हें कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शिल्पा की मां की शिकायत पर पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में प्रवीण को गिरफ्तार कर लिया गया है। बेंगलुरु पुलिस के मुताबिक, शिल्पा की शादी 5 दिसंबर 2022 को प्रवीण से हुई थी। प्रवीण ओरेकल में काम करता था, लेकिन शादी के बाद उसने नौकरी छोड़कर पानीपुरी बेचना शुरू कर दिया था। (अनंत ज्ञान)

इसराइल ने गाजा के सबसे बड़े शहर को घोषित किया युद्ध क्षेत्र

तेल अवीव

इसराइल की सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है और साथ ही गाजा सिटी में मानवीय मदद के वितरण पर भी रोक लगा दी है। इससे गाजा शहर में रहने वाले हजारों लोगों की परेशानी और बढ़ेगी, जो पहले ही भुखमरी जैसे हालात से जूझ रहे हैं। इसराइली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश और वितरण को सुगम बनाने के लिए गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में इस तरह की रोक लगाई गई है।

मानवीय मदद देने पर भी लगाई रोक

इसराइली सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि शुक्रवार सुबह 10 बजे से गाजा सिटी में सैन्य गतिविधियों पर स्थानीय सामरिक रोक लागू नहीं रहेगी। इस क्षेत्र को खतरनाक युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। (अनंत ज्ञान)

क्या गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी कर रहा इसराइल?

इसराइली सेना आईडीएफ ने कहा कि गाजा शहर को छोड़कर, बाकी पूरे क्षेत्र में स्थानीय सामरिक रोक लागू रहेगी। आईडीएफ ने कहा कि वे इसराइली नागरिकों की रक्षा के लिए गाजा में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएंगे। माना जा रहा है कि इसराइली सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है, जहां गाजा की अनुमानित 10 लाख की आबादी में से आधी आबादी शरण लिए हुए है। श्द्द्द्धु] एक वैश्विक भूख निगरानीकर्ता ने शुक्रवार को कहा कि गाजा शहर और उसके आसपास के इलाके अब आधिकारिक तौर पर अकाल से जूझ रहे हैं। यह आगे और भी फैल सकता है।

अफगानिस्तान में हवाई हमले में तीन की मौत

एजेंसी, काबुल। तालिबान सरकार ने पड़ोसी पाकिस्तान को पूर्वी अफगानिस्तान में हवाई हमलों को दोषी ठहराया। इन हमलों में तीन लोग मारे गए और सात घायल हुए। अधिकारियों और चश्मदीदों के मुताबिक, ये हवाई हमले नांगरहार और खोस्त प्रांतों में हुए। इनमें कई घरों को नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार देर रात हुए इन हमलों की निंदा की और इसे पाकिस्तान उकसाने वाला कृत्य बताया। मंत्रालय ने गुरुवार को अफगानिस्तान के राजदूत को भी तलब किया। वहीं, अफगान रक्षा मंत्रालय ने भी इन हमलों की निंदा की और कहा कि ऐसे क्रूर और निर्दयी कृत्य दोनों पक्षों के लिए लाभकारी नहीं हैं। ये कृत्य दोनों मुस्लिम देशों के बीच दूरियां बढ़ाते हैं और नफरत को बढ़ावा देते हैं। ऐसी गैरजिम्मेदाराना गतिविधियों के गंभीर परिणाम होंगे। (अनंत ज्ञान)

थाईलैंड की पीएम पी. शिनावात्रा पद से बर्खास्त

एजेंसी, बैंकॉक। कंबोडियाई नेता के साथ फोन पर समझौता करने के आरोप में थाईलैंड की सांविधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से बर्खास्त कर दिया है। शिनावात्रा पर नैतिकता संबंधी सांविधानिक नियमों के उल्लंघन का आरोप है। गौरतलब है कि इन आरोपों में थाईलैंड की सांविधानिक अदालत ने जुलाई में पद से निलंबित कर दिया था और उनकी जगह उप-प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई को पीएम पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब सांविधानिक अदालत ने शिनावात्रा को पद से बर्खास्त कर दिया है, जिसका मतलब है कि शिनावात्रा का कार्यकाल अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है। (अनंत ज्ञान)

इंडिगो को टर्किश विमानों की लीज बढ़ाने की अनुमति

एजेंसी, नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो को वीरवार को बड़ी राहत मिली। डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो को टर्किश एयरलाइंस से बोइंग 777 विमानों की लीज छह महीने और बढ़ाने की मंजूरी दी। अब यह करार फरवरी 2026 तक चलेगा। इन विमानों से दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल के लिए उड़ानें संचालित होती हैं। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि यह मंजूरी बेहद अहम समय पर मिली है। इससे मौजूदा भू-राजनीतिक हालात में फ्लाइट संचालन में स्थिरता और यात्रियों को सुविधा मिलेगी। इंडिगो ने कहा, इससे भारत को हवाई सेवाओं में नुकसान से बचाने में मदद मिलेगी और यात्रियों को पीक सीजन में इस्तांबुल और अन्य जगहों तक सीधी कनेक्टिविटी भी बनी रहेगी। (अनंत ज्ञान)

सोने और चांदी के दाम ऑलटाइम हाई पर

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम 29 अगस्त दिन शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन ऑलटाइम हाई पर हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 583 रुपए बढ़कर 1,02,089 रुपए पर पहुंच गई है। गत दिवस सोना 1,01,506 रुपए के हाई पर था। वहीं, चांदी की कीमत शुक्रवार को 146 रुपए बढ़कर 1,17,256 रुपए के नए हाई पर है। वीरवार को एक किलो चांदी 1,17,110 रुपए में बिक रही थी। (अनंत ज्ञान)

सहमति से यौन संबंध के बाद शादी से इनकार दुष्कर्म नहीं : अदालत

एजेंसी, सूरत। शादी का झांसा देकर एक लड़की से कई बार दुष्कर्म की शिकायत में सूरत की सत्र न्यायालय ने वीरवार को सुनवाई के दौरान आरोपी को बरी कर दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि सहमति से यौन संबंध बनाने के बाद शादी से इनकार करना दुष्कर्म का मामला नहीं बनता। पीड़िता ने आरोपी के साथ होटल और रेस्टोरेंट में बिना किसी दबाव के अपना पहचान पत्र दिया था, इसलिए उसके साथ कोई जबरदस्ती नहीं की गई। कोर्ट ने कहा कि इसके बाद भी पीड़िता को जब पता चल गया था कि युवक से विवाह संभव नहीं है तो भी उसने शारीरिक संबंध बनाए। करीब 3 साल तक मामला चलने के बाद वीरवार को कोर्ट का फैसला आया। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका में सिख ने लहराई तलवार, पुलिस ने मारी गोली

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक सिख को सड़क पर तलवार लहराने पर पुलिस ने गोली मार दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। शख्स की पहचान गुरप्रीत सिंह के तौर पर की गई है। इस घटना का वीडियो लॉस एंजिलिस पुलिस ने अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है। पुलिस के मुताबिक, उन्हें खबर मिली थी कि एक व्यक्ति फिगेरोआ स्ट्रीट और ओलिंपिक बुलेवार्ड रोड पर तलवार लहरा रहा है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गुरप्रीत से तलवार फेंकने को कहा, लेकिन उसने बात नहीं मानी और अपने कार से पानी की बोतल निकाल कर पुलिसकर्मियों की ओर फेंक दी। इसके बाद गुरप्रीत ने गाड़ी चलाई और तलवार लहराते हुए भागने लगा। पुलिस ने उसका पीछा किया। इस दौरान उसकी गाड़ी पुलिस की गाड़ी से टकरा गई। फिर वह गाड़ी से उतरा और तलवार लेकर पुलिस की तरफ दौड़ा। पुलिस ने गोली चला दी, जिससे गुरप्रीत घायल हो गया और अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। (अनंत ज्ञान)

अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

सेंसेक्स में 271 अंक की गिरावट

एजेंसी, मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 271 अंक गिरकर 79,810 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 74 अंक की गिरावट रही। यह 24,427 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी के 50 में 23 शेयरों में तेजी है, जबकि 27 नीचे बंद हुए। (अनंत ज्ञान)

रूस का यूक्रेन के जहाज पर ड्रोन से हमला

शिप डेन्यूब नदी में डूबा, यूक्रेन ने 10 साल पहले जासूसी के लिए बनाया था

एजेंसी, मॉस्को

यूक्रेनी नेवी का सबसे बड़ा जहाज सिम्फेरोपोल वीरवार को रूस के कट्रान समुद्री ड्रोन हमले में डूब गया। यह जानकारी स्पूतनिक न्यूज एजेंसी ने रूसी रक्षा मंत्रालय के हवाले से दिया है। यह जहाज पिछले 10 साल में यूक्रेन का सबसे बड़ा जहाज था। यह लैगून-क्लास जहाज (तटीय इलाके का जहाज) था, जिसे जासूसी के लिए बनाया गया था। यह हमला यूक्रेन के ओडेसा इलाके में डेन्यूब नदी के पास हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पहली बार है जब रूस ने समुद्री ड्रोन से यूक्रेन के जहाज को तबाह किया। एक ड्रोन एक्सपर्ट्स ने इसे रूस की बड़ी कामयाबी बताया है। यूक्रेन ने भी जहाज पर हमले की पुष्टि की है। (अनंत ज्ञान)

2021 में यूक्रेनी नेवी में शामिल हुआ था जहाज

सिम्फेरोपोल जहाज को 2019 में लॉन्च किया गया था और 2021 में इसे यूक्रेनी नौसेना में शामिल किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 2014 के बाद यूक्रेन की तरफ से लॉन्च किया गया सबसे बड़ा जहाज था।

अमेरिका के शांति प्रयासों को लगा बड़ा झटका

हमला ऐसे वक्त किया गयाए जब तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में शांति प्रयास चल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात भी की थी। यह कीव पर पिछले कुछ हफ्तों में रूस का पहला बड़ा संयुक्त हमला था। ऐस में अमेरिका के रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित करने के प्रयासों को भी बड़ा झटका लगा है। यूक्रेनी नौसेना के मुताबिक, इस हमले में एक क्रू मेंबर की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए: महुआ

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने गृह मंत्री अमित शाह पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने शुक्रवार को नादिया जिले में घुसपैठ मुद्दे पर कहा कि सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की होती है। अगर घुसपैठ हो रही है, तो अमित शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए। बंगाल भाजपा ने उनके बयान से जुड़ा एक वीडियो भी एक्स पर शेयर किया। वहीं, दूसरी पोस्ट में भाजपा ने लिखा, 'जब महुआ गृहमंत्री का सिर काटने की बात करती हैं, तो यह टीएमसी की हताशा और हिंसा की संस्कृति को उजागर करता है, जो बंगाल की छवि को धूमिल कर रही है और राज्य को पीछे धकेल रही है। इस मामले में महुआ के खिलाफ नदिया जिले के कृष्णानगर के कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत स्थानीय निवासी संदीप मजूमदार ने दर्ज कराई है। दरअसल, पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में शुक्रवार को महुआ राज्य में अवैध घुसपैठ को लेकर जवाब दे रही थीं। भाजपा ने महुआ का मीडिया से बात करने का वीडियो शेयर किया है। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप की शिकागो में सेना भेजने की धमकी

कहा- दिल्ली से 15 गुना ज्यादा मर्डर हुआ, कड़े कदम उठाना जरूरी

एजेंसी, वॉशिंगटन

ट्रंप प्रशासन ने वॉशिंगटन डीसी और लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड तैनात करने के बाद अब शिकागो में भी ऐसा करने की धमकी दी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि शिकागो में हिंसा की स्थिति बहुत गंभीर है।

उन्होंने कहा कि शिकागो में हत्या की दर नई दिल्ली की तुलना में 15 गुना ज्यादा है। शहर की बेहतरी के लिए कड़े कदम उठाना जरूरी है। शिकागो के मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने शहर में नेशनल गार्ड के तैनाती की खबरों पर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अपने राजनीतिक मकसद को पूरा करने के लिए ऐसे कदम उठा रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

शिकागो में इस साल डेढ़ लाख मामले दर्ज: लेविट

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने यह आरोप भी लगाया कि डेमोक्रेट शासित राज्यों की नीतियां अपराध को बढ़ावा देती हैं, जबकि राष्ट्रपति ट्रंप अपराध को रोकने के लिए सख्त कदम चाहते हैं। लेविट ने शिकागो का हालिया अपराधिक रिकॉर्ड भी साझा किया। इसके मुताबिक, 2025 में अब तक शिकागो में कुल 147,899 केस दर्ज किए गए हैं और इनमें से केवल 16 फीसदी मामलों में गिरफ्तारी हुई है। ट्रंप के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से इलिनॉय में 1,400 प्रवासियों की गिरफ्तारी हुई है। इसमें से 1000 शिकागो से हैं। लेविट ने यह भी कहा कि शिकागो में लॉस एंजिलिस और न्यूयॉर्क की तुलना में अधिक अवैध हथियार बरामद किए गए हैं और बाइक चोरी के मामले 2021 की तुलना में दोगुना बढ़ गए हैं। शिकागो, इलिनॉय राज्य का सबसे बड़ा शहर है। लेविट ने कहा कि इलिनॉय के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने अपराध से निपटने के लिए कड़े कदम नहीं उठाए हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

लियोन मेसी ने इंटरनेशनल करियर से किया रिटायरमेंट लेने का इशारा

एजेंसी, नई दिल्ली। फुटबॉल की दुनिया में एक ऐसे नाम की चमक बुझने जा रही है, जिसने खेल के हर पहलू को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। लियोन मेसी, जिनके जादुई पैर और अनोखी प्रतिभा ने पूरी दुनिया को दीवाना बनाया, अब अपने संन्यास की घोषणा कर रहे हैं। एक छोटे से शहर रोसारियो से उठकर, मेसी ने अपनी मेहनत, लगन और असाधारण कौशल से फुटबॉल के इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने बार्सिलोना जैसे क्लब के लिए न केवल असंख्य गोल किए बल्कि खेल के नजरिए को ही बदल डाला। उनकी ड्रीबलिंग, विजन और मैच को पलट देने वाली क्षमताएं युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मेसी का संन्यास सिर्फ एक खिलाड़ी के विदाई क्षण का प्रतीक नहीं, बल्कि फुटबॉल के एक युग के अंत का संकेत है। मेसी ने 17 बार बैलोन डी'ओर जीतकर रिकॉर्ड बनाए, विश्व कप, कोपा अमेरिका और कई क्लब स्तर के खिताब अपने नाम किए. मेसी ने इशारा किया है कि 4 सितंबर को ब्यूनस आयर्स के एस्टादियो मोन्यूमेंटल स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाला वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच शायद उनका आखिरी घरेलू मुकाबला होगा। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल में हरभजन सिंह ने जड़ा था श्रीसंत को थप्पड़, फुटेज आई सामने

एजेंसी, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वैसे तो कई विवाद देखने मिले हैं, लेकिन पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह का तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को थप्पड़ मारने वाला विवाद सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। यह विवाद 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में हुआ था। लेकिन तब इस घटना की कोई फुटेज सामने नहीं आई थी। बस एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें श्रीसंत रोते हुए दिखाई दे रहे थे, लेकिन अब 17 साल बाद इस घटना का पूरा वीडियो सामने आया है और सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल आईपीएल 2008 में मुंबई इंडियंस और किंग्स 11 पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के बीच मैच खेला गया। हरभजन मुंबई इंडियंस के कप्तान थे और मुंबई वह मुकाबला हार गई थी। ऐसे माना जाता है कि श्रीसंत ने हरभजन को कुछ कहा था जिससे वो गुस्सा हो गए थे। वीडियो में देखा जा सकता है कि मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी हाथ मिला रहे हैं। तभी हरभजन श्रीसंत को एक जोरदार थप्पड़ मारते हैं। इसके बाद हरभजन और श्रीसंत एक दूसरे कि तरफ बढ़ते हैं। तभी पंजाब के कप्तान महेला जयवर्धने दोनों को रोकते हुए नजर आते हैं। (अनंत ज्ञान)

पिछले 11 सालों में अमेरिकी ओपन महिला युगल में पहला मैच जीती वीनस

एजेंसी, न्यूयॉर्क। 14 बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स ने अपनी छोटी बहन सेरेना के बिना पिछले 14 साल में पहली बार अमेरिकी ओपन महिला युगल मैच जीता। लैला फर्नांडिज के साथ मिलकर उन्होंने छठी वरीयता प्राप्त एन किचेनोक और एलेन पेरेज की जोड़ी को 7-6, 6-3 से हराया। 45 वर्ष की वीनस और लैला का दर्शकों ने खड़े होकर अभिवादन किया। वीनस एकल वर्ग के पहले ही दौर में हार गई थी। वह 2022 के बाद पहली बार यहां युगल वर्ग में खेल रही है। (अनंत ज्ञान)

स्टाइल में भी अलग दिखती हैं हरलीन

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेटर हरलीन देओल का जन्म 21 जून 1998 को चंडीगढ़ में हुआ था। वह खेल के अलावा अपनी स्टाइल को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। हरलीन इंस्टाग्राम पर स्टाइलिश आउटफिट में फोटो शेयर करती रहती हैं।

हॉकी एशिया कप — कप्तान हरमनप्रीत ने लगाई हैट्रिक, भारत ने जीता पहला मैच

भारत ने चीन को 4-3 से हराया

एजेंसी, राजगीर

हॉकी एशिया कप में भारत ने पहले मैच में चीन को हरा दिया है। शुक्रवार को बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम राजगीर में भारत ने 4-3 से मैच अपने नाम किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक लगाई। उन्होंने मैच के 20वें, 33वें और 47वें मिनट में गोल दागे। दूसरे क्वार्टर में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल दागा था। चीन से दू शिहाओ ने पहला, चेन बेन्हाई ने दूसरा और गाओ जीशेंग ने तीसरा गोल किया। मैच के सभी 7 गोल पेनल्टी कॉर्नर पर आए हैं।

मैच की शुरुआत से ही भारत ने अटैकिंग खेल दिखाया। टीम को 2 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उसे गोल में तबदील नहीं कर पाए। हालांकि, चीन ने 13वें मिनट में मैच का पहला गोल कर दिया। टीम को मिले पहले ही पेनल्टी कॉर्नर में दु शिहाओ ने शानदार लो ड्रैग-फ्लिक लगाया। गेंद भारतीय डिफेंडर की स्टिक से लगकर गोल पोस्ट के अंदर चली गई। भारत ने बराबरी की भारत को दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला। 18वें मिनट में जुगराज सिंह ने शानदार ड्रैग-फ्लिक लगाकर गोल दाग दिया। इसके 2 मिनट बाद ही एक और अटैक पर भारत ने दूसरा गोल कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार ड्रैग-फ्लिक लगाकर भारत को बढ़त दिला दी।

हरमनप्रीत का दूसरा गोल मैच के 33वें मिनट में दाहिनी विंग पर राजिंदर सिंह ने शानदार मूव बनाया और भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। इस बार इंजेक्शन पर हरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह दोनों ही तैयार थे। कप्तान हरमनप्रीत ने शॉट लगाया, गेंद सीधे चीनी गोलकीपर से टकराई और रिबाउंड होकर गोलपोस्ट के अंदर चली गई। यह कप्तान हरमनप्रीत का दूसरा गोल था। यहां टीम की बढ़त 3-1 हो गई।

चीन की वापसी तीसरे क्वार्टर में चीन ने शानदार खेल दिखाया। टीम ने आक्रामक हॉकी खेली, मौके बनाए और गोल में बदल दिए। भारत की डिफेंस और गोलकीपिंग यहां कमजोर साबित हुई। इस क्वार्टर में चीन ने 2 गोल दागे। मैच के 39वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक का मौका मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जोरदार शॉट लगाया, लेकिन गेंद सीधा पोस्ट से टकराकर बाहर निकल गई। भारत अपनी बढ़त बढ़ाने से चूक गया।

42वें मिनट में चीन को लगातार पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) मिले। पहली कोशिश में भारतीय रशर के पैर से गेंद लगी और एक और पीसी मिल गया। दूसरी बार गाओ जिएशेंग ने जोरदार ड्रैग-फ्लिक मारा, गेंद भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक के पैर से टकराकर गोल में चली गई।

हरमनप्रीत का तीसरा गोल 47वें मिनट में चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत को एरियल बॉल ऑब्स्ट्रक्शन पर पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहला ड्रैग-फ्लिक मारा जिसे गोलकीपर ने रोक लिया। दूसरा शॉट भी ब्लॉक हो गया, लेकिन तीसरे मौके पर हरमनप्रीत ने जोरदार रॉकेट ड्रैग-फ्लिक लगाकर गोल दाग दिया। (अनंत ज्ञान)

राजीव शुक्ला बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बने

एजेंसी, नई दिल्ली

रोजर बिन्नी ने पद छोड़ा, इस नियम के चलते हुआ बदलाव

एशिया कप 2025 से पहले बीसीसीआई में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। रोजर बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है। अगले चुनाव तक उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। अध्यक्ष का चुनाव सितंबर में हो सकता है। 2015 में शुक्ला को बीसीसीआई द्वारा सर्वसम्मति से आईपीएल का अध्यक्ष फिर से नियुक्त किया गया था। 18 दिसंबर 2020 को उन्हें बीसीसीआई का निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना गया। बुधवार को हुई बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की बैठक में शुक्ला ने कार्यवाहक अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रिपोर्ट में बताया गया है कि बैठक का मुख्य एजेंडा इस महीने की शुरुआत में ड्रीम11 के जाने के बाद टीम इंडिया के नए मुख्य प्रायोजक पर चर्चा करना था। हालांकि, 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के साथ आयोजन से पहले एक नया प्रायोजक ढूंढना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। बता दें कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बने संविधान पर चलता है। जब तक नया कानून अधिसूचित नहीं होता, तब तक बीसीसीआई और राज्य संघों को पुराने संविधान से ही चलना होगा। खेल मंत्रालय ने भी बोर्ड और राज्य क्रिकेट संघों के चुनाव को लेकर स्थिति साफ की थी। अधिकारी ने कहा था कि जब तक नया बिल अधिसूचित नहीं होता तब तक क्रिकेट से संबंधित संघ पुराने संविधान के आधार पर ही चलेंगे। लोढ़ा समिति की सिफारिशों के तहत पदाधिकारियों की अधिकतम आयुसीमा 70 साल है। 19 जुलाई को 70 साल के होने के कारण रोजर बिन्नी को अपने पद से हटना पड़ा। (अनंत ज्ञान)

कोको गॉफ ने यूएस ओपन के तीसरे राउंड में मारी एंट्री

एजेंसी, न्यूयॉर्क। कोको गॉफ ने अपनी प्रतिद्वंद्वी डोना वेकिच को हराकर यूएस ओपन-2025 के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने मुकाबले को 7-6, 6-2 से अपने नाम किया। इस जीत के साथ गॉफ लगातार चौथे साल यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंची हैं। इसके साथ ही, वह अब न्यूयॉर्क में अपने मुख्य ड्रॉ के 79 प्रतिशत मैच जीत चुकी हैं। 2023 की चैंपियन का अगला मुकाबला 28वीं वरीयता प्राप्त मैग्डेलेना फ्रेच से होगा। इससे पहले, विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने शुरुआती मुकाबलों में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने विश्व की 66वें नंबर की खिलाड़ी सुजैन लामेंस का सामना करते हुए 6-1, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज करके तीसरे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने शुरुआती सेट में लामेंस के खिलाफ दबदबा बनाया और 6-1 से जीत हासिल की, लेकिन लामेंस ने वापसी करते हुए दूसरा सेट जीत लिया। हालांकि, बाद में स्वियाटेक ने तीसरा सेट 6-4 से जीत लिया। (अनंत ज्ञान)

एशिया कप हॉकी : मलेशिया ने बांग्लादेश को हराया

एजेंसी, राजगीर

एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मलेशिया ने निचली रैंकिंग वाली बांग्लादेश टीम को एशिया कप पुरुष हॉकी टूर्नामेंट के पहले दिन शुक्रवार को 4-1 से हराया, जबकि गत चैंपियन कोरिया ने चीनी ताइपै को 7-0 से शिकस्त दी।

पूल-बी के दूसरे मैच में कोरिया के लिए डैन सोन (17वां, 29वां और 58वां मिनट) ने हैट्रिक लगाई, जबकि जिहुन यांग (27वां और 50वां मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे। सियोंग ने 53वें मिनट में एक गोल किया। कोरिया के लिए 54वें मिनट में यूनहो कोंग और आखिरी मिनटों में सोन ने गोल करके टीम को शानदार जीत दिलाई। इससे पहले शुरुआती मैच में 12वीं रैंकिंग वाली मलेशियाई टीम के लिए अशरान हमसानी (25वां मिनट), अखिमुल्लाह अनवर (36वां), मुहाजिर अब्दुल रऊफ (48वां) और सैयद चोलान (54वां) ने गोल किए। बांग्लादेश ने हालांकि, 16वें मिनट में अशरफुल इस्लाम के गोल के दम पर बढत बना ली थी। अब मलेशिया का सामना शनिवार को पांच बार की खिताबधारी दक्षिण कोरिया से होगा, जबकि चीनी ताइपै की टक्कर बांग्लादेश से होगी। (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तान हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम पुरुषों की एफआईएच प्रो-लीग के आगामी सातवें सत्र का हिस्सा होगी, जिससे उसके 'होम एंड अवे' प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान भारत के साथ किसी तटस्थ स्थल पर भिड़ंत की संभावना है। पाकिस्तान आगामी सत्र में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, भारत, नीदरलैंड और स्पेन के साथ शामिल होगा, जिसके विस्तृत कार्यक्रम का अभी इंतजार है। इस साल की शुरुआत में मलेशिया में खेले गए एफआईएच हॉकी नेशंस कप के जरिए पाकिस्तान को प्रोमोट किया गया। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर यह प्रतियोगिता जीती थी, लेकिन बाद में संकेत दिया कि वह 'इस बार प्रो-लीग में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार नहीं करेगा।' विश्व संचालन संस्था एफआईएच ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "इसलिए नियमों के अनुसार एफआईएच ने उपविजेता पाकिस्तान को भी निमंत्रण दिया है जिन्होंने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।" (अनंत ज्ञान)

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल में लगातार जीता तीसरा सिल्वर मेडल

एजेंसी, ज्यूरिख

जर्मनी के जूलियन वेबर रहे पहले स्थान पर

ज्यूरिख में खेले गए डायमंड लीग के फाइनल में नीरज चोपड़ा अपना दूसरा गोल्ड जीतने से चूक गए। नीरज पूरे टूर्नामेंट में एक भी 90 मीटर से अधिक की थ्रो नहीं फेंक पाए, वह दूसरे नंबर पर रहे।

नीरज ने 2022 में डायमंड लीग में गोल्ड जीता था, उसके बाद लगातार तीसरी बार है जब उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ रहा है। जर्मनी के जूलियन वेबर ने डायमंड लीग 2025 में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने 91.51 की पर्सनल बेस्ट थ्रो के साथ ये खिताब जीता। जर्मनी के जूलियन वेबर ने फाइनल में पहले थ्रो से ही दबदबा बना लिया था। उन्होंने अपना पहला ही थ्रो 91.37 मीटर का फेंका जबकि नीरज चोपड़ा का पहला थ्रो 84.34 मीटर का था। दोनों में काफी अंतर था, जिसके चलते शुरुआत से वेबर के मनोबल काफी बढ़ गया था। इस बिच केशोर्न वालकोट 84.95 का थ्रो फेंककर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। (अनंत ज्ञान)

85.01 मीटर का था नीरज का आखिरी थ्रो

वेबर ने फाइनल का दूसरा थ्रो 91.51 मीटर का फेंका, जो निर्णायक साबित हुआ और इसी के दम पर उन्होंने खिताब जीता। जबकि नीरज चोपड़ा का दूसरा थ्रो 82 मीटर का था। नीरज शुरुआत से ही लय में नहीं दिख रहे थे। नीरज का तीसरा, चौथा और पांचवां थ्रो फाउल था। ऐसा लग रहा था कि मानसिक रूप से नीरज ने इस मैच में हार मान ली है। नीरज ने अपना आखिरी थ्रो 85.01 मीटर का फेंक दिया, जिसने उन्हें फाइनल में दूसरा स्थान दिलाया। नीरज ने लगातार तीसरी बार डायमंड लीग में सिल्वर मेडल जीता है। हालांकि, वह 2022 का वो कारनामा नहीं दोहरा पाए, जब उन्होंने ज्यूरिख में ही अपना एकमात्र डायमंड लीग का खिताब जीता था।

डायमंड लीग टूर्नामेंट में प्रदर्शन

2020 टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में भारत का नाम काफी ऊंचा किया है। वह पहले भारतीय हैं, जिन्होंने डायमंड लीग में गोल्ड जीता है। उन्होंने 2022 में इतिहास रचा था, उसके बाद से लगातार 3 बार (2023 यूजीन, 2024 ब्रुसेल्स, 2025 में ज्यूरिख सिल्वर जीता।

भारत के 14 मुक्केबाज बेल्ट एंड रोड टूर्नामेंट के फाइनल में

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के 14 मुक्केबाजों ने चीन के शिनजियांग में चल रहे तीसरे बेल्ट एंड रोड अंतरराष्ट्रीय युवा मुक्केबाजी गाला में अपने अपने भारवर्ग के फाइनल में जगह बना ली। इसमें अंडर-17, अंडर-19 और अंडर-23 वर्ग में स्पर्धाएं होंगी। भारत ने 58 सदस्यीय दल भेजा है, जिसमें अंडर-17 वर्ग में 20 लड़के और 20 लड़कियां हैं, जबकि साथ में 12 कोच, पांच सहयोगी स्टाफ, एक रैफरी और एक जज हैं। इनमें से दस लड़कियों और चार लड़कों ने कजाखस्तान, ईरान, कोरिया, उजबेकिस्तान, फिलीपींस और चीन के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके फाइनल में प्रवेश किया। ध्रुव खरब (46 किलो), फलक (48 किलो), पीयूष (50 किलो) और उधम सिंह राघव (54 किलो) ने चीन, कोरिया और ईरान के कठिन प्रतिद्वंद्वियों को हराया। आदित्य (52 किलो) और आशीष (54 किलो) ने कजाखस्तान के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया, लेकिन हार गए। उदय सिंह, देवेंद्र चौधरी, जयदीप सिंह हांजरा और लवलीन गुलिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा। लड़कियों में लक्ष्मी (46 किलो), खुशी (46 किलो), राधामणि (60 किलो), चंद्रिका (54 किलो), ज्योति (75 किलो) और अनुष्का (प्लस 80 किलो) ने चीन और फिलीपींस के प्रतिद्वंद्वियों को हराया। (अनंत ज्ञान)

नाओमी ओसाका अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में

एजेंसी, न्यूयॉर्क

जापान की नाओमी ओसाका 2021 के बाद पहली बार अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई, जिन्होंने हैली बापटिस्टे को 6-3, 6-1 से हराया। ओसाका ने अपने चारों ग्रैंडस्लैम हार्डकोर्ट पर जीते हैं, जिनमें दो अमेरिकी ओपन और दो आस्ट्रेलियाई ओपन शामिल हैं। वह 2020 में आखिरी बार यहां खिताब जीती थी, जिसके बाद 2021 में तीसरे, 2022 में पहले और 2024 में दूसरे दौर से बाहर हो गई थी।

इस साल विम्बलडन में तीसरे दौर में बाहर होने के बाद ओसाका ने कोच पैट्रिक मूराटोग्लू से अलग होने का फैसला किया और अब नए कोच टोमाज विक्टोरोवस्की के साथ हैं जो इगा स्वियातेक की टीम में रह चुके हैं। वहीं, 14 बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स ने अपनी छोटी बहन सेरेना के बिना पिछले 14 साल में पहली बार अमेरिकी ओपन महिला युगल मैच जीता। लैला फर्नांडिज के साथ मिलकर उन्होंने छठी वरीयता प्राप्त एन किचेनोक और एलेन पेरेज की जोड़ी को 7-6, 6-3 से हराया।

45 वर्ष की वीनस और लैला का दर्शकों ने खड़े होकर अभिवादन किया। वीनस एकल वर्ग के पहले ही दौर में हार गई थीं। वह 2022 के बाद पहली बार यहां युगल वर्ग में खेल रही है। विम्बलडन चैंपियन स्वियातेक ने नीदरलैंड की 66वीं रैंकिंग वाली सुजैन लामेंस को 6-1, 4-6, 6-4 से हराया। वहीं, विम्लबडन पुरुष एकल खिताब विजेता यानिक सिनेर ने अलेक्सेइ पोपिरिन को 6-3, 6-2, 6-2 से मात दी। अमेरिका की कोको गाफ ने डोन्ना वेकिच को 7-6, 6-2 से हराया। उनकी हमवतन अमांडा अनिसिमोवा ने माया ज्वॉइंट को 7-6, 6-2 से मात दी। पुरुष वर्ग में तीसरी रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जैकब फीयर्नली को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, टॉमी पॉल ने साढ़े चार घंटे तक चले मैच में नुनो बोर्गेस को 7-6 (6), 6-3, 5-7, 5-7, 7-5 से शिकस्त दी। (अनंत ज्ञान)

प्रधानमंत्री मोदी ने हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

बोले- भारत को खेलों में उत्कृष्टता का वैश्चिक केंद्र बनाने को प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को उनके जन्मदिन पर श्रद्धांजलि दी और दोहराया कि उनकी सरकार भारत को खेलों में उत्कृष्टता का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हॉकी के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी माने जाने वाले मेजर ध्यानचंद की स्मृति में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। ध्यानचंद ने 1928, 1932 और 1936 ओलंपिक में भारत को लगातार स्वर्ण पदक दिलाए थे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, "राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई। इस विशेष दिन मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि जो पीढ़ियों को प्रेरित करते आए हैं।" प्रधानमंत्री ने दोहराया कि उनकी सरकार देश में खेल और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को संस्थागत सहयोग मजबूत करने और आधुनिक ट्रेनिंग सुविधाएं तथा स्टेडियम देने के लिए कृतसंकल्प है।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक से भारत खेलों की महाशक्ति बन सकेगा। मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम पर एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उन्होंने कहा, "खेल प्रशासन विधेयक पारित करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने भारत को खेलों में शीर्ष देशों में पहुंचाने की ओर कदम रख दिया है।" उन्होंने कहा, "भारत में खेलों की परंपरा सदियों से है। मोदी के नेतृत्व में भारत आज खेल महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मैं देशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई देता हूं।" (अनंत ज्ञान)

राष्ट्रीय खेल दिवस — दिलीप टिर्की बोले-संसद में भी उठाया मसला, लेकिन कोशिश रही नाकाम

मेजर ध्यानचंद को कब मिलेगा भारत रत्न, सालों से इंतजार

एजेंसी, नई दिल्ली

उनके नाम पर राष्ट्रीय खेल सम्मान, उनका जन्मदिन 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस और देशभर में अनेक स्टेडियमों पर उनका नाम, लेकिन हॉकी प्रेमियों को यह कचोटता है कि तमाम आंदोलनों, आरटीआई और अपीलों के बावजूद मेजर ध्यानचंद को आज तक भारत रत्न क्यों नहीं मिल सका?

केंद्र सरकार ने 2021 में देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार कर दिया, लेकिन सवाल यह है कि जनभावना को देखते हुए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए उनके नाम पर विचार क्यों नहीं किया जा रहा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और तीन बार के ओलंपियन दिलीप टिर्की ने 2016 में इस मांग को लेकर जंतर-मंतर पर आंदोलन की अगुवाई की और संसद में भी मसला उठाया, लेकिन हर कोशिश नाकाम रही।

टिर्की ने कहा, "ध्यानचंद अपने दौर में दुनिया के सबसे बड़े खिलाड़ी थे। मैं हमेशा कहता हूं कि भारत को सबसे पहले ओलंपिक के स्वर्ण पदक हॉकी ने दिखाए हैं और उनका योगदान अतुलनीय है। देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार उनके नाम से, नेशनल स्टेडियम उनके नाम से तो भारत रत्न क्यो नहीं।" लगातार तीन ओलंपिक (1928 एम्सटर्डम, 1932 लॉस एंजिलिस और 1936 बर्लिन) में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे ध्यानचंद ने पहली बार विश्व खेलों के मानचित्र पर भारत की जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई थी। हॉकी के इतिहास में 185 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक 570 गोल का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। ध्यानचंद के बेटे और 1975 में एकमात्र विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे अशोक ध्यानचंद ने कहा कि उनके पिता ने कभी अपना प्रचार नहीं किया और उन्हें इस पर गर्व है। (अनंत ज्ञान)

दुनिया में खेलों के नक्शे पर भारत को लाने वाले व्यक्ति थे

उन्होंने कहा, "दुनिया में खेलों के नक्शे पर भारत को सबसे पहले लाने वाले वही थे। उनके निधन के 46 साल बाद भी उनका नाम आज गूंज रहा है और इसे ही महान खिलाड़ी की विरासत कहते हैं। मुझे उन पर गर्व है कि वे प्रचार से हमेशा दूर रहे।" उन्होंने कहा, "पूरे हॉकी समुदाय की तरफ से मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि भारतीय खेलों में उनके योगदान को देखते हुए मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न दिया जाए।" इतने साल और इतने प्रयासों के बाद भी हॉकी के जादूगर के लिए भारत रत्न का इंतजार है कि खत्म ही नहीं हो रहा और उम्मीद का दामन अब छूटता दिख रहा है।